@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

बुधवार, 9 सितंबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 306 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री मोदी का जेन-जी संवाद

धुरंधर के गाने पर एंट्री: अगले साल 7 राज्यों में चुनाव

इनमें 22फीसदी वोटर जेन-जी, यूपी में सबसे ज्यादा

एजेंसी
वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, 'लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना।' मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर Y आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के बाद बीजेपी का पूरा फोकस जेन-जी वोटर्स पर है। दरअसल, अगले साल 7 राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। इनमें 22.78फीसदी वोटर जेन-जी हैं। यूपी में सबसे ज्यादा 2.8 करोड़ जेन-जी वोटर हैं। इसलिए सभी पार्टियां उन्हें साधने में लगी हैं।

नवसारी में पीएम ने बीजेपी कार्यालय का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री वडोदरा में अपना कार्यक्रम पूरा करने के बाद नवसारी पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग ग्रिड के पास स्थित भाजपा के पहले एआई-बेस्ड कार्यालय 'नमो कमलम्' का उद्घाटन किया।

पीएम ने कहा- वडोदरा का वीडियो देखकर सीना चौड़ा हो गया

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं कल एक वीडियो देख रहा था। क्या ही मेरा वडोदरा है, सीना चौड़ा हो गया। पिछले एक हफ्ते से स्वच्छता का वातावरण बन गया है। जब गणेशजी पधारेंगे तो सारे आशीर्वाद वडोदरा पर बरसने वाले हैं। इस बार लाल किले से संकल्प की सप्तधारा का आह्वान किया था। विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी चाहिए, जो सुगम और जमाने के हिसाब से तेज भी हो।'

पीएम ने ग्लोबल फिटनेक फेस्ट का किया उद्घाटन

बोले- दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा

एजेंसी
मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और फिनटेक सेक्टर की बढ़ती पहुंच का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 देशों तक इसका विस्तार हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में लगातार तीसरी बार शामिल होने की खुशी है। उन्होंने इसे एक और 'हैट्रिक' बताते हुए कहा कि 2024 में तीसरी बार सरकार बनने की हैट्रिक के बाद यह उनके लिए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार आने की हैट्रिक है। उनके मुताबिक, यह इस बात को दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी अहम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बार फेस्ट में आने पर उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा युवा, ज्यादा ऊर्जा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है। पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने मुझे 10 साल में देखा है, वे जानते हैं मोदी एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वाला नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं दूसरे लक्ष्यों की तैयारी में जुट जाता हूं। अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सिंगापुर के साथ हम यह कर चुके हैं, इससे सिंगापुर और भारत के बीच पेमेंट ऐसे हो पा रहे हैं, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में होता है।

दुनिया में अनिश्चितता के बीच भारत पर बढ़ा भरोसा

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया टकराव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऊर्जा और कमोडिटी की सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है। पिछले कई महीनों से यह स्थिति बनी हुई है और अप्रैल से जून की तिमाही विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में जब भारत 7.8 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है, तो इससे दुनिया का भरोसा भारत पर और मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि यही भरोसा ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में मौजूद लोगों के चेहरों पर भी साफ नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत विश्व के टेक्सटाइल क्षेत्र में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 8 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल इण्डस्ट्री केवल आज की औद्योगिक गतिविधि नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की समृद्ध परम्परा, विरासत, हुनर और उद्यमिता का परिणाम है। प्रदेश के पास टेक्सटाइल क्षेत्र में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग बेस, मानव संसाधन, देश का सबसे बड़ा बाजार, मजबूत एम0एस0एम0ई0 नेटवर्क और दुनिया का सबसे युवा वर्क फोर्स मौजूद है। यू0पी0 का मतलब यू0पी0 टेक्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है। यह कॉन्क्लेव प्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर को नई दिशा और नई गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल पॉलिसी के परिणामस्वरूप आज 5,196 करोड़ रुपये के नये निवेश प्रस्तावों के एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर हुए हैं। साथ ही, 163 करोड़ रुपये के लेटर ऑफ कम्फर्ट तथा 60 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वितरण भी किया गया। उत्तर प्रदेश जो कहता है, वह करके दिखाता है। एम0ओ0यू0, लेटर ऑफ कम्फर्ट

'अप' है और 'अप' यानी अनलिमिटेड पोटेंशियल। टेक्सटाइल क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इसी असीम क्षमता को आधुनिक तकनीक, निवेश, नवाचार और ग्लोबल मार्केट के साथ जो ?ते हुए प्रदेश को विश्व के प्रमुख टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी आज यहाँ दो दिवसीय कॉन्क्लेव 'यू0पी0 टेक्सटाइल-2026' का शुभारम्भ करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने यू0पी0 टेक्स मित्र पोर्टल, हथकरघा-बुनकर समृद्धि योजना तथा उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री जी ने यू0पी0 टेक्सटाइल एवं गारमेण्टिंग पॉलिसी-2022 के अन्तर्गत उद्यमियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एल0ओ0सी0) तथा प्रोत्साहन राशि के प्रतीकात्मक चेक का वितरण किया। इसके पश्चात, उन्होंने अग्रणी वस्त्र एवं परिधान उद्यमियों के साथ राउण्ड टेबल संवाद किया। मुख्यमंत्री जी ने सी0आई0टी0आई0 एवं एन0आई0टी0आर0ए0 की संयुक्त रिपोर्ट 'भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग में ए0आई0, ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण की तैयारी-एक सर्वेक्षण-आधारित आकलन' का विमोचन तथा कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उनके समक्ष टेक्सटाइल पार्क एवं वस्त्रोद्योग के विभिन्न सेक्टर्स के लिए 09 एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि 'ट्रांसफॉर्मिंग उत्तर प्रदेश इन्टू ए ग्लोबल टेक्सटाइल हब' थीम पर आधारित और इन्सेण्टिव वितरण का आज का कार्यक्रम इसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल पहचान हजारों वर्षों पुरानी है। वाराणसी के रेशम और टेक्सटाइल की चर्चा वैदिक साहित्य में 'हिरण्य वस्त्र' अर्थात सोने के तारों से बुने हुए वस्त्र के रूप में मिलती है। रामायण में भगवान श्रीराम के विवाह उत्सव एवं अन्य राजसी प्रसंगों में काशी के उत्तम रेशमी एवं पीताम्बर वस्त्रों तथा चित्रकूट में वनवास के दौरान माता जानकी को प्राप्त दिव्य वस्त्रों का वर्णन भी धार्मिक साहित्य में मिलता है। महाभारत के राजसूय यज्ञ के प्रसंग में भी काशी के राजा द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए रेशमी एवं शुद्ध सूती वस्त्रों का उल्लेख मिलता है। भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में निर्मित वस्त्रों की माँग केवल देश तक सीमित नहीं थी, बल्कि प्राचीन काल में रोम और ग्रीक सभ्यताओं तक भारतीय वस्त्रों की माँग थी। इससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल परम्परा में प्राचीनकाल से ही वैश्विक बाजार तक पहुँचने की क्षमता रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वाराणसी की सिल्क साड़ी, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी, कानपुर का टेक्सटाइल, लेदर एवं इण्डस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग ईको-सिस्टम, आगरा का अपैरल एवं एलाइड मैन्युफैक्चरिंग, सीतापुर का टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग तथा मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स और टेक्निकल टेक्सटाइल की सम्भावनाएँ उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता और टेक्सटाइल विरासत के अलग-अलग आयाम हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

सत्य निकेतन हादसे के बाद बड़ा फैसला: लागू होगी पीजी नीति, जरूरी होगा लाइसेंस

नई दिल्ली। सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली सरकार ने पीजी नीति लागू करने का फैसला किया है। जल्द इसका मसौदा तैयार किया जाएगा। नीति के तहत पीजी चलाने के लिए लाइसेंस जरूरी होगा। मंगलवार को शहरी विकास और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में पीजी और किराये के मकानों में रहने वाले विश्वविद्यालय के छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान सूद ने कहा कि एक से दो महीने के भीतर इस नीति को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। सूद ने प्रस्तावित पेइंग गेस्ट आवास विनियमन एवं सुरक्षा विधेयक 2026 के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नीति में पीजी संचालन के लिए अनिवार्य लाइसेंस, जोनवार किराया सीमा समेत अग्नि सुरक्षा ऑडिट तथा एक केंद्रीय पीजी पोर्टल की व्यवस्था होगी। पोर्टल पर छात्रों को पीजी का किराया, सुविधाएं और सुरक्षा ऑडिट की स्थिति जैसी जानकारी पहले से उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार पहले से पीजी नीति और न्यायमूर्ति गौबा समिति की रिपोर्ट को लागू करने पर काम कर रही थी।इसके अलावा विश्वविद्यालयों और नरेला समेत खाली पड़ी सरकारी इमारतों में छात्रावास बनाने की संभावनाएं भी तलाशी जा रहीं हैं। बता दें कि इस विषय पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक में चर्चा भी हो चुकी है।

सवाल पूछने पर दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगते हैं

-पीएम मोदी की दिमागी नक्सलियों वाले भाषण पर राहुल गांधी ने बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए दिमागी नक्सलियों वाले भाषण के कीरब तीन हफ्ते बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को उन पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और जवाबदेही से बचने के लिए ऐसे विवादास्पद शब्दों का सहारा लेती है। उन्होंने विशेष रूप से दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक हादसे का हवाला दिया, जिसमें एक बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की जान चली गई।

राहुल गांधी ने एक्स पर ये बातें कहीं। उन्होंने टिना हैशटैग का इस्तेमाल किया, जिसका मतलब है उन्होंने कोई जवाबदेही नहीं बताया। गौरतलब है कि पीएम मोदी के समर्थक टिना फ़ैक्टर का ज़िक्र करते हैं, जिसका मतलब वे कोई विकल्प नहीं बताते हैं। यह पहली बार है जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले तंज का जवाब दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी सरकार से सवाल पूछने वाले किसी भी व्यक्ति को दिमागी नक्सल कह देती है। सोमवार को हिंदी में किए गए अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने कहा कि बीजेपी हमेशा निचले स्तर के अधिकारियों को दोषी ठहराती है और असली दोषियों को बच निकलने देती है, साथ ही, वह त्रासदी को रोकने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाती। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की सत्य निकेतन त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है और पिछले चार महीनों में राजधानी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि पिछले चार महीनों में सैदुलजाब में इसी तरह की त्रासदी में छह लोगों की मौत हुई और हौज़ रानी में आग लगने से 22 लोगों की जान चली गई थी। हर बार, लोगों की जान, सपने और उम्मीदें मलबे के नीचे दब जाती हैं और हर बार, कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिलती। उन्होंने आगे कहा कि और जब आप जवाबदेही की मांग करते हैं, तो पीएम खुद आप पर दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगाते हैं- मकसद यह होता है कि सवाल पूछने की हिम्मत करने वाले किसी भी व्यक्ति को शर्मिंदा किया जाए, बदनाम किया जाए और चुप करा दिया जाए। राहुल ने कहा कि दिल्ली में ट्रिपल-इंजन सरकार है, इसलिए इस घटना की जिम्मेदारी लेने से बचने के लिए उसके पास कोई बहाना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यह बेबसी इच्छाशक्ति की कमी से पैदा होती है क्योंकि जहां इच्छाशक्ति नहीं होती, वहां जवाबदेही भी नहीं होता।

राफेल मानहानि केस में राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका

मुंबई (एजेंसी)। राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को गिरगांव मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। हालांकि, अदालत ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए छह सप्ताह की राहत दी है। न्यायमूर्ति नितिन बोरकर ने कहा कि निचली अदालत के आदेश में ऐसी कोई स्पष्ट अवैधता या गंभीर खामी नहीं है, जिसके आधार पर हाईकोर्ट को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत अपनी अंतर्निहित शक्तियों का इस्तेमाल कर हस्तक्षेप करना चाहिए। यह मानहानि शिकायत भाजपा सदस्य महेश श्रीश्रीमल ने गिरगांव मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर की थी। शिकायत के अनुसार, राजस्थान में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से भाजपा समर्थकों की भावनाएं आहत हुई थीं। मजिस्ट्रेट ने अगस्त 2019 में राहुल गांधी को समन जारी किया था। उन्हें जुलाई 2021 में समन मिला, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुदीप पसबोला ने शिकायत को राजनीति से प्रेरित और परेशान करने के उद्देश्य से दायर बताया। उन्होंने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता को मानहानि मामले में शिकायत दर्ज कराने का अधिकार नहीं है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता रोहन महाडिक और महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने याचिका का विरोध किया।

सारण में बाढ़ के कारण 95 स्कूल बंद, बच्चों की पढ़ाई पर लगा ब्रेक

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में नदियों के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ का कहर अब बच्चों की शिक्षा पर भारी पड़ने लगा है। सोनपुर से लेकर छपरा सदर तक फैले बाढ़ के पानी ने जिले के 95 विद्यालयों में पठन-पाठन को पूरी तरह ठप किया है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन सभी विद्यालयों को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश जारी किया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित सोनपुर प्रखंड है, जहां 47 विद्यालयों को बंद किया है। इसके अलावा, दिघवारा में 17, छपरा सदर में 20, गड़खा में 6 और रिविलगंज में 5 विद्यालय बाढ़ के कारण बंद हैं। कई स्कूलों के परिसरों में पानी घुस गया है, वहीं कुछ स्थानों पर विद्यालय तक पहुंचने वाले रास्ते भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन उन इलाकों पर भी पैनी नजर रख रहा है जहां पानी तेजी से बढ़ रहा है और जरूरत पड़ने पर अन्य विद्यालयों को भी बंद किया जा सकता है। हालांकि, शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की हैं। बंद किए गए विद्यालयों के शिक्षकों को आसपास के अन्य विद्यालयों में संलग्न (अटैच) किया गया है, ताकि उनकी सेवाओं का उपयोग जारी रहे और नजदीकी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे। साथ ही, प्रभावित विद्यालयों के बच्चों को यह सुविधा दी गई है कि वे अपनी इच्छा अनुसार समीप के किसी भी खुले विद्यालय में जाकर पढ़ाई कर सकते हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जैसे ही इन विद्यालयों से पानी निकलेगा, 24 घंटे के भीतर उन्हें फिर से खोलने का आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रशासन बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

9वीं के छात्र के साथ रैगिंग, 5 गिरफ्तार

सोलन (एजेंसी)। सोलन के मशहूर डीपीएस डगशाई में नौवीं कक्षा के एक छात्र के साथ मारपीट और रैगिंग का मामला सामने आया है। इसी स्कूल के 5 सीनियर छात्रों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक बीते 5 सितंबर को नौवीं कक्षा के एक मासूम छात्र को सीनियर छात्रों ने उसके हॉस्टल के कमरे से जबरन घसीटकर बाहर निकाला और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। जूनियर छात्रों का आरोप है कि पिछले चार महीनों से सीनियर छात्र उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। रैगिंग, गाली-गलौज और शारीरिक हमला यहां आम बात हो चुकी थी। इसी खौफ की वजह से जूनियर छात्र पिछले कई महीनों से भयंकर मानसिक तनाव और डर के साये में जी रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने लंबे जाम में फंसे लोगों को दी राहत खुद खुलवा दिए सारे टोल गेट

त्रिशूर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने केरलम के त्रिशूर में एनएच-544 पर पलियक्कारा टोल प्लाजा के सभी 12 गेट खोलने का आदेश दिया। ऐसा उन्होंने टोल प्लाजा के दोनों तरफ 2 किलोमीटर से अधिक लंबा ट्रैफिक जाम लगने के कारण किया। केंद्रीय मंत्री शाम करीब 5.45 बजे त्रिशूर से एर्नाकुलम जा रहे थे जब उनका काफिला मन्नुथी-अंगमाली स्ट्रेच पर पहुंचा और उन्हें इस भारी जाम का सामना करना पड़ा। भारी जाम के बीच, केंद्रीय मंत्री के पुलिस एस्कॉर्ट ने उनके लिए रास्ता बनाया। हालांकि, इतनी लंबी कतार देखकर मंत्री गोपी ने अपनी जिम्मेदारी समझी और तत्काल हस्तक्षेप का फैसला किया। उन्होंने बताया कि कानूनी नियमों के अनुसार, यदि वाहन लंबी लाइनों में फंसे हों, तब इंजन चालू रहने से ईंधन की बर्बादी और धुएं के उत्सर्जन को रोकने के लिए अदालत के निर्देश हैं कि टोल गेट खोल दिए जाएं ताकि वाहनों को आगे बढ़ने दिया जा सके। केंद्रीय मंत्री गोपी ने स्पष्ट किया कि टोल स्टाफ केवल अपना काम कर रहे थे और उन्हें व्यक्तिगत रूप से जाम के लिए जिम्मेदार नहीं मन सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को भारी ट्रैफिक वाले दिनों में पुलिस के साथ मिलकर काम करना चाहिए और टोल प्लाजा पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। त्रिशूर के सांसद ने स्वीकार किया कि उनके काफिले के निकलने पर कुछ वाहन चालकों को गुस्सा आया होगा, लेकिन उन्हें इस बात से संतुष्टि मिली कि बाद में सभी यात्री आगे बढ़कर राहत महसूस कर पाए।

पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल से नकली पीएमओ अधिकारी गिरफ्तार बंदूक भी बरामद

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई में होने वाले कार्यक्रम स्थल, नीता अंबानी कल्चरल सेंटर, से पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें से एक व्यक्ति के पास से एक लोडेड बंदूक बरामद हुई है। गिरफ्तार मुख्य संदिग्ध खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बता रहा था। मुंबई पुलिस ने 24 वर्षीय रोहन पारेख नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से पीएमओ का एक नकली पहचान पत्र मिला। सुरक्षा अधिकारियों को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद जांच करने पर पहचान पत्र फर्जी निकला। रोहन एक निजी बॉडीगार्ड के साथ घूम रहा था, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से भरी हुई पिस्तौल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस छात्रों को परेशान करने और महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में व्यस्त

-अभिजीत दीपके ने पोस्ट में लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने में बिजी हैं। दीपके ने सोशल मीडिया पर एक न्यूजपेपर की कटिंग शेयर की है, जिसमें लिखा है-दिल्ली के किलोकरी गांव में 54 साल के मणिपुरी म्यूजिशियन सी विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। विक्रम अपने अपार्टमेंट के बाहर शराब पीने और शोर मचाने वाले लोगों का विरोध कर रहे थे। उनके घर के बाहर एक ग्रुप ने उन पर हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका बेटा उन्हें अस्पताल ले गया जहां उनकी मौत हो गई।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत ने ये न्यूजपेपर की कटिंग शेयर करते हुए लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने और शाहीन व नफीसा जैसी महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में तो बहुत व्यस्त है, लेकिन असल अपराध को रोकने के लिए उसके पास समय नहीं है। एक डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाली दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम पहचान की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया।
3 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के साकेत में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के उद्घाटन के लिए गई थीं। पत्रकारों का आरोप है कि वह कार्यक्रम की वीडियो बना रही थीं। तभी पुलिस वालों ने उनसे सवाल-जवाब शुरू कर दिया था। उनका कहना था कि एक सीएम से सवाल पूछने की सजा है कि दिल्ली पुलिस ने अपनी फ्स्टेशन निकाल दिया। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने चोट के निशान दिखाए हैं। उन्होंने बताया कि ये निशान दिल्ली पुलिस के डंडे से चोट के हैं।

अखिलेश यादव के चवन्नी वाले बयान को चुनाव में खेला करना चाहती है बीजेपी

-संगीत सोम ने कहा- जिसे वह चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे

लखनऊ, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में जाट नेता और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी को चवन्नी बताया था। अब पूरी कोशिश हो रही है कि इसे चुनावी मुद्दा बनाया जाए। आरएलडी चीफ चौधरी ने कहा कि जाट समुदाय का इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं बीजेपी इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती है। बीजेपी नेता संगीत सोम ने जयंत चौधरी का पक्ष लेते हुए कहा था कि अखिलेश यादव जिसे चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे।
वहीं जयंत ने कहा कि अगर सियासत की प्रतिद्वंद्विता में कुछ कहना ही था तो मेरा नाम लेकर कहा जा सकता था। एक समुदाय का इस तरह का अपमान करना उन्हें पतन के रास्ते पर ले जाएगा। उन्होंने कहा, इस तरह का अहंकार पहले भी देख चुका हूं। यह केवल पतन का रास्ता है। एनडीए के सहयोगी ओपी राजभर ने भी कहा कि जाट समुदाय का अपमान है। उन्होंने कहा कि इसी जाट समुदाय ने अखिलेश यादव के पिता को सीएम बनाया था। उन्होंने यहां तक कहा कि अखिलेश यादव का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है।
जयंत चौधरी विपक्ष पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हाल ही में सहारनपुर की रैली में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गन्ने के मुद्दे का भी राजनीतिकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल उत्पादन से किसान एक और बाजार से जुड़ रहे हैं। यह समाजवादी पार्टी से देखा नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा 400 पार तो गन्ने का दाम 400 पार वाला नारा भी दिया। जयंत चौधरी को बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड माना जा रहा है।
आरएलडी लंबे समय से जाट और किसानों की राजनीति करती रही है। कभी जाट और मुस्लिमों पर पार्टी का फोकस हुआ करता था। वहीं अब जयंत चौधरी ने बीजेपी से गठबंधन होने के चलते ब्राह्मण समाज को भी फोकस में रखना शुरू कर दिया। 2027 के चुनाव में जयंत चौधरी इसी समीकरण का फायदा उठाना चाहते हैं। एनडीए में रहते हुए अगर वह सवर्ण वोटों में सेंध लगाते हैं तो यह एनडीए के लिए फायदेमंद होगा। जयंत 2027 के चुनाव में 33 से 38 सीटों पर हिस्सेदारी चाहते हैं। इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही उनकी पत्नी चारू चौधरी भी सक्रिय राजनीति में हैं। ऐसे में महिला वोटों में भी उनकी पकड़ मजबूत हो सकती है। वहीं बीजेपी आरएलडी को 20 से 25 सीटें देना चाहती है। अगर जयंत चौधरी अखिलेश यादव के खिलाफ इसी तरह मजबूत रहते हैं तो आरएलडी को ज्यादा सीटें भी दी जा सकती हैं।

दिल्ली बिल्डिंग हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश : अब पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे मन में पहले से यह योजना है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर परसों यानी 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे। कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अकोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी। अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि हाल ही में हुई दुखद घटना को देखते हुए, यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है।

टास्मैक घोटाले और करूर गैंग का मुद्दे पर सीएम विजय ने विपक्ष को घेरा

चैन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में राज्य की सरकारी शराब कंपनी टास्मैक में हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए गंभीर आरोप लगाए कि 2021 से 2025 के दौरान राज्य में एक संगठित गिरोह काम कर रहा था, जिसे करूर गैंग के नाम से जाना जाता था। यह हमला राज्य के राजनीतिक गलियारों में गरमाहट पैदा कर गया है, खासकर तब जब सत्ताधारी दल नई-नई सत्ता में आया है।
मुख्यमंत्री विजय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके बड़े पैमाने पर अवैध वसूली, टेंडरों में हेराफेरी और पैसों का अवैध लेनदेन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि उस समय यह विभाग पिछली सरकार के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के पास था, जिससे सीधे तौर पर उनकी भूमिका पर सवाल उठते हैं। विजय ने आरोप लगाया कि सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर निजी लोगों और राजनीतिक बिचौलियों को अनुचित रूप से ताकत दी गई थी, जिससे एक समानांतर व्यवस्था का निर्माण हुआ जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही थी। उन्होंने सदन को बताया कि करूर और कोयंबटूर जैसे इलाकों में शराब खरीदने वालों से तय कीमत से अधिक पैसे वसूले जाते थे और स्थानीय बार मालिकों से जबरन उगाही की जाती थी, जिससे सरकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ और जनता का शोषण हुआ। मुख्यमंत्री ने सेंथिल बालाजी के भाई वी. अशोक कुमार का नाम लेते हुए उन पर फर्जीवाड़े, टेंडर में गड़बड़ी और ट्रांसपोर्ट व खरीदारी के कॉन्ट्रैक्ट से अवैध पैसे ट्रांसफर करने का सीधा आरोप लगाया, जिससे घोटाले की जड़ें और गहरी होती दिख रही हैं। अपने भाषण में, विजय ने 1967 में सी.एन. अन्नादुरई, 1977 में एम.जी. रामचंद्रन और 1983 में एन.टी. रामा राव (आंध्र प्रदेश) की ऐतिहासिक राजनीतिक जीतों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर, उनकी दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने 2026 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करके सरकार बनाई है, जो राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर है और एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा, ईश्वर, प्रकृति और जनता हमेशा हमारे साथ हैं। भ्रष्टाचार विरोधी जांच के सामने विपक्ष के सारे दांव उल्टे पड़ेंगे। यह बयान उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है और यह भी इंगित करता है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी। सी. जोसेफ विजय विधानसभा में गृह (पुलिस) विभाग की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे, जो विभाग स्वयं उनके पास है।

नंदीग्राम : जहां ममता खुद हार गईं, वहां किसे लड़ाएगी टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है, जहां 6 अक्टूबर को मतदान होगा और 9 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। हालांकि, इस बार की चर्चा उम्मीदवारों की घोषणा को लेकर है, जो अभी तक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी दोनों की ओर से नहीं की गई है। यह वही महत्वपूर्ण सीट है जहां 2021 के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था, जिससे यह उपचुनाव और भी दिलचस्प हो गया है।
मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा यह सीट छोड़ने के बाद उपचुनाव हो रहा है। टीएमसी के संभावित उम्मीदवार के तौर पर कई नामों पर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें अखिल गिरि का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि, पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। टीएमसी इस सीट पर अपनी वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी, क्योंकि यह ममता बनर्जी की चुनावी हार का प्रतीक रही है। वहीं, भाजपा ने भी अभी तक अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, मेघनाद पाल के नाम की चर्चा है, जिन्हें सीएम अधिकारी का करीबी माना जाता है। भाजपा का दावा है कि पार्टी की ओर से जिसे भी नामित किया जाएगा, वह उम्मीदवार मतदाताओं के लिए स्वीकार्य होगा। दोनों ही प्रमुख दल रणनीति के तहत नामों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिससे यह मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है। नंदीग्राम के साथ ही पश्चिम बंगाल की एक और सीट रेजीनगर में भी उपचुनाव होना है। यह सीट आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख हुमायूं कबीर के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। कबीर तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता थे, जिन्होंने पार्टी से निकाले जाने के बाद एजेयूपी का गठन किया और 2021 के विधानसभा चुनाव में रेजीनगर सीट पर जीत हासिल की थी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु में मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों, पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट और असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र में भी 6 अक्टूबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की है।

गणेशोत्सव: मुंबई में ध्वनि और अन्य नियमों का कड़ा पालन होगा

मुंबई , एजेंसी।
मुंबई में गणेशोत्सव का उल्लास इस वर्ष कड़े ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों और अन्य व्यवस्थाओं के साथ मनेगा। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने शहर के सभी गणेश मंडलों से अपील की है कि वे लाउडस्पीकर और अन्य ध्वनि उपकरणों का इस्तेमाल निर्धारित सीमाओं के भीतर ही करें। नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।
ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत, आवासीय क्षेत्रों में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ध्वनि स्तर 55 डेसिबल और रात 10 बजे के बाद 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। समन्वय समिति ने मंडलों से डीजे के बजाय ढोल-ताशे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ उत्सव मनाने का आग्रह किया है। गणपति विसर्जन के चार प्रमुख दिनों 15, 18, 19 और 25 सितंबर को लाउडस्पीकर रात 12 बजे तक चलाने की अनुमति होगी। हालांकि, इस दौरान भी ध्वनि की निर्धारित सीमा का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। समिति ने स्पष्ट किया है कि देर रात तक अनुमति का अर्थ तेज आवाज में संगीत बजाने की छूट नहीं है, और नियम तोड़ने पर संबंधित मंडल या आयोजक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।
महाप्रसाद की गुणवत्ता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सख्त नियम लागू किए हैं। अब महाप्रसाद तैयार करने वाले सप्लायर के पास खाद्य सुरक्षा से जुड़ा वैध लाइसेंस होना अनिवार्य है। इस नियम से छोटे गणेश मंडलों की परेशानी बढ़ गई है, क्योंकि उनके सीमित बजट में लाइसेंसधारी सप्लायर की सेवा लेना कठिन है। उन्होंने एफडीए से छोटे मंडलों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की है।
गणेश मूर्तियों की ऊंचाई और विसर्जन को लेकर भी मंडलों में असमंजस बना हुआ है। समन्वय समिति ने महाराष्ट्र सरकार, बीएमसी और संबंधित विभागों से अदालत के निर्देशों के अनुसार एक स्पष्ट और साझा नीति बनाने की मांग की है। बॉम्बे हाई कोर्ट की अंतरिम व्यवस्था के तहत, छह फीट तक की प्लास्टर ऑफ पेरिस मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में और छह फीट से ऊंची मूर्तियों को प्राकृतिक जलस्रोतों में विसर्जित करने की अनुमति है। समिति का कहना है कि नीति लागू करते समय मुंबई की सड़कों, विसर्जन मार्गों, पुलों और अन्य बाधाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत विश्व के टेक्सटाइल क्षेत्र में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रदेश में लगभग 02 लाख हैण्डलूम बुनकर और 05 लाख से अधिक पावरलूम बुनकर हैं, जो टेक्सटाइल सेक्टर की वास्तविक ताकत और इस पूरी कहानी के 'रियल हीरो' हैं। उत्तर प्रदेश फैब्रिक मैन्युफैक्चरिंग में देश में तीसरे स्थान पर है। देश के कुल फैब्रिक उत्पादन का लगभग 13 से 14 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में तैयार होता है। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों में वस्त्र उद्योग प्रमुख है। इसलिए टेक्सटाइल सेक्टर को प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन की रणनीति का महत्वपूर्ण आधार बनाया जा रहा है। पिछले 06 वर्षों में प्रदेश के वस्त्र, परिधान एवं हस्तशिल्प निर्यात में लगभग 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश का चौथा सबसे ब?ा निर्यातक राज्य बन गया है। प्रदेश के उत्पाद आज सैक ?ों अन्तराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व के टेक्सटाइल क्षेत्र में एक बड़ी ताकत के रूप में उभरा है। पिछले 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत को आधुनिक टेक्नोलॉजी, इन्वेस्टमेण्ट, इनोवेशन और ग्लोबल मार्केट से जो?कर नई इण्डस्ट्रियल स्टोरी लिखने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2030 तक 350 बिलियन यू0एस0 डॉलर की टेक्सटाइल एवं अपैरल इकोनॉमी तथा 100 बिलियन यू0एस0 डॉलर के टेक्सटाइल एवं अपैरल एक्सपोर्ट का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य इस राष्ट्रीय संकल्प में पूरी शक्ति के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2025-26 में 21,000 करो? रुपये से अधिक के वस्त्र, परिधान एवं हस्तशिल्प निर्यात के साथ जनपद गौतमबुद्धनगर ने देश के प्रमुख निर्यातक जनपदों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। सरकार का प्रयास है कि गौतमबुद्धनगर की सफलता के मॉडल को प्रदेश के अन्य जनपदों तक पहुँचाया जाए। प्रत्येक क्लस्टर के उत्पादन, डिजाइन, गुणवत्ता, लॉजिस्टिक्स और निर्यात को मजबूत तरीके से जोड़ने की आवश्यकता है। इसी दिशा में 'एक जनपद, एक उत्पाद' (ओ0डी0ओ0पी0) योजना के माध्यम से प्रदेश के अलग-अलग जनपदों के स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दी गई है। टेक्सटाइल क्षेत्र में 35 से अधिक जनपदों के वस्त्र एवं हैण्डलूम से जुड़े उत्पादों को ओ0डी0ओ0पी0 योजना के माध्यम से नई पहचान मिली है। प्रदेश के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जी0आई0 टैग प्राप्त हो चुका है। जी0आई0 टैग किसी उत्पाद की गुणवत्ता, उसके उत्पादन क्षेत्र, परम्परा और उससे जुड़े कारीगरों की सामूहिक पहचान का सम्मान है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की लाखों महिलाएँ भी टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। अब प्रदेश को 'फाइबर से यार्न, यार्न से फैब्रिक, फैब्रिक से गारमेण्ट, गारमेण्ट से ब्राण्ड और ब्राण्ड से ग्लोबल मार्केट' तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। उन्होंने निवेशकों और उद्यमियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश इस पूरी वैल्यू चेन को मजबूत करने और स्वयं को इसका वैश्विक केन्द्र बनाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति किसी से छिपी नहीं थी। प्रदेश में माफिया की समानान्तर व्यवस्था संचालित होती थी और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' की पहचान बन गई थी। हत्या, फिरौती, कब्जा, गुण्डा टैक्स और अपहरण जैसी गतिविधियाँ फल-फूल रही थीं। उस समय बेटी, व्यापारी और निवेशक स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करते थे। प्रदेश में त्योहारों से पहले उपद्रव और दंगों की आशंका बनी रहती थी। बरेली, मथुरा के कोसीकलां, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर सहित विभिन्न स्थानों पर बड़े दंगे हुए तथा लम्बे समय तक कर्फ्यू की स्थिति बनी रही थी। ऐसी परिस्थितियों में बाजार, व्यापार और अर्थव्यवस्था का आगे ब?ना सम्भव नहीं था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। अपराध, अपराधी और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी गई है। आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू, दंगा, माफिया और उपद्रव से मुक्त है। इससे आमजन, व्यापारी और निवेशकों का विश्वास बहाल हुआ है। किसान का बाजार पर, व्यापारी और निवेशक का कानून पर तथा युवा का अपने भविष्य और प्रदेश की क्षमता पर विश्वास मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की जी0एस0डी0पी0 तथा प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त हुई है। वीमेन वर्क फोर्स की भागीदारी को भी तीन गुना ब?ाने में सफलता मिली है। एक्सप्रेस-वे से एयरपोर्ट, रेलवे से वॉटर-वे तथा फ्रेट कॉरिडोर से इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एवं लॉजिस्टिक कॉरिडोर तक उत्तर प्रदेश में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार ने अलग-अलग क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप 36 सेक्टोरल पॉलिसीज तैयार की हैं। प्रदेश में निवेशकों के लिए 75,000 एकड़ का लैण्ड बैंक उपलब्ध है। नीतियों में किए गए प्राविधानों के अनुरूप निवेशकों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा ऑनलाइन इन्सेण्टिव वितरण की व्यवस्था की गई है। प्रदेश लगातार पिछले 06 वर्षों से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में आगे बढ़ रहा है। निवेशकों से किए गए वायदों को शत-प्रतिशत लागू कराने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश को लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इन निवेशों के माध्यम से प्रदेश में 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में सफलता मिली है। लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव की ग्राउण्ड ब्रेकिंग शीघ्र की जाएगी। प्रदेश में ब? कारखानों की संख्या भी 14,000 से ब?कर 35,000 हो गई है। एम0एस0एम0ई0 सेक्टर पहले कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। उसे ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से ब्राण्डिंग और बाजार उपलब्ध कराया गया। प्रत्येक एम0एस0एम0ई0 यूनिट को राज्य सरकार की ओर से 05 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा गारण्टी भी दी गई है। आज 96 लाख एम0एस0एम0ई0 यूनिट्स के साथ उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक एम0एस0एम0ई0 वाला राज्य है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग की लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट की लगभग 60 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग उत्तर प्रदेश में हो रही है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के 06 रणनीतिक नोड्स के लिए 35,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रदेश में 12 प्लेज पार्क तैयार किए जा रहे हैं। सिंगल विण्डो क्लीयरेंस के साथ निवेश मित्र, निवेश सारथी और उद्यमी मित्र जैसी व्यवस्थाएँ निवेशकों को सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया में टेक्सटाइल सेक्टर तेजी से बदल रहा है। टेक्सटाइल इण्डस्ट्री अब केवल धागे, कपड़े और फैशन तक सीमित नहीं रही है। साइंस और टेक्नोलॉजी के संगम ने इसे टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में एक नए और तेजी से ब?ते हुए क्षेत्र में परिवर्तित किया है। डिफेंस, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर और स्पोर्ट्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में टेक्निकल टेक्सटाइल की भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह नई तकनीक, नई जरूरतों और नई अर्थव्यवस्था को जोड़ने वाला रणनीतिक क्षेत्र बन चुका है। उत्तर प्रदेश को ट्रेडिशनल टेक्सटाइल से आगे बढ़कर तेजी के साथ टेक्निकल टेक्सटाइल की दिशा में आगे ब?ना होगा। प्रदेश के पास मैन्युफैक्चरिंग बेस, मजबूत एम0एस0एम0ई0 नेटवर्क, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग ईको-सिस्टम, स्पोर्ट्स गुड्स की पहचान तथा दुनिया का बड़ा घरेलू बाजार मौजूद है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि निवेशक को अलग-अलग इन्फ्रास्ट्रक्चर तलाशने की आवश्यकता न पड़े। इण्टीग्रेटेड टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में एक ही ईको-सिस्टम में पूरी टेक्सटाइल वैल्यू चेन उपलब्ध हो। पी0एम0 मित्र पार्क और संत कबीर टेक्सटाइल पार्क जैसी महत्वपूर्ण पहलें इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। संत कबीर टेक्सटाइल पार्क के अन्तर्गत जनपद वाराणसी, अमरोहा, बरेली, संत कबीर नगर और बिजनौर में परियोजना के लिए भूमि चिन्हित कर आरक्षित की गई है। वहीं सीतापुर, मऊ, कानपुर, झाँसी और रायबरेली जनपदों में भी टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करने की कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। नोएडा को अपैरल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। जब इन्फ्रास्ट्रक्चर और पॉलिसी एक साथ चलते हैं, तो इन्वेस्टमेण्ट, इण्डस्ट्री और रोजगार के अवसरों को आने से कोई रोक नहीं सकता। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक जिले की टेक्सटाइल स्ट्रेंथ को रोजगार की स्ट्रेंथ में बदलना है। जहाँ बुनाई की परम्परा है, वहाँ आधुनिक वीविंग और डिजाइन की सुविधाएँ विकसित हों। जहाँ गारमेण्ट मैन्युफैक्चरिंग की सम्भावना है, वहाँ गारमेण्ट क्लस्टर विकसित किए जाएं। जहाँ हैण्डीक्राफ्ट है, वहाँ डिजाइन, ब्राण्डिंग और एक्सपोर्ट सपोर्ट पहुँचे। जहाँ स्किल है, वहाँ उद्यमिता का द्वार खुले। प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 केवल सब-कॉन्ट्रैक्टर न रहें, बल्कि ग्लोबल वैल्यू चेन के पार्टनर बनें। प्रदेश के युवा केवल जॉब सीकर न रहें, बल्कि टेक्सटाइल इण्टरप्रेन्योर और इनोवेटर बनें। आर्टिजन केवल सप्लायर न रहें, बल्कि ब्राण्ड ऑनर बनें। 'डिजाइन्ड इन यू0पी0, मेड इन यू0पी0 एण्ड एक्सपोर्टेड फ्रॉम यूपी' के माध्यम से उत्तर प्रदेश के हुनर को वैश्विक पहचान दिलाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निफ्ट, रायबरेली और उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, कानपुर जैसे संस्थान प्रदेश के युवाओं को टेक्सटाइल की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रहे हैं। ओ0डी0ओ0पी0 ने यह साबित किया है कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान देकर उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा सकता है। वाराणसी की साड़ी, भदोही की कालीन, लखनऊ की चिकनकारी और बरेली की जरी में केवल क्राफ्ट्समैनशिप नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पूँजी भी निहित है।

NAME CHANGE
I MOHD ASIF ANSARI S/O HAJI SHOUKAT ALI R /O HOUSE NO 345 k BLOCK NEAR HIGH SECONDARY SCHOOL NEW SEELAMPUR NEW DELHI 110053 CHANGED MY NAME TO MD ASIF

NAME CHANGE
I, MANJU BALA W/O DEVINDER SINGH R/O 935 VILLAGE BUTANA KHETLAN TEH GOHANA SONIPAT-131302, HARYANA, HAVE CHANGED MY NAME TO MANJU DEVI FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, RAJINDER KUMAR S/O HARPHOOL SINGH R/O FLAT NO. A-802,KRISHANA APPARTMENT,PLOT NO-98,SEC-54, GURGAON,HARYANA-122011, HAVE CHANGED MY NAME RAJENDER KUMAR JAGLAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, BINA RANI W/O GIRWAR SINGH R/O 4859, KATRA SUBHASH MAIN ROAD, BALLIMARAN, CHANDNI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name to NEENA RANI for all future purposes.

NAME CHANGE
I ALKABAI legally mother of Army no -2815011X
Rank - SEP, Name - SAINDANE ATUL BHANUDAS, Presently Residing At - JAIL ROAD NASIK RD, Post- NASHIK ROAD, Teh - NASHIK ROAD, Dist - NASHIK State- MAHARASTRA
Pin - 422101 have changed my name from ALKABAI to SAINDANE ALKABAI BHANUDAS for all future purposes, Vide affidavit dated 08/09/2026 before Notary Delhi.

नाम परिवर्तन
में,I,ARMY NO.w|®}{}|H, RANK - LNK, NAME - ROHITASH MEENA, UNIT - HQ |w INF DIV, निवासी ग्राम - नाहरखोहरा, पोस्ट - नाहरखोहरा, तहसील - सिकराय, जिला - दौसा (राजस्थान), पिन कोड नम्बर - 303502, शपथ पूर्वक घोषणा करता हु कि मेरी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे बेटे का नाम वेद प्रकाश ओर मेरी पत्नी का नाम रेखा दर्ज है जो कि गलत है। मेरे बेटे का सही नाम वेदप्रकाश मीना और मेरी पत्नी का सही नाम रेखा देवी है जो उनके आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। अतः मेरे बेटे के और मेरी पत्नी के इन सही नामों को पढ़ा व समझा एवं मेरे सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, HARSHIT SHARMA S/o NRITYARAJ SHARMA, R/o Flat No.B-1203, Block-C, Apex Acacia Valley, Plot No.11, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as NRITARAJ SHARMA and ALKA SHARMA in my all educational documents and as NRITYARAJ JI SHARMA and ALKA SHARMA in my passport No AJ254876 and as name of my father has been wrongly written as NRITYARAJ JI SHARMA in my Pan Card No. FDYPS6656A. The actual name of my father and my mother are NRITYARAJ SHARMA and ALKA BHARDWAJ respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I RAMA D/O INDERJEET AHUJA R/O 129 ARJUN NAGAR SAFDAR JUNG ENCLAVE DELHI 110029 have changed my name to RAMA AHUJA Permanently for all future

NAME CHANGE
I KM JYOTI GUSAI W/O SURYAKANT R/O A-1, 44 MOHAN GARDEN DELHI -110059 have changed my name to JYOTI RAWAT Permanently for all future

NAME CHANGE
I, NARENDER KUMAR CHOUTEEY S/o Bansi Lal R/o B-395, Street No.4, Majlis Park, Azad Pur, Delhi-110033 have changed my name to NARENDER KUMAR permanently.

NAME CHANGE
I SHAKIR SON OF FAKRUDDIN R/O H NO. 700/24-A, STREET NO-20, VIJAY PARK, MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053, THAT THE CONFIRM MY FATHER NAME IS "FAKHRUDDIN & FAKRUDDIN" BOTH SURE NAME BELONGS TO SAME PERSON THAT'S MY FATHER ONLY HAVE CHANGED MY FATHER NAME FAKHRUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE AND MY MOTHER NAME SHERUNISHA AND SHERUN NISHA BOTH SURE SAME PERSON HAVE CHANE MY MOTHER NAME SHERUN NISHA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, RUCHI KOKCHA SHARMA W/o RISHI SHARMA R/o 421-A, POCKET-II, MAYUR VIHAR PHASE 1, PO:PATPARGANJ, DIST:EAST DELHI, DELHI-110091, have changed the name of my minor daughter VAGMI PRABHAKAR aged 14 years and she shall hereafter be known as VAGMI KOKCHA PRABHAKAR for all purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं, रूबी पत्नी श्री माता प्रसाद, पुत्री स्वर्गीय श्री राजेंद्र प्रसाद, निवासी A-24, पंचशील विहार, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017, अपने पुत्र मांशु कुमार पुत्र श्री माता प्रसाद को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों/परिसंपत्तियों से बेदखल एवं अपने संबंधों से वंचित करती हूँ। उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य, लेन-देन, ऋण अथवा दायित्व के लिए मैं जिम्मेदार नहीं रहूँगी। आम जनता को सूचित किया जाता है कि वह मेरे नाम पर मंशु कुमार से किसी भी प्रकार का लेन-देन न करे। मैं यह भी घोषणा करती हूँ कि ऊपर बताए गए व्यक्तियों द्वारा किए गए किसी भी कार्य, गतिविधि, लेन-देन, देनदारी, वादे या सौदे के लिए न तो मैं और न ही मेरे परिवार का कोई सदस्य किसी भी तरह से जिम्मेदार या जवाबदेह नहीं होगा। जो कोई भी व्यक्ति उनके साथ लेन-देन करेगा, वह अपने जोखिम और जिम्मेदारी पर ऐसा करेगा।

रूबी
पत्नी श्री माता प्रसाद
7982359292

सार्वजनिक सूचना
मैं, मंजुलता तिवारी, पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार तिवारी, निवासी बैलारा, डाकघर बैलारा, जिला भरतपुर, राजस्थान-321602, एतद्द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरे कुछ संपत्ति संबंधी दस्तावेजों में मेरा नाम मंजू शर्मा तथा मेरे पति का नाम राजेन्द्र कौशिक अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य पहचान पत्रों के अनुसार मेरा सही नाम मंजुलता तिवारी तथा मेरे पति का सही नाम राजेन्द्र कुमार तिवारी है। मैं आगे यह भी घोषित करती हूँ कि मंजू शर्मा एवं मंजुलता तिवारी एक ही व्यक्ति के नाम हैं तथा राजेन्द्र कौशिक एवं राजेन्द्र कुमार तिवारी एक ही व्यक्ति के नाम हैं। इन नामों के कारण किसी प्रकार की पहचान में कोई परिवर्तन नहीं है और दोनों नाम संबंधित एक ही व्यक्तियों को दर्शाते हैं।
अतः सर्वसाधारण एवं संबंधित विभागों को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त दोनों नाम एक ही व्यक्तियों के हैं तथा भविष्य में इस संबंध में कोई भ्रम न रखा जाए।

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, KIRAN DEVI mother of JC-473983W, Rank-NB SUB, Name-RAKESH SINGH RAWAT residing at VPO-BISALPUR, TEHSIL-KHERAGARH, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283102, have changed my name from KIRAN DEVI to KIRAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Rajesh Kumar Dahiya S/O Ram Karan Dahiya, Block -B H. No. -638, Gali No-22, Sant Nagar, Burari, North West Delhi Pin:110084 Have Changed My Name To Rajesh Dahiya For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, GONDU RAMBABU legal father of G HEMANSHU R/O 2-21, VILL-KOTTURU, PO-VADADA, DIST-GARA, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532401, have changed my minor son's name from G HEMANSHU to GONDU HEMANSHU for all future purposes vide affidavit dated 08/09/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DIVYA S BANDEKAR wife of No.-14683057Y, Rank-NK, Name-SANDEEP BANDEKAR residing at VILL-GABITWADA, PO-HARWADA, TEHSIL-ANKOLA, DIST-UTTAR KANNADA, KARNATAKA-581316, have changed my name from DIVYA S BANDEKAR to DIVYA SANDEEP BANDEKAR for all future purposes vide Affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I KOMAL legally mother of Army no -JC 461724 F Rank - SUB, Name - LOMATE DHONDIBA MADHAVRAO, Presently Residing At - TADAGAON
Post- GHARAGAON, Teh - KALAMB, Dist - DHARASHIV, State- MAHARASTRA, Pin - 413528 have changed my name from KOMAL to KOMAL MADHAVRAO LOMATE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/01/1959 vide affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Shakil S/o Mr. Islamuddin is the owner and in possession of a Freehold Residential portion of Plot No. 4, & 5, Land area measuring 125 Sq. Yards, i.e. 104.51 Sq. Meters, Out of khasra No. 169, Khushal Park, Block-C, Situated in the area of Village Loni, Pargana Loni, Tehsil and Dist. Ghaziabad, U.P., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed Dated 14.12.2023 regd. duly., as Doc No. 19017, in the Book No. 1, Vol No. 1593 on Page No. 297-320, regd., on dated 14.12.2023, in the SRO-II Loni Ghaziabad, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mohammad Kaleem Khan Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold too bee Mr. Sachin Chand Sagar and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Shahdara Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Lubna Mazhar W/o Mohammad Mohsin R/o 1019 Gali Rajan Farash Khana Delhi 110006 have changed my name to Lubna Begum for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Seema Abrol W/O Virender Kumar, B-3/19 Ground floor, Sector -15 Near Sunrise Hospital, Rohini, PO : Rohini Sector 15 Dist : North West Delhi Pin:110089 Have Changed My Name To Seema For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, RADHA wife of JC-473983W, Rank-NB SUB, Name-RAKESH SINGH RAWAT residing at VPO-BISALPUR, TEHSIL-KHERAGARH, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283102, have changed my name from RADHA to RADHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Mohammed Sabdar R/o J-14/2, Third Floor, KH No 5/94 Gali No 11, Brahampui Near M C D School, Seelampur, Delhi-110053 have changed my name to Sabdar.

NAME CHANGE
I, NISHA W/O ASHISH GUPTA R/O C-20 MILAP NAGAR UTTAM NAGAR DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO NISHA SINGLA.

Public Notice
It is for general Information that I, Vinod Kumar Bhati S/o Rohtash Singh Bhati R/o House No. 122, Badhpura, PO: Dadri, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207 declare that name of mine has been wrongly written as Vinod Bhati in my minor son namely Shaurya Bhati aged 15 years in his 10th class Educational Documents, The actual name of mine is Vinod Kumar Bhati

Public Notice
I, Nikhat Parveen, hereby declare that "Mohd Arshad" and "Mohammad Arshad" refer to one and the same person who is R/O C10/191 Yamuna Vihar, i.e., my husband, Mohammad Arshad. This notice is being published to clarify the discrepancy in his first name appearing in my documents and to confirm that there is no change of identity.

कोर्ट नोटिस
न्यायालय मध्यस्थ / सहायक आवास आयुक्त / सहायक निबन्धक उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, 104, महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ।

संख्याः 2937
/ सह0 / वाद
सूचना **दिनाँकः 07-09-2026**

(1)श्री राघवेन्द्र झा पुत्र श्री बलबहादुर झा, फ्लैट नं0-3, इन्द्रा गांधी इन्सटीटयूट ऑफ डवलपमेंट रिचर्स, जनरल ए0के0 वैद्य मार्ग, गौरे गांव ईस्ट, मुम्बई-400065
(2)श्री नरेन्द्र कुमार कसाना पुत्र श्री जयचन्द्र कसाना, निवासी गांव भौपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201005 (मो0नं0-9310128757)
(3) श्री देवेन्द्र कुमार गोस्वामी पुत्र श्री धर्मवीर गोस्वामी, निवासी-623/27, ब्लाक सी-1, हर्ष बिहार दिल्ली। (मो0नं0-9999105242)
(4) श्रीमती रचना सैन पत्नी श्री प्रेमचन्द्र सैन मकान नं0-2 एच-4/104, राजेन्द्र नगर, सेक्टर-2, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201004 (मो0नं0-8826572001)
(5) श्री कपिल चन्देला पुत्र श्री भोपाल सिंह, निवासी ग्राम ब्रम्हापुर उर्फ भौपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201004 (मो0नं0-9711649861,8826572001)
(6) श्री दीपक कुमार एवं श्री मुकेश कुमार पुत्रगण श्री मिट्ठन लाल निवासीगण-09/02, सी-ब्लॉक डिफेन्स कालोनी, गाजियाबाद-201006 (मो0नं0-9958359486) डा0 भौपुरा

अधोहस्ताक्षरी के समक्ष वायु सेना हिन्डन सहकारी आवास समिति लि0 गाजियाबाद द्वारा आपके विरूद्ध मध्यस्थ वाद संख्या 33 डब्लू/2015 योजित किया गया है। उक्त वाद की नियत विगत सुनवाई तिथियों में आप सभी उपस्थित नहीं हुए हैं। अतः इस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको एक और अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि उक्त वाद की नियत अन्तिम सुनवाई दिनाॅक 30.09.2026 को पूर्वान्ह 11.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय कक्ष में उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष साक्ष्यों सहित प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। यदि आप द्वारा उक्त सुनवाई तिथि पर उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो गुण दोष के आधार पर निर्णय दे दिया जायेगा।

(अनिल प्रकाश)
मध्यस्थ / सहायक आवास आयुक्त / सहायक निबन्धक

NAME CHANGE
I hitherto known as Sunil Kumar alias Sunil Kumar Lidhoo S/o Prithvi Nath Lidhoo R/o House No. 658, Sector-3, Vasundhara, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012 have changed my name and shall hereafter be known as Sunil Kumar Lidhoo.

NAME CHANGE
I, Virender Abrol S/O Roshan Lal ,B-3/19 Ground floor, Sector -15 Near Sunrise Hospital, Rohini, PO : Rohini Sector 15 Dist : North West Delhi Pin:110089 Have Changed My Name To Virender Kumar For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, BACHCHOO SINGH RAWAT father of JC-473983W, Rank-NB SUB, Name-RAKESH SINGH RAWAT residing at VPO-BISALPUR, TEHSIL-KHERAGARH, DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283102 have changed my name BACHCHOO SINGH RAWAT to BACHCHU SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Vikash S/o Raghuraj R/o 45, Village - Inayat Pur, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed the name of my minor Son Rocky aged 10 years and he shall hereafter be known as Shiva

NAME CHANGE
I hitherto known as Nirmla W/o Rajendra R/o 307, Dasna, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302 have changed my name and shall hereafter be known as Aneeta.

NAME CHANGE
I, ASHUTOSH SHARMA S/o HARI OM SHARMA R/o House No-14, Gali No-RoRI-2, Near Jarvir Mandir, Modi Nagar, Rori, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201201, have changed the name of my minor son VIDHUR aged 11 years and he shall hereafter be known as JAI SHARMA.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Rohit Singh S/o Mr. Narayan Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential Double-Storey House, area measuring 81.50 Sq. Yards, i.e. 68.140 Sq. Meters, out of Khasra No. 167/1 Min, situated at Village Mohammadpur Dhedha, Pargana Jalalabad, Tehsil Modi Nagar, Distt. Ghaziabad, Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 08.04.2025, duly registered as Document No. 7248, in Book No. 1, Volume No. 16172, on pages 289-304, on dated 08.04.2025, with the Sub-Registrar Office of Modi Nagar, Ghaziabad., In the chain of documents, (1) Original Sale Deed dated 15.01.2004 executed by (1) Mr. Ram Chandra Singh, (2) Mr. Chandrika Singh in favour of and (1) Mr. Piyush Kumar, (2) Mr. Sonu Kumar, (3) Mr. Rajkumar all sons of Mr. Chandrika Devi through her mother Mrs. Janki Devi W/o Mr. Chandrika Singh, duly registered as Document No. 338, in Book No. 1, Volume No. 929, on pages 127-134 SR-Modi Nagar (2) Original Sale Deed dated 13.06.2008 executed by Mr. Piyush Kumar, Mr. Sonu Kumar both sons of Mr. Chandrika Devi and Minor Child Rajkumar through her mother Mrs. Janki Devi in favour of Mrs. Omkari Devi duly registered as Document No. 6830, in Book No. 1, Volume No. 2611, on pages 57-84, SR-Modi Nagar, are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And the said property to be financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Noida-Extension, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, ABID / MOHAMMAD ABID / MOHAMMAD ABID KHAN S/O MOHAMMAD SALEEM R/O HOUSE NO-850, CHURI WALAN, JAMA MASJID, DELHI-110006have changed my name to MOHD ABID for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Saria D/O Dinesh Kumar Makkar, E-109 , Gali No-3, Hardev Nagar, Jarodha, VTC: Burari, Dist : North Delhi State :Delhi Pin: 110084 Have Changed My Name To Sarya Makkar For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I Nasir Ahmed S/o Abdul Gafoor R/o 1784 Gali Gudriyan Turkman Gate delhi-110006 Have Change My Name to Mohd Nasir For All Future Purposes

NAME CHANGE
I, Maimuna W/o Umar Mohd R/o VPO Akera, Tehsil & Distt. Nuh Mewat, Haryana-122107 have changed my name to Memuna for all future purposes.

NAME CHANGE
I MAHI D/0 AMARJEET SINGH R/0 734 DDA TENE MENTS VISHAL ENCLAVE VTC TAGORE GARDEN RAJOURI GARDEN DELHI 110027 CHANGED MY NAME TO MAHI MALHOTRA

NAME CHANGE
I AMANPREET D/0 AMARJEET SINGH R/0 734 DDA TENE MENTS VISHAL ENCLAVE VTC TAGORE GARDEN RAJOURI GARDEN DELHI 110027 CHANGED MY NAME TO AMANPREET MALHOTRA

NAME CHANGE
I hitherto known as Bittu S/o Rajpal Singh R/o H No.212, Nagli Wazidpur, Sector 135, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed my name and shall hereafter be known as VINOD KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as GAJENDER SINGH S/o DIVALI R/o 77, Sector 4, Haibatpur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as JOGENDER. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I ZAHUL S/0 SAMSUDIN R/0 OLD MAWESI HOSPITAL WARD NO 15.127 PO.PINGWAN MEWAT HARYANA CHANGED MY NAME TO JAHUL

Public Notice
The notice says that the person R/O of Yamuna vihar house no. C-10/191 correct name is Mohammad Arshad, as recorded in his Aadhaar Card and other government documents, while his wife government - issued documents incorrectly records his name as "Mohd Arshad." It expressly clarifies that both names refer to the same person.

Date of Birth Change
I, BHASKAR NAMDEORAO DAHAKE, is legally father of Army No. 2813649L, Rank - HAV, Name - DAHAKE GIRISH BHASKAR, presently residing at Vill - Kaotha (Rly), Post - Kaotha (Rly), Tal - Deoli, Dist - Wardha, State - Maharashtra, Pin - 442302, have changed my date of birth from 05/06/1960 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 14/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, DRISHTI JOG D/O ROHIT JOG R/O FLAT NO-164 DHUDIAL APARTMENT PITMPURA SARASWATI VIHAR DELHI-110034 have changed my name to DIRISHTI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ritesh Kumar Tiwari S/O Vijay Chand Tiwari R/O 76, Shyam Colony Amarnagar, Faridabad, Haryana- 121003 have changed my name to Ritesh Tiwari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, REKHA, is legally mother of Army No. 2813649L, Rank - HAV, Name - DAHAKE GIRISH BHASKAR, presently residing at Vill - Kaotha (Rly), Post - Kaotha (Rly), Tal - Deoli, Dist - Wardha, State - Maharashtra, Pin - 442302, have changed my name from REKHA to REKHA BHASKARRAO DAHAKE and date of birth from 12/10/1967 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 14/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, WAHENGBAM ROSEMERY DEVI wife of No.-4376790L, Rank-HAV, Name- WAHENGBAM DAMEN SINGH residing at VILL-KAKYAI MAKHA LEIKAI, PO & PS-NAMBOL, DIST-BISHNUPUR, MANIPUR-795134, have changed my name from WAHENGBAM ROSEMERY DEVI to NARENGBAM ROSEMARY DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNWIN S/O TONY S MICHEAL R/O QTR NO- 10 , 2 RAJA JI MARG (BACK SIDE), NIRMAN BHAWAN DELHI-110011 , have changed my name to SUNWIN TONY SEBASTIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAYWIN S/O TONY S MICHEAL R/O QTR NO- 10 , 2 RAJA JI MARG (BACK SIDE), NIRMAN BHAWAN DELHI-110011 , have changed my name to RAYWIN TONY SEBASTIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I NISHA SAHIEN D/O ASLAM KHAN R/O H NO-E-114/1, STREET NO-17, SHASTRI PARK, DELHI 110053. have changed my name to NISHA SHAHIN for all purposes.

NAME CHANGE
I, RAHUL RASTOGI S/O SHIV KUMAR RASTOGI R/O 194 BLOCK-A VIKY MOBILE SHOP SHASTRI NAGAR ASHOK VIHAR DELHI-110052, have changed my name to RAHUL KUMAR RASTOGI for all future purposes.

NAME CHANGE
SHRUTI TREHAN W/o VARUN SARIN R/o B2 -12A02 13TH FLOOR PARSVNATH EXOTICA, GOLF COURSE RD SEC53 DLF PHASE 5, GURGAON, HARYANA 122002, HAVE CHANGED MY NAME TO SHRUTI SARIN ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I KM SITA W/O SANTOSH RANA R/O FLAT NO 304, 3RD FLOOR , GALI NO 184A, BHAGWATI APPARTMENT TOWER 3,OPPOSITE DAULATABAD FLYOVER LAXAMAN VIHAR GURGAON HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO SITA DEVI FOR ALL FUTURE PURPOSE

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी / (84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नन्हे पुत्र भोला निवासी पोस्ट जहांगीरा बाद थाना सैनी, ग्राम सिपाहा हब्बा नगर, जिलाः कौशांबी, यूपी सिहानी गेट गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने एफआईआर संख्या 571/2020 धारा 323/341 भा.द.स. के तहत** थानाः मंडावली, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **नन्हे** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **नन्हे** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 571/2020 धारा 323/341 भा.द.स. के तहत थानाः मंडावली, दिल्ली के उक्त नन्हे** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सचिन
न्यायिक दण्डाधिकार प्रथम श्रेणी–03
पुर्वी जिला, कोर्ट नं.16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12026/ED/2026

NAME CHANGE
SUNITA KUMARI W/o ANIL KUMAR R/o BIR DHANA(108) JHAJJAR HARYANA-124102, HAVE CHANGED MY NAME TO SUNITA ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Kurayeesa W/O Md. Sahid Khan, A-27B Block -A Begum Vihar Begum Pur Delhi -110081, Have Changed My Name To Kuresha For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I hitherto Known as SULEKHA alias KAVITA CHAWLA D/o RAMESH HASIJA W/o VIKAS CHAWLA residing at House No. – 2290 , Hudson Lane , Kingsway Camp , G T B Nagar , Dist : North West Delhi Delhi – 110009 have changed my name and shall hereafter be known as KAVITA CHAWLA

NAME CHANGE
I, JAYBHAGAVAN SINGH S/o CHIRANJI LAL R/o Makarammatpur Sikroad , Sihani Gate , Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201001 have changed the name of my minor son HEMEANT KUMAR aged 17 years and he shall hereafter be known as HEMANT SINGH .

NAME CHANGE
SEEMA RANI W/O MUKESH GARG R/o S-47/1 M3M SOLITUDE, BLOCK-S, NEAR COMMERCIAL PLACES SECTOR -89, HAYATPUR, WAZIPUR, GURGAON HARYANA 122505, I HAVE CHANGED MY NAME TO SEEMA GARG ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD NAUSHAD S/O MOHAMMAD ISHAQ R/O F-326 GALI NO-23 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO NAUSHAD MALIK.

NAME CHANGE
I, NAUSHAD S/O MOHAMMAD ISHAQ R/O F-326 GALI NO-23 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO NAUSHAD MALIK.

NAME CHANGE
I, SHABANA W/O NAUSHAD MALIK R/O F-326 GALI NO-23 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO SHABANA MALIK.

NAME CHANGE
I, DIVYA BHAYANA, D/O DEEPAK BHAYANA, W/O AKSHDEEP SINGH MANCHANDA, R/O H. NO. B-1/121-122, FIRST FLOOR, PASCHIM VIHAR , DIST: WEST DELHI, DELHI– 110063, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO DIVYA KAUR MANCHANDA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Mohd Anas Hussain S/o Jabir R/o 155, Gali No.2, Moonga Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi-110094 have changed my name to Anas Hussain for all future purposes.

NAME CHANGE
I MADHAVRAO legally father of Army no -JC 461724 F Rank - SUB, Name - LOMATE DHONDIBA MADHAVRAO, Presently Residing At - TADAGAON
Post- GHARAGAON, Teh - KALAMB, Dist - DHARASHIV, State-MAHARASTRA, Pin - 413528 have changed my name from MADHAVRAO to MADHAVRAO KUNDLIK LOMATE for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/07/1959 instead of my correct date of birth as 04/11/1955 vide affidavit dated 08/09/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मुख्यमंत्री के लाडवा कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम व हैलीपैड स्थल के आसपास ड्रोन उड़ाने पर रहेगा प्रतिबंध : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। जिलाधीश एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लाडवा हल्का में एक कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री हैलीकाप्टर के माध्यम से लाडवा पहुंचेंगे और वापिस हैलीकाप्टर द्वारा ही आगामी स्थान के लिए प्रस्थान करेंगे। सुरक्षा की दृष्टिगत मुख्यमंत्री के हवाई मार्ग और सडक़ मार्ग के प्रस्थान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बीएनएसएस 2023 की धारा 163 के तहत आदेश पारित किए गए है। जिलाधीश विश्राम कुमार मीणा ने जारी आदेशों में कहा है कि मुख्यमंत्री के लाडवा में प्रस्तावित दौरे के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से कानूनी व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए 8 सितंबर को कार्यक्रम स्थलों व सडक़ मार्गों तथा उसके आसपास 75 मीटर के दायरा तक सडक़ के दोनो तरफ कोई भी वाहन खड़ा ना करे। इसके साथ-साथ कार्यक्रम स्थलों व सडक़ मार्गों के 2 किलोमीटर की परिधी क्षेत्र में लाठी- डंडे, तलवार, गंडासी, ज्वलनशील पदार्थ व अन्य किसी भी प्रकार के घातक हथियार, खुला पेट्रोल, डीजल की बोतल/केन पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल व हैलीपैड स्थल के आसपास ड्रोन व अन्य किसी भी प्रकार के रिमोट चालित यंत्रों पर भी पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

रूस में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हरीश पेलक

पलवल। पलवल के युवा समाजसेवी, साहित्यप्रेमी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के फर्स्ट एड लेक्चरर हरीश पेलक का वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल 2026 के लिए चयन हुआ है। रूस में आयोजित होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय महोत्सव 11 से 22 सितंबर तक चलेगा। हरीश पेलक इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्ष 2016 में उन्होंने भूटान में अंतरराष्ट्रीय युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, 2018 में चीन में अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम तथा 2025 में रूस में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। शैक्षणिक क्षेत्र में भी उनकी उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। उन्होंने एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस), एम.ए. (राजनीति विज्ञान), एम.एस.डब्ल्यू. (सामाजिक कार्य) और एम.ए. (पत्रकारिता एवं जनसंचार) की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में वे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय से पीएच.डी. कर रहे हैं। साहित्य के प्रति भी उनकी विशेष रुचि है। हरीश पेलक को वर्ष 2017 में राष्ट्रपति द्वारा एनएसएस राष्ट्रीय पुरस्कार तथा 2019 में हरियाणा सरकार का राज्य युवा पुरस्कार (प्रथम स्थान) मिल चुका है। वर्ष 2022 में उन्होंने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रीय एकता दिवस के विषय पर वक्तव्य भी दिया था।

अधिकारी शिकायत पोर्टलों की लंबित शिकायतों का समयबद्ध करें निपटारा :- उपायुक्त सतबीर सिंह

रोहतक: उपायुक्त सतबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे सभी शिकायत पोर्टलों की लंबित शिकायतों का शीघ्र उचित निपटारा करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की जनकल्याणकारी सोच के दृष्टिगत समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। सतबीर सिंह ने कहा है कि जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की हर विभाग से संबंधित प्रत्येक शिकायत के एक छत के नीचे तुरंत निदान के उद्देश्य से हर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। इन शिविरों में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं के निपटारे के लिए आवश्यक कार्यवाही शुरू करते है। उपायुक्त सतबीर सिंह के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों सांपला व महम में समाधान शिविर आयोजित किये गए, जिनमें नागरिकों की समस्याएं सुनी गई। संबंधित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के समयबद्ध निपटारे बारे दिशा-निर्देश दिये गये।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर बाड़ा में एलपीजी सुरक्षा एवं गुणवत्ता जागरूकता का भव्य आयोजन

चंडीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर आज आयुष्मान आरोग्य मंदिर बाड़ा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के क्वालिटी एश्योरेंस सेल के सहयोग से एलपीजी प्री-डिलीवरी चेक एवं सुरक्षा जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को एलपीजी सिलेंडर की गुणवत्ता, सुरक्षित उपयोग तथा सिलेंडर स्वीकार करने से पूर्व आवश्यक सुरक्षा जांचों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदय राज मौर्य, सीनियर मैनेजर, क्वालिटी एश्योरेंस, एचपी (दिल्ली) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अविनाश कुमार, सीनियर एरिया सेल्स मैनेजर, एचपीसीएल चंडीगढ़ रीजनल ऑफिस, अशोक जैन (एवी गैस), विभु अरोड़ा (स्वतंत्र गैस) तथा जोरावर (हिंदुस्तान गैस एजेंसी) उपस्थित रहे।

युवा शक्ति हरियाणा के विकास और विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

युवाओं को नशे से दूर रखने और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दें भाजयुमो कार्यकर्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की युवा शक्ति प्रदेश के विकास और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य को सही दिशा देना भाजपा की प्राथमिकता है। भाजपा युवा मोर्चा केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

मुख्यमंत्री पंचकूला स्थित पंचकमल प्रदेश भाजपा कार्यालय में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्री अक्षित दहिया के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्री अक्षित दहिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा हरियाणा के युवाओं के बीच संगठन की पहुंच को और मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा में कोई भी पद केवल सम्मान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। पार्टी की कार्यसंस्कृति में पद का अर्थ अधिक सेवा, अधिक परिश्रम और अधिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की यही विशेषता है कि यहां साधारण परिवार से आने वाला मेहनती कार्यकर्ता भी अपनी क्षमता, परिश्रम और समर्पण के बल पर संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व तक पहुंच सकता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का युवा केवल भविष्य की उम्मीद नहीं, बल्कि वर्तमान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को नई तकनीक, स्टार्टअप, कौशल विकास, उद्यमिता और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवा खेल, शिक्षा, तकनीक, उद्योग, स्टार्टअप और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि युवाओं को रोजगार, कौशल विकास, खेल, शिक्षा और स्वरोजगार के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो। युवाओं की प्रतिभा को अवसर देना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। श्री सैनी ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे हर बूथ तक पहुंचकर युवाओं से संवाद करें और उन्हें राष्ट्र निर्माण की सकारात्मक सोच से जोड़ें। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा को ऐसे युवाओं तक भी पहुंचना होगा, जो अभी राजनीति से दूर हैं। उन्हें बताना होगा कि लोकतंत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देश और समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

झूठे वादों से सत्ता हथियाने वाली आप को जनता की चिंता नहीं, आरोपों की राजनीति में व्यस्त : डॉ अर्चना गुप्ता

कांग्रेस के पास मुद्दे नहीं, इसलिए विधानसभा की मर्यादा तोड़कर समाज को बांटने का प्रयास कर रही : प्रदेशाध्यक्ष

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने भोली-भाली जनता से बड़े-बड़े वादे और घोषणाएं करके सत्ता हासिल की, लेकिन सरकार बनने के बाद जनता की समस्याओं और अपने वादों की चिंता करना भूल गई। पंजाब की जनता आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब की जनता इन्हें सबक सिखाते हुए भाजपा की सरकार बनाने का काम करेगी।

चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार और हरियाणा में कांग्रेस को लेकर पूछे गए सवालों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार को इस बात की चिंता करनी चाहिए कि वह अपने प्रदेश के युवाओं को नशे के दलदल से कैसे बाहर निकाले, रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए और आम

जनता का जीवन कैसे बेहतर बनाए। लेकिन दुर्भाग्य से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को अपने काम का हिसाब देने से ज्यादा केंद्र सरकार और दूसरी सरकारों पर आरोप लगाने की चिंता रहती है। उन्होंने कहा कि जनता अब आरोप-प्रत्यारोप नहीं, काम चाहती है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अपने संकल्प पत्र को सरकार का संकल्प मानकर काम कर रही है। चुनाव से पहले किए गए वादों को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उन्हें पूरा करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। सरकार द्वारा की गई 217 घोषणाओं में से अब तक 70 घोषणाएं पूरी की जा चुकी हैं। यह भाजपा सरकार की नीयत, नीति और कार्यशैली का प्रमाण है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन गुरुओं और संत-महापुरुषों ने भारत की संस्कृति, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, उनका अपमान करने वाली राजनीति को देश और समाज कभी स्वीकार नहीं कर सकता। ऐसे महापुरुषों के प्रति सम्मान हमारी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का हिस्सा है। प्रदेश में विधानसभा और विभिन्न जिलों में राजनीतिक घटनाक्रमों पर बोलते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार किसी एक वर्ग, क्षेत्र या जाति की सरकार नहीं, बल्कि हर एक हरियाणवी की सरकार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के भाव से काम कर रही है।

पात्र युवा मतदाता बनने के लिए 30 सितंबर तक भरें फार्म 6 : डीसी

एजेंसी

झज्जर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी वर्षा खांगवाल ने पात्र युवाओं और नागरिकों से आह्वान किया है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज नहीं है, तो वह 30 सितंबर 2026 तक फार्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन करे। इसी प्रकार नाम, पता अथवा अन्य विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित फार्म के माध्यम से सुधार करवाया जा सकता है। डीसी ने कहा कि हर पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिले और उसका नाम अंतिम मतदाता सूची में दर्ज हो, यह जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाने का कार्य निर्धारित नियमों के अनुसार किया जा रहा है। डीसी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर नागरिकों को किसी प्रकार की अनावश्यक चिंता करने की जरूरत नहीं है। केवल पुराने मतदाता रिकॉर्ड अथवा किसी दस्तावेज के उपलब्ध न होने के आधार पर किसी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जा सकता। नाम हटाने की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया और नियमों के तहत ही की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फार्म-6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। वहीं मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य विवरण में संशोधन के लिए फार्म-8 का उपयोग किया जा सकता है। दोनों प्रपत्र 30 सितंबर 2026 तक संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी अथवा बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा करवाए जा सकते हैं।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं डीएलएसए सचिव निशा ने नशा मुक्ति केंद्र व वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

उपचाराधीन लोगों से की बातचीत, महिलाओं एवं बालिकाओं को मिल रही सुविधाओं की ली जानकारी

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम नरेंद्र सुरा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम निशा ने नशा मुक्ति केंद्र एवं वन स्टॉप सेंटर का दौरा कर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

नशा मुक्ति केंद्र में उन्होंने उपचाराधीन व्यक्तियों से बातचीत की और उन्हें नशे से दूर रहने तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने केंद्र में उपचार एवं परामर्श संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर

महिलाओं एवं बालिकाओं को दी जा रही चिकित्सा, मनोवैज्ञानिक, पुलिस एवं कानूनी सहायता सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम निशा ने कहा कि जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता एवं कानूनी मार्गदर्शन उपलब्ध करवाना जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पात्र लोगों को निःशुल्क विधिक सेवाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में एसडीएम हितेंद्र कुमार ने अधिकारियों को दिए त्वरित निवारण के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर लोगों के लिए राहत का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। डीसी उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों को सीधे प्रशासन के समक्ष रखने और उनका समयबद्ध निवारण सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को गति मिल रही है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय पर आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता एसडीएम हितेंद्र कुमार ने की। उन्होंने शिविर में पहुंचे आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण करते हुए उसका निर्धारित समयावधि में समाधान सुनिश्चित किया जाए। शिविर में राजस्व, नगर निकाय, बिजली, जल निकासी, सड़क, जनसुविधाओं सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निवारण में अनावश्यक देरी न हो और जहां संभव हो, समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि

किसी भी शिकायत को केवल आगे भेजने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसके अंतिम निवारण तक उसकी निगरानी की जाए। एसडीएम हितेंद्र कुमार ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हुए समस्याओं का व्यावहारिक एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

सेवा संकल्प अभियान से विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी नई मजबूती : मनीष ग्रोवर

कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा संकल्प से विद्यार्थियों को लेनी होगी प्रेरणा

एजेंसी

रोहतक। जिला रोहतक के सभी निजी विद्यालयों के प्राचार्यों एवं डायरेक्टरों की बैठक का आयोजन आज मेयर राम अवतार वाल्मीकि की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मनजीत मलिक एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी विजेंद्र हुड्डा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का बुके देकर स्वागत किया।

बैठक में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा, जिसके अंतर्गत सरकारी एवं निजी विद्यालयों में विकसित भारत के संकल्प को लेकर विभिन्न

गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें विशेष रूप से पेंटिंग, भाषण, निबंध प्रतियोगिता तथा नुक्कड़ नाटक शामिल होंगे। अधिकारियों ने विद्यालय प्रमुखों से विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवाकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने निरंतर देश की सेवा करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। विकसित भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों और युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें देशभर के करोड़ों विद्यार्थी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सहभागी बनेंगे।

मेयर राम अवतार वाल्मीकि ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधनों से अभियान में बढ़-चढक़र भाग लेने का आह्वान किया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रणबीर ढाका ने भी अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक विद्यार्थियों को पेंटिंग, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। इस अवसर पर नोडल अधिकारी एवं उप जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुनीता चहल सहित जिला के सभी खंड शिक्षा अधिकारी भी उपस्थित रहे।

सभी स्टेक होल्डर्स 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं : सचिव आरटीए

इस योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ

एजेंसी

पलवल। जिला परिवहन अधिकारी एवं सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले बीएस-4 ट्रकों और बसों को हटाकर बीएस-6, सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से बदलना है, जिससे ट्रक और बस मालिकों को लाभ होगा। उन्होंने 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के तहत स्टेक होल्डर्स से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का वित्तपोषण आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) द्वारा और कार्यान्वयन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। हरियाणा सरकार की ओर से 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के तहत टैक्स छूट, ब्याज सबवेंशन, फ्यूल वाउचर और रजिस्ट्रेशन शुल्क माफी जैसे बड़े प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे हरियाणा में आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरणीय सुधार भी होगा। सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने कहा कि 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के तहत दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पंजीकृत उन ट्रकों और बसों के मालिकों को प्रोत्साहित किया जाएगा जो बीएस-4 या उससे पहले के उत्सर्जन मानकों का पालन करते हैं, ताकि वे उन्हें बीएस-6 या उससे भी सख्त उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले वाहनों या इलेक्ट्रिक वाहनों से बदल सकें। स्वच्छ परिवहन प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव को गति देकर इस योजना से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आने और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया कि बीएस-3 या उससे पुराने वाहनों के लिए पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं पर स्क्रैप कराना अनिवार्य है, जबकि बीएस-4 वाहनों को एनसीआर के बाहर गैर-एनसीएपी शहरों/कस्बों में स्क्रैप या बेचा जा सकता है। इसके बाद मालिकों को एनसीआर के भीतर बीएस-6 या उससे भी सख्त मानकों के अनुरूप या इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना और पंजीकृत कराना होगा। दिल्ली में हालांकि इस योजना के तहत खरीदे गए हल्के मालवाहक वाहन इलेक्ट्रिक होने चाहिए, जबकि बसें केवल बीएस-6 सीएनजी या इलेक्ट्रिक होनी चाहिए। सरकारी वाहन इस योजना से बाहर हैं। सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने कहा कि 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के केंद्र सरकार पांच साल के लिए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी, वाहन की श्रेणी के आधार पर 4,800 रुपये तक के मासिक ईंधन वाउचर और इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने या जमा प्रमाणपत्र के व्यापार के लिए एकमुश्त लाभ प्रदान करेगी।

टीबी उन्मूलन अभियान को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ाएं : सीईओ जिला परिषद सुमित कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। टीबी मुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन का रूप देने और जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला टीबी फोरम एवं अंतरविभागीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीईओ जिला परिषद सुमित कुमार ने की। इस दौरान जिले में टीबी उन्मूलन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों और प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीबी उन्मूलन की शपथ लेकर जिले को टीबी मुक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। सुमित कुमार ने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों, पंचायतों, सामाजिक संस्थाओं और आमजन की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि टीबी के संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच और उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा उपचार ले रहे मरीजों का नियमित फॉलोअप भी किया जाए। बैठक में बताया गया कि जनवरी से अगस्त 2026 तक गुरुग्राम में कुल 9,634 टीबी मरीजों की अधिसूचना दर्ज की गई, जो निर्धारित 8,000 के लक्ष्य का 120 प्रतिशत है। सरकारी क्षेत्र में 2,723 मरीजों की अधिसूचना हुई, जबकि निजी क्षेत्र में 6,911 मरीजों की अधिसूचना दर्ज की गई। बैठक में टीबी मरीजों को गोद लेने की दिशा में भी प्रगति की समीक्षा की गई। जिले में 6,480 मरीजों में से 3,626 मरीजों ने गोद लेने के लिए सहमति दी, जो 56 प्रतिशत है। इनमें से 958 मरीजों को गोद लिया जा चुका है, जो 26 प्रतिशत है। वहीं उपचार के मामले में जिले की सफलता दर 87 प्रतिशत दर्ज की गई।

सोना 544 चढ़ा, चांदी में भी 993 का उछाल

एमसीएक्स पर सोना 600 से अधिक महंगा, चांदी में 1600 रुपए से ज्यादा की बढ़त

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और सुरक्षित निवेश की मांग के चलते मंगलवार को सोने और चांदी के दाम में जोरदार तेजी देखने को मिली। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और तकनीकी शॉर्ट कवरिंग ने इन कीमती धातुओं को मजबूत समर्थन दिया। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर अनुबंध 639 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,457 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह चांदी का दिसंबर अनुबंध 1,664 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 2,40,680 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी कीमती धातुओं में चमक जारी रही। सोना 3.20 डॉलर की तेजी के साथ 4,479.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, वहीं चांदी 0.88 डॉलर की बढ़त के साथ 67.63 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग और तकनीकी स्तर पर शॉर्ट कवरिंग कीमतों को लगातार मजबूती प्रदान कर रही है।

दीपा ज्वेलर्स का शेयर 25 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

दीपा ज्वेलर्स लिमिटेड का शेयर 177 रुपये के अपने निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 221.05 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 24.88 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह 24.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 221 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,920.56 करोड़ रुपये रहा। दीपा ज्वेलर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन करीब 43 गुना अभिदान मिला था।कंपनी के 460 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 168-177 रुपये प्रति शेयर था। दीपा ज्वेलर्स नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल खरीद, रखरखाव सहित दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कामकाज के लिए करेगी।वर्ष 2016 में स्थापित कंपनी संगठित क्षेत्र में कारोबार करने वाली व्यवसाय से व्यवसाय (बी2बी)आधार पर डिजाइनर, प्रसंस्करणकर्ता और हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की आपूर्तिकर्ता है। मुख्य तौर पर इसका कारोबार तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में फैला है।

चीन का निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़ा

- व्यापार अधिशेष भी बढ़कर 119.1 अरब डॉलर हुआ

बैंकॉक।

सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक, अगस्त में चीन का व्यापार अधिशेष 119.1 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई के 112.5 अरब डॉलर से अधिक है। मोटर वाहन और उच्च प्रौद्योगिकी वाले सामान की मजबूत मांग से निर्यात 23.9 फीसदी बढ़ा, जिसने वैश्विक नीति-निर्माताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह लगातार बढ़ता अधिशेष अमेरिका और अन्य देशों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। अगस्त में आयात भी 28.2 फीसदी बढ़ा। वाहनों का निर्यात 43 फीसदी और सेमीकंडक्टर का 129.8 फीसदी बढ़ा, जो मजबूत वैश्विक मांग को दर्शाता है। इससे चीन का व्यापार अधिशेष इस साल रिकॉर्ड 1.2 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि, चीन का कहना है कि उसका व्यापार अधिशेष को अधिकतम करने का कोई लक्ष्य नहीं है। अमेरिका को चीन का निर्यात 34.4 फीसदी बढ़कर 42.5 अरब डॉलर हुआ, जिससे चीन के पक्ष में 29.2 अरब डॉलर का अधिशेष रहा। यूरोपीय संघ को निर्यात 6.6 फीसदी, दक्षिण-पूर्व एशिया को 30.2 फीसदी और लातिन अमेरिका को 17.5 फीसदी बढ़ा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस साल व्यापार अधिशेष एक नया रिकॉर्ड बना सकता है। हालांकि, घरेलू स्तर पर चीन अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए संघर्षरत है।

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का आईपीओ 2 रूपये के शेयर की 632 कीमत? निवेश कितना सुरक्षित?

मुंबई।

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का करीब 1,055.74 करोड़ रुपए का आईपीओ 8 सितंबर से 10 सितंबर तक खुला है। कंपनी ने 2 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर का प्राइस बैंड 601 से 632 रुपए तय किया है। यानी ऊपरी कीमत पर निवेशक फेस वैल्यू से 316 गुना कीमत चुकाना पड़ेगा। न्यूनतम 23 शेयरों की एक लॉट के लिए निवेशक को न्यूनतम 14,536 रुपए निवेश करने होंगे।

सवाल यह है, क्या इतनी ऊंची कीमत निवेशकों के लिए सुरक्षित है? फेस वैल्यू और इश्यू प्राइस मे इतना अंतर क्यों है। कंपनी सपने दिखाकर निवेशकों से ज्यादा पैसे निवेश करा रही है। आईपीओ का मूल्यांकन कंपनी की कमाई, संपत्ति, भविष्य की संभावनाओं और बाजार में समान कंपनियों के मूल्यांकन के आधार पर किये जाने का दावा किया जाता है। 632 रुपए की कीमत पर निवेशकों को जोखिमों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

कंपनी के वित्तीय आंकड़े पहली नजर में मजबूत दिखाई देते हैं। वित्त वर्ष 2024 में 281.12 करोड़ रुपए का राजस्व और मात्र 17.76 करोड़ रुपए का मुनाफा था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर करीब 662.86 करोड़ और मुनाफा 129.73 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी पर कर्ज करीब 39 करोड़ रुपए है। इशू लाने के पहले और बैलेंस शीट में मुनाफा और कारोबार बढ़कर दिखाया जाता है। इस तरह की धारणा बनी हुई है।

कंपनी के शेयर का मूल्यांकन महंगा है। ऊपरी प्राइस बैंड पर पोस्ट-इश्यू पी/ई करीब 38.6 गुना बैठता है। कंपनी का वित्त वर्ष 2026 का ईपीएस करीब 17.43 रुपए और नेट एसेट मात्र 50.09 रुपए बताई गई है। यानी निवेशक बुक वैल्यू की तुलना में काफी ऊंची कीमत वसूल की जा रही है।एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है, वित्त वर्ष 2026 में कंपनी के राजस्व का करीब 85त्न हिस्सा सरकारी संस्थाओं से आया। सरकारी ऑर्डर, भुगतान में देरी का असर कंपनी के कारोबार पर पड़ सकता है। बड़े प्रोजेक्टों में लागत बढ़ने और मार्जिन घटने का जोखिम भी कंपनी के दस्तावेजों में बताया गया है। कंपनी स्वयं स्वीकार कर रही है कि उसके कारोबार में जोखिम भी बड़ा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 1,055.74 करोड़ रुपए के इश्यू में केवल 300 करोड़ रुपए कंपनी को नए शेयर जारी करके मिलेंगे। जबकि 755.74 करोड़ रुपए का हिस्सा ऑफर फॉर सेल का है। यानी इश्यू की बड़ी रकम मौजूदा शेयरधारकों के पास जाएगी।

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का कारोबार और हालिया वित्तीय प्रदर्शन पिछले 2 साल में मजबूत जरूर दिखता है।इशूयू लाने के पहले बैलेंस शीट को आकर्षक बनाने के लिए इस तरह का प्रदर्शन किया जाता है।` 2 के शेर का प्रीमियम 601-632 रुपए का मूल्यांकन उचित प्रतीत नहीं होता । इसलिए केवल आईपीओ के प्रचार, प्रीमियम या ग्रे मार्केट प्रीमियम देखकर निवेश करना, निवेशकों के लिए जोखिम पूर्ण हो सकता है।

सुजलॉन को अयाना रिन्यूएबल पावर से पवन ऊर्जा परियोजना का मिला ठेका

नई दिल्ली ।

सुजलॉन को अयाना रिन्यूएबल पावर लिमिटेड से मध्य प्रदेश में 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। यह मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में कंपनी का तीसरा पवन ऊर्जा ठेका है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के लिम्बावास में उसकी 3.15 मेगावाट क्षमता वाली एस144 पवन टर्बाइन की 64 इकाइयां लगाई जाएंगी। इस ठेके के साथ सुजलॉन के तीन मेगावाट प्लेटफॉर्म ने 10 गीगावाट क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है।

परियोजना से पैदा होने वाली बिजली को मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीसीएल) के राज्य ग्रिड से जोड़ा जाएगा। सुजलॉन समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि 150 मीटर की ऊंचाई पर 55 गीगावाट से अधिक पवन ऊर्जा क्षमता के साथ मध्य प्रदेश भारत में पवन ऊर्जा वृद्धि के अगले चरण को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख राज्यों में से एक बन सकता है।

उन्होंने कहा कि कंपनी को राज्य में लगातार दो पवन ऊर्जा परियोजनाओं के ठेके मिले हैं, जो इस क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है।

अे धिकारी ने कहा` कि यह परियोजना मध्य प्रदेश में पवन ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी स्थापित करने की दिशा में अयाना के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, हम दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने और भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में योगदान देने के लिए साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

नौकरी बाजार में रौनक, अगस्त में दफ्तरों में नियुक्तियां 14 फीसदी बढ़ीं

मोटर वाहन, स्वास्थ्य और खुदरा क्षेत्र ने दिया सहारा

मुंबई

इन्फो एज के एक प्रमुख ब्रांड की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दफ्तरों में भर्ती अगस्त 2023 में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,028 पर पहुंच गई। मोटर वाहन, स्वास्थ्य सेवा और खुदरा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत नियुक्तियों ने इस वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में आईटी और गैर-आईटी दोनों क्षेत्रों में सभी अनुभव स्तरों पर नियुक्तियों में तेजी दर्ज की गई। वाहन क्षेत्र में 19 प्रतिशत, स्वास्थ्य सेवा में 16 प्रतिशत और खुदरा क्षेत्र में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, बीमा (12 फीसदी), आईटी (11 फीसदी), बैंकिंग और एफएमसीजी (10 फीसदी प्रत्येक) जैसे क्षेत्रों में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। हालांकि, आतिथ्य एवं यात्रा और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गई। सभी अनुभव स्तरों पर भर्ती बढ़ी, जिसमें नए स्नातकों के लिए 15 प्रतिशत और 13 से 16 वर्ष के अनुभव वाले पेशेवरों के लिए 18 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि शामिल है। शहरों की बात करें तो हैदराबाद में सर्वाधिक 23 प्रतिशत, कोलकाता में 22 प्रतिशत और चेन्नई में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उभरते शहरों में भुवनेश्वर (32 फीसदी), रायपुर (23 फीसदी) और सूरत (21 फीसदी) में मजबूत वृद्धि देखने को मिली। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इस वृद्धि को त्योहारी कैलेंडर में बदलाव के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, क्योंकि पिछले साल त्योहारों का बड़ा हिस्सा अगस्त में था, जो इस साल सितंबर में स्थानांतरित हो गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 555 अंक , निफ्टी 144 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है उससे भी ये गिरा है। आज प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। वैश्विक और घरेलू दोनों कारकों के चलते भी बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना रहा और निवेशकों ने मुनाफावसूली पर जोर दिया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स, 555 अंक से अधिक की गिरावट के साथ ही 75,577.58 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि, दिन के कारोबार के दौरान इसने 76,012.11 का उच्चतम स्तर भी छुआ था, जो बाजार में अस्थिरता को दर्शाता है। इसी तरह 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 144 अंकों की गिरावट के साथ ही 23,635.10 पर समाप्त हुआ।

कारोबार की शुरुआत में निफ्टी में 23,758.95 तक का उछाल भी देखा था पर वह इस बढ़त को बरकारार नहीं रख सका और अंत में गिरावट के साथ ही लाल निशान में बंद हुआ।आज बाजार पर दबाव बनाने में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक प्रभाव रहा। पश्चिम एशिया में संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव में कोई कमी न आने के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं और फिलहाल 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें आयातकों और ईंधन पर निर्भर उद्योगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।वहीं घरेलू मोर्चे पर, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में तेज बिकवाली ने भी सूचकांकों को नीचे धकेलने का काम किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.37 फीसदी टूटकर बंद हुआ, जो इस क्षेत्र के प्रदर्शन में कमजोरी का स्पष्ट संकेत देता है। इसी तरह, निफ्टी बैंक इंडेक्स में भी 0.54 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय शेयरों पर बढ़ते दबाव का पता चलता है। निवेशकों ने इन क्षेत्रों से दूरी बनाते हुए बिकवाली का रुख अपनाया।

निफ्टी 50 में शामिल शेयरों की बात करें तो, कुल 31 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए, जबकि केवल 17 शेयरों ने बढ़त दर्ज की। जिन प्रमुख शेयरों में सबसे अधिक गिरावट देखी गई, उनमें एसबीआई लाइफ और आईसीआईसीआई बैंक शामिल रहे, जिनके शेयरों में 2-2 फीसदी तक की कमी आई। इसके अतिरिक्त, एचडीएफसी बैंक और देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर भी 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जिससे बाजार की धारणा और कमजोर हुई।

सीएम मोहन यादव की दुबई यात्रा॰ मध्य प्रदेश को मिला वैश्विक निवेश का भरोसा

- तातारस्तान, इथियोपिया और यूएई ने मध्य प्रदेश में निवेश में दिखाई रुचि

दुबई ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की हालिया दुबई यात्रा मध्य प्रदेश के लिए बड़ी सफलता लाई है। एआईएम कांग्रेस-2026 में उन्होंने कई देशों के प्रमुखों व अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को मजबूती से पेश किया, जिससे वैश्विक स्तर पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सोमवार को दुबई में मुख्यमंत्री मोहन यादव और रूस के तातारस्तान गणराज्य के प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव की बैठक में तातारस्तान ने मध्य प्रदेश में निवेश की गहरी इच्छा जताई।

दोनों ने उन्नत विनिर्माण, पेट्रोकेमिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास, कृषि और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जनवरी 2027 में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) के लिए तातारस्तान को आमंत्रित किया, जिस पर सकारात्मक सहमति मिली। द्विपक्षीय व्यापार मिशन और बी2बी व जी2जी साझेदारी पर भी जोर दिया गया।

अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने इथियोपियाई राष्ट्रपति ताये अत्स्के सेलासी को भी जीआईएस 2027 का न्योता दिया और प्रदेश में निवेश के अवसर बताए।

उन्होंने यूएई के शेख सऊद बिन साकर अल कासिमी से भी बातचीत कर निवेशकों को आकर्षित किया।

विश्व बैंक के डिजिटल एवं एआई मामलों के वाइस प्रेसिडेंट सांगबु किम के साथ हुई बैठक में मध्य प्रदेश में डिजिटल विस्तार और एआई गवर्नेंस परियोजनाओं पर चर्चा हुई, जिसमें विश्व बैंक ने फंडिंग में रुचि दिखाई।

यूनिटी स्माल फायनेंस बैंक ने 3 करोड़ से कम की एफडी के लिए बढ़ाई ब्याज दरें

- एफडी पर दे रहा 8.50 फीसदी तक ब्याज

मुंबई अगर आप अपनी बचत को सुरक्षित और आकर्षक रिटर्न के साथ बढ़ाना चाहते हैं, तो यू निटी स्माल फायनेंस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर नई और ऊंची ब्याज दरें लागू की हैं। बैंक ने 3 करोड़ रुपये से कम की एफडी के लिए ये दरें जारी की हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 8 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 8.50 फीसदी तक का शानदार ब्याज मिल रहा है। ये नई दरें निवेश के लिए एक बेहतरीन मौका पेश करती हैं। बैंक की नई दरों के अनुसार, 501 दिन की विशेष अवधि वाली एफडी पर सामान्य ग्राहकों को 8 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 8.50 फीसदी का उच्चतम ब्याज मिलेगा। 12 महीने की एफडी पर भी सामान्य ग्राहकों के लिए 7.50 एफडी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 फीसदी ब्याज तय है। छोटी अवधि की एफडी पर भी आकर्षक रिटर्न मिल रहा है। 7 से 45 दिन की जमा पर 4 फीसदी, 61 से 90 दिन पर 5 फीसदी और 165 दिन से 6 महीने तक की अवधि पर 5.50 फीसदी ब्याज उपलब्ध है। वरिष्ठ नागरिकों को अधिकांश अवधियों पर सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.50 फीसदी अधिक ब्याज का लाभ मिलेगा, जिससे यह बचत का एक बेहतरीन विकल्प बन जाता है।

यूरोप जाने वाले डीजल कार्गो में करीब 60 फीसदी हिस्सा भारतीय रिफाइनरियों का

–अमेरिका से निर्यात कमजोर होने से भारत डीजल का प्रमुख सप्लायर बना

नई दिल्ली,।

भारत अब तेल और ईंधन का बड़ा खरीदार नहीं, बल्कि दूसरे देशों को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एक देश भी बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रूस से डीजल की आपूर्ति में भारी कमी और अमेरिका से निर्यात कमजोर होने के बीच भारत यूरोप के लिए डीजल का एक प्रमुख सप्लायर बनकर उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में बाब-अल-मंदेब समुद्री मार्ग से यूरोप जाने वाले डीजल कार्गो में करीब 60 फीसदी हिस्सा भारतीय रिफाइनरियों का था।इस दौरान करीब 2 लाख बैरल प्रतिदिन डीजल और गैस ऑयल इस मार्ग से यूरोप पहुंचा। खास बात यह है कि मार्च और अप्रैल में इस समुद्री रास्ते से डीजल की आवाजाही रुक गई थी। ऐसे समय में भारतीय रिफाइनरियों ने यूरोप की ईंधन जरूरतों को पूरा करने में अपनी भूमिका निभाई। भारत की मजबूत स्थिति का सबसे बड़ा कारण उसका विशाल रिफाइनिंग नेटवर्क है। भारत के पास करीब 258.1 मिलियन टन सालाना तेल शोधन क्षमता है। इस क्षमता के कारण भारत घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद दूसरे देशों को भी निर्यात कर सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने करीब 6.15 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया।

यूरोप में इन उत्पादों की मांग बढ़ रही है। रूस पर प्रतिबंध, कुछ रिफाइनरियों में उत्पादन संबंधी समस्याएं और वैश्विक व्यापार मार्गों में बदलाव के कारण यूरोप को ईंधन के नए स्रोतों की जरूरत पड़ रही है।

यूरोप के डीजल बाजार में रूस लंबे समय तक एक बड़ा सप्लायर रहा है, लेकिन अब रूस से होने वाले समुद्री डीजल और गैसऑयल निर्यात में काफी कमी आई है।

पेट्रोलियम कंपनियों ने सरकार से मांगे 75 हजार करोड सरकार का फैसला 2027 में

नई दिल्ली ।देश की तीन बड़ी सरकारी पेट्रोलियम कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने ईंधन बिक्री में हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार से 75 हजार करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। सरकार ने फिलहाल फैसला टालते हुए नुकसान का आकलन कर 2027 में मुआवजे पर निर्णय लेने की बात कही है। दिलचस्प यह है, इन कंपनियों के पिछले दो वर्षों के मुनाफे के आंकड़े हजारों करोड़ रुपये के हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में आईओसी का शुद्ध लाभ करीब 39,619 करोड़, बीपीसीएल का 26,673 करोड़ और एचपीसीएल का 14,694 करोड़ रुपये का मुनाफा था। यानी तीनों कंपनियों का संयुक्त लाभ करीब 81 हजार करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में मुनाफा घटा, लेकिन कंपनियां फिर भी लाभ में रहीं। आइओसी ने 12,962 बीपीसीएल ने करीब 13,337 और एचपीसीएल ने 7,365 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनियों का लाभ जरूर काम हुआ है लेकिन घाटे जैसी कोई बात नहीं है। ऐसे में 75 हजार करोड़ के मुआवजे की मांग ने कई सवाल खड़े किए हैं। क्या उपभोक्ताओं को नियंत्रित कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराने के स्थान पर पेट्रोलियम कंपनियां उपभोक्ताओं से भारी मुनाफा वसूली करना चाहती हैं।

भारत ने बदली एलपीजी रणनीति, अब अमेरिका बना सबसे बड़ा सप्लायर

खाड़ी देशों से आयात 40 फीसदी घटा, अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच छिड़े युद्ध ने भारत के सामने एलपीजी आपूर्ति का एक बड़ा संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन, भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की है। कतर जैसे पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं पर हमले के बाद, भारत ने अपनी एलपीजी आयात रणनीति में आमूलचूल परिवर्तन किया है और अब संयुक्त राज्य अमेरिका उसका सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो पहले 10 फीसदी से भी कम था।

बीते छह महीनों के आंकड़े बताते हैं कि जहां पहले भारत अपनी जरूरत का अधिकांश एलपीजी खाड़ी देशों जैसे यूएई, कतर, सऊदी अरब और कुवैत से मंगाता था, वहीं अब अमेरिका की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी तक पहुंच गई है।

मार्च में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच युद्ध शुरू होने के बाद खाड़ी देशों से भारत का एलपीजी आयात 40 फीसदी तक कम हो गया था, जिससे देश में एलपीजी का संकट गहराने लगा था। इसी संकट के माहौल में सरकार ने तत्काल कदम उठाते हुए अपनी आपूर्ति श्रृंखला को अमेरिका की ओर मोड़ दिया। गौरतलब है कि युद्ध से पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य भारत की ऊर्जा आपूर्ति का लाइफलाइन था, जिससे हमारी जरूरत का 40 फीसदी कच्चा तेल, 60 फीसदी एलएनजी और 90 फीसदी एलपीजी का आयात होता था। यह मार्ग भारत की कुल 54 फीसदी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता था। युद्ध के कारण इस मार्ग पर बढ़ते तनाव ने भारत को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया।

अबू धाबी की एक एनर्जी एनालिस्ट के अनुसार, युद्ध शुरू होने से पहले भी अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर था, और इस संकट ने एशियाई देशों में उसकी धाक बढ़ा दी है। हालांकि, इस रणनीतिक बदलाव के चलते भारत को फिलहाल एलपीजी के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जबकि अमेरिकी गैस आमतौर पर सस्ती मानी जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि युद्ध समाप्त होने के बाद गैस के दाम 2 डॉलर तक गिर सकते हैं। इस नए जुगाड़ से भारत की एलपीजी आपूर्ति अब मध्य पूर्व के भू-राजनीतिक उथल-पुथल से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहेगी।

सरकारी बॉन्ड में एफपीआई को राहत, सेबी ने निवेशक समूह की जानकारी से छूट दी

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले ऐसे निवेशकों को निवेशक समूह की विस्तृत जानकारी देने की अनिवार्यता से छूट दे दी है। इस कदम से भारत के बॉन्ड बाजार में विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पहले यह छूट केवल फुली एक्सेसिबल रूट (एफएआर) के तहत सरकारी बॉन्ड में निवेश करने वाले एफपीआई तक सीमित थी। लेकिन अब इसे उन सभी एफपीआई तक बढ़ा दिया गया है जो सिर्फ सरकारी ऋण में निवेश करते हैं, भले ही उनका निवेश तरीका कुछ भी हो।

नियामक ने बताया कि यह बदलाव भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस हालिया परिपत्र के आधार पर किया गया है, जिसमें सरकारी प्रतिभूतियों में सामान्य रास्ते से निवेश करने वाले एफपीआई के लिए एकाग्रता सीमा (कन्संट्रेशन लिमिट) का पालन करने की जरूरत को समाप्त कर दिया गया था।

चूंकि अब एकाग्रता सीमा लागू नहीं है, इसलिए सेबी ने कहा कि ऐसे एफपीआई के निवेशक समूह की पहचान करने की आवश्यकता अब नहीं रह गई है। इस छूट से सॉवरिन वेल्थ फंड, सेंट्रल बैंक और अन्य बड़े डेट-केंद्रित विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय बॉन्ड बाजार में निवेश करना और नियमों का पालन करना आसान होगा।

सेबी ने डिपॉजिटरी और कस्टोडियन को इन नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के लिए सिस्टम में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया है।

बड़ोदरा से विकास की नई रेल, गुजरात की धरती से देश को नई रफ्तार

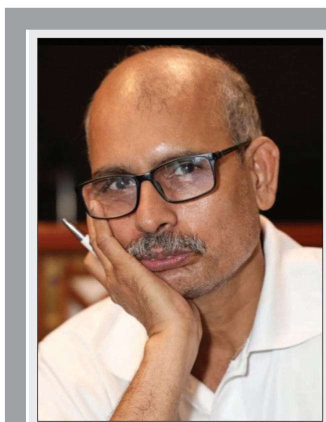

विनोद सिंह 'तकियावाला'

बड़ोदरा की धरती से होने वाला यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कड़ी देश के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने इसके तीन महत्वपूर्ण खंड राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 रूट किलोमीटर लंबे इन खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाँव-न्यू सफाले तथा न्यू सफाले-जेएनपीए खंड शामिल हैं। इन खंडों के राष्ट्र को समर्पित होने के साथ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने गृह राज्य गुजरात की धरती बड़ोदरा से देश के बुनियादी ढाँचे और रेल कनेक्टिविटी के विकास का एक नया अध्याय जोड़ा। बड़ोदरा में आयोजित कार्यक्रम में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें रेल, माल ढुलाई, सड़क, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं।

बड़ोदरा की धरती से होने वाला यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कड़ी देश के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने इसके तीन महत्वपूर्ण खंड राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 रूट किलोमीटर लंबे इन खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाँव-न्यू सफाले तथा न्यू सफाले-जेएनपीए खंड शामिल हैं। इन खंडों के राष्ट्र को समर्पित होने के साथ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ गया है।

यह उपलब्धि केवल रेलवे की नई पटरियों के विस्तार की कहानी नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को नई गति देने वाली आधारभूत संरचना है। मालगाड़ियों के लिए अलग समर्पित कॉरिडोर उपलब्ध होने से माल परिवहन की गति बढ़ेगी, ट्रांजिट टाइम कम होगा और औद्योगिक क्षेत्रों तथा बंदरगाहों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जेएनपीए तक सीधी कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात के माल की आवाजाही अधिक सुगम होने के साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण होने को देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसे विकसित भारत की यात्रा से जोड़ा। उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढाँचे को देश की आर्थिक प्रगति की आधारशिला बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सड़क, रेल, बंदरगाह और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेज विस्तार आवश्यक है। उनके संबोधन में गुजरात के विकास को देश के विकास से जोड़ने और विकास की गति को और तेज करने का संदेश भी स्पष्ट दिखाई दिया।

भारत जैसे विशाल देश में आर्थिक विकास की गति केवल उत्पादन बढ़ाने से निर्धारित नहीं होती। उत्पादन को बाजार तक पहुँचाने की गति, कच्चे माल को उद्योग तक पहुँचाने की क्षमता और बंदरगाहों से देश के अलग-अलग हिस्सों तक माल पहुँचाने की दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी दृष्टि से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत के बदलते लॉजिस्टिक्स तंत्र की रीढ़ बनने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्थानों से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। न्यू सानंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगाँव और न्यू जेएनपीए से मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत पश्चिमी भारत के औद्योगिक और व्यापारिक नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उद्योगों को माल की तेज आवाजाही का विकल्प मिलेगा और बंदरगाहों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिल सकती है रेल विकास का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने बड़ोदरा और टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इससे बड़ोदरा के साथ छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जैसे क्षेत्रों के लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होने की उम्मीद है। वहीं छोटा उदयपुर-धार रेल परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित जोबट-टांडा रोड नई रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह रेल लाइन अलीराजपुर के दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। रेल संपर्क किसी क्षेत्र के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं होता, बल्कि उसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और पर्यटन की संभावनाएँ भी आगे बढ़ती हैं। ऐसे क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी देना उन्हें आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बड़ोदरा से आज केवल तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं हुआ, बल्कि भविष्य की रेल क्षमता बढ़ाने की नींव भी रखी गई। प्रधानमंत्री ने लगभग 329 किलोमीटर लंबी तीन रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन पर 9,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन, मियागाम करजन-चोरंडा-मालसर गेज परिवर्तन तथा विश्वामित्री-दभोई डबलिंग परियोजना शामिल हैं।

वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गुजरात और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाला यह रेल मार्ग यात्री तथा माल परिवहन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त रेल लाइनें बनने से मार्ग की क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी और बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। विकास के साथ जब यात्री और माल परिवहन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही हो, तब रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना समय की आवश्यकता बन जाता है।

सड़क परिवहन को भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। प्रधानमंत्री ने लगभग 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड का छह लेन में विस्तार, वडोदरा-सूरत खंड में तापी और नर्मदा पर प्रमुख पुलों सहित अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण तथा एनएच-53 पर अभवा, मिंधोला और खजोद जंक्शन पर ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है।

रेल और सड़क–दोनों क्षेत्रों में एक साथ हो रहा यह विस्तार बताता है कि आधुनिक भारत में कनेक्टिविटी को विकास की बुनियादी शर्त माना जा रहा है। किसी उद्योग को बाजार से जोड़ना हो, किसी बंदरगाह को औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ना हो या किसी दूरदराज गाँव और आदिवासी क्षेत्र को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ना हो, मजबूत परिवहन नेटवर्क उसकी पहली आवश्यकता है।

गुजरात की धरती से इन परियोजनाओं का शुभारम्भ अपने आप में विशेष संदेश देता है। गुजरात लंबे समय से उद्योग, बंदरगाह, व्यापार और निवेश के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। ऐसे में राज्य में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने का प्रभाव केवल गुजरात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पश्चिमी भारत के व्यापक औद्योगिक और व्यापारिक तंत्र पर पड़ेगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से बंदरगाहों तक माल की तेज आवाजाही, औद्योगिक केंद्रों तक बेहतर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स लागत में संभावित कमी भारतीय उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देने में सहायक हो सकती है। यही कारण है कि बड़ोदरा से शुरू होने वाली इन परियोजनाओं को केवल क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका संबंध देश की अर्थव्यवस्था, निर्यात क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका से भी जुड़ा है।

बड़ोदरा की धरती आज एक ऐसे विकास मॉडल की साक्षी बनी है, जिसमें रेलवे की नई पटरी केवल शहरों और राज्यों को नहीं जोड़ती, बल्कि उद्योग और बाजार को, बंदरगाह और उत्पादन केंद्र को तथा गाँव और महानगर को एक-दूसरे से जोड़ती है।

प्रधानमंत्री के संबोधन का व्यापक संदेश भी इसी दिशा में रहा कि विकसित भारत का संकल्प मजबूत बुनियादी ढाँचे के बिना पूरा नहीं हो सकता। नई रेल लाइनें, समर्पित माल ढुलाई गलियारे, आधुनिक राजमार्ग और बेहतर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मिलकर देश की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने का आधार तैयार करते हैं।

आज बड़ोदरा से विकास की जो नई रेल चली है, उसकी मंजिल केवल गुजरात नहीं है। इसकी दिशा पूरे देश की आर्थिक रफ्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और विकसित भारत के उस संकल्प की ओर है, जिसमें आधुनिक बुनियादी ढाँचा आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा करने का आधार बनेगा। गुजरात की धरती से शुरू हुआ यह विकास का सफर देश की विकास यात्रा को नई गति देने की क्षमता रखता है।

संपादकीय

जानलेवा हॉस्टल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है।

चिंतन-मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है।

पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो। रुपयें की कोई अपनी मनोदश नहीं है। रुपया पूरा समर्पित है।

हर हादसे के बाद कोई बख्शा नहीं जाएगा का जुमला

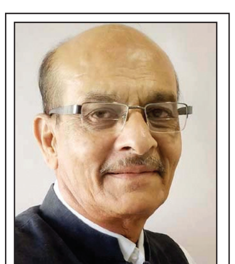

सनत जैन

जब भी कोई बड़ा हादसा होता है या कोई ऐसा अपराध होता है जिससे सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, उस समय पर भाजपा नेताओं के जो बयान आते हैं उसमें कहा जाता है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। लेकिन यह एक जुमला है जो भाजपा शासित राज्यों में और भाजपा के नेताओं द्वारा पिछले कई सालों से बोला जा रहा है। कार्यवाही के नाम पर 9 दिन चले अढाई कोस की स्थिति बनी रहती है। जांच के नाम पर बड़े-बड़े दावे और वादे किए जाते हैं, लेकिन ना तो कभी जाँच रिपोर्ट सामने आती है ना ही किसी अपराधी को सजा मिलती हुई दिखती है। ताबड़तोड़ तरीके से बड़ी-बड़ी कार्यवाही दिखावे के लिए हो जाती है, लेकिन असल में होता-जाता कुछ नहीं है। मामले को शांत करने के लिए हर दुर्घटना, हादसे और अपराध में सरकारी खजाने से मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। इसे कहते हैं हर्र लगे ना फिटकरी, रंग चोखा हो जाए। सरकारी खजाने से मुआवजा देकर भाजपा नेता वाहवाही लूट लेते हैं। मामला भी शांत हो जाता है, जांच के बहाने मामला महीनों और सालों के लिए ठंडे बस्ते में चला जाता है। पिछले एक दशक से यही सब देखने को मिल रहा है। आम जनता को दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से जान और माल से हाथ धोना पड़ता है। यह घटना लगातार चलती रहती है। घटना हो जाने के बाद भी कोई सुधार नहीं आता है। जो दावे नेता और अधिकारियों द्वारा किए जाते हैं वह केवल बयान तक सीमित रहते हैं।

दिल्ली में हाल ही में जो इमारत गिरी है, इसमें सात की मौत हो गई है। करीब एक दर्जन घायल छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पूरी दिल्ली में इस तरह के निर्माण हजारों की संख्या में है। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार है। पिछले कई वर्षों से नगर निगम दिल्ली में भाजपा काबिज है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार भी भाजपा की है। एलजी भी भाजपा द्वारा नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले भी दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार जुमला यही रहता है हम किसी भी दोषी को बख्शेंगे नहीं, कड़ी से कड़ी सजा देंगे। कुछ दिनों तक मामला बयानों से सुर्खियों में बना रहता है। सरकारी खजाने से मुआवजा देने के बाद जैसे ही यह मामला शांत पड़ता है उसके बाद सरकार, दिल्ली नगर निगम और केंद्र सरकार सब कुंभकर्णी निद्रा में चले जाते हैं। अधिकारी, पार्षद, विधायक, मंत्री, पुलिस सब अपना अपना सुविधा शुल्क लेकर आंख बंद करके बैठे रहते हैं। किसी भी अधिकारी की कोई जिम्मेदारी निश्चित नहीं की जाती है। उसके ऊपर कोई दंडात्मक कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण घटना के बाद एक दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़ने की प्रक्रिया शुरू होती है। जांच चलती रहती है, निष्कर्ष कभी नहीं निकलता है। दोषी, रिश्वतखोर, भ्रष्टाचारी, अधिकारी, कर्मचारी और राजनेता हमेशा बचे रहते हैं। मामला न्यायपालिका के पास जाता है। न्यायपालिका भी दोषी अधिकारियों पर कभी कोई ऐसी दंडात्मक कार्यवाही नहीं करती है जिसके कारण अधिकारियों में कोई खौफ हो। दिल्ली में ऐसे हजारों निर्माण हैं, जो अवैध रूप से किए गए हैं। यह सब सामने दिखते हैं, लेकिन रिश्वत और भ्रष्टाचार में सभी की हिस्सेदारी होती है। यह काम अनवरत चल रहा है। सरकार और अधिकारियों को मालूम है, जब कोई घटना होगी उससे हमें कैसे निपटना है। भ्रष्टाचार और रिश्वत की कमाई इतनी बड़ी है कि इसकी छत्रछाया में आकर ईमानदार से ईमानदार अधिकारी और नेता भी अपने आपको इस व्यवस्था में ढाल लेता है। सबका अपना अपना भाग्य है, जो मर गए या जिन्हें नुकसान हुआ उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होते हैं। उनका भाग्य जिम्मेदार होता है। अधिकारी और नेता कर भी क्या सकते हैं। यही कहा जा सकता है। राम मंदिर में चंदा और चढ़ावा चोरी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी इसी तरह से कहा था। जांच कर रहे हैं, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। छोटे-मोटे कर्मचारियों को जेल भेजकर अब सारे मामले में पर्दा डाला जा रहा है। यह सारा देश देख रहा है। आम लोगों के बीच अब यह चर्चा होने लगी है। भाजपा नेता और डबल इंजन की सरकारों में दावे बहुत बड़े-बड़े किए जाते हैं, लेकिन वह दावे केवल अखबारों और मीडिया की सुर्खियों के लिए होते हैं। जिसके कारण अब आम जनता में भी जगह-जगह रोष देखने को मिलने लगा है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने नोएडा के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को गलत तरीके से आंदोलनकारी छात्रा को एनएसए में 5 महीने की हिरासत में रखा था, पर हाईकोर्ट ने 500000 रुपए का जुमार्ना अधिकारियों से वसूल करने का आदेश दिया है। यदि इसी तरह के आदेश न्यायपालिका की ओर से आने लगे, दोषी अधिकारियों कर्मचारियों और पद पर बैठे हुए संवैधानिक पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय होने लगे। सरकारी खजाने से पैसा बांटने के स्थान पर यदि दोषी अधिकारियों से वसूली की जाने लगे तो इस तरह के अवैध कार्यों और अवैध निमार्णों पर रोक लग सकती है। अभी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के कारण तथा किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से जिसकी मर्जी जो आ रहा है वह कर रहा है। जिसके कारण हर जगह अराजकता की स्थिति बनती चली जा रही है। अब तो अधिकारी अपने-अपने हिसाब से खुद नियम, कायदे-कानून बनाने लगे हैं। संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है।

कब तक बिकेगी शराब के नाम पर मौत की घुट्टी

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड ने हड़कंप मचा दिया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 112 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं. मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन इलाके की छह शराब दुकानों को सील कर दिया है. पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है. वहीं, मौतों के आंकड़े को लेकर सियासत भी गरमा गई है.

अभी अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर में भी नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

शराबबंदी वाले राज्यों में तस्करी का सिलसिला अधिक गंभीर है, अभी समस्तीपुर बिहार में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दिल्ली से आ रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास एसी कोच से 75 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में एक युवती नेहा और उसके जीजा को गिरफ्तार किया गया है।

जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? भावनगर शराब कांड में पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्यवार ऐसी मौतों का दस्तावेजीकरण करता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली विक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी विक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में पहला हिंदू मंदिर: प्राण प्रतिष्ठा में 40 देशों से पहुंचे मेहमान

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रविवार को देश का पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बीएपीएस अक्षरधाम संस्थान के गुरु महंतस्वामी महाराज ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूरा किया। इसमें यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया से आए संतों, भक्तों और गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। मंदिर का निर्माण प्राचीन भारतीय वास्तुकला और वैदिक शिल्पशास्त्र के आधार पर किया गया है। इसमें फ्रांसीसी आधुनिक तकनीक का भी सुंदर मेल देखने को मिलता है। 13 दिनों तक चले इस महोत्सव में 40 से अधिक देशों से लोग शामिल हुए। प्रतिष्ठा से पहले पेरिस में एक भव्य नगर यात्रा निकाली गई। यात्रा में 14 सुसज्जित रथों पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां सजाई गईं। पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। यात्रा एफिल टावर और एकोल मिलिटेर से होते हुए प्लास द ला कॉनकॉर्ड तक पहुंची। यात्रा ने फ्रांस में भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का नया अध्याय खोल दिया। यह मंदिर 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। ऊपरी तल पर पारंपरिक मंदिर और नीचे सांस्कृतिक केंद्र के रूप में हवेली बनाई गई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रभुपाद ने भारत के सांस्कृतिक आध्यात्मिक वैभव के पुनर्जागरण का अभियान शुरू किया था। आज उसका प्रकाश यूरोप समेत पूरी दुनिया में फैल रहा है। 2024 में अबू धाबी में भी एक भव्य मंदिर का लोकार्पण हुआ था। यह निर्माण संतों की संकल्प शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा, बीएपीएस स्वामी नारायण संस्था और करोड़ों हरि भक्तों को इस अवसर पर बधाई दी गई। बीएपीएस मंदिरों से भारत के प्राचीन विचार और मानवीय मूल्य प्रसारित होते हैं। यह मंदिर फ्रांस की विविधता को समृद्ध करेगा और सांस्कृतिक संबंधों को ऊर्जा देगा। भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। दोनों देश राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह साझेदारी पुराने सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। फ्रांस में भारतीय सैनिकों के बलिदान का इतिहास आज भी जीवित है। फ्रेंच स्कॉलर्स ने संस्कृत को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है। रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पर रोमा रोला की लेखनी समाजों को करीब लाई। प्रधानमंत्री ने कहा, दशकों पहले श्रील प्रभुपाद स्वामी ने फ्रांस आकर आध्यात्मिक संबंधों का नया अध्याय शुरू किया था। आज योग भी भारत और फ्रांस के लोगों के बीच जुड़ाव का एक अहम जरिया बन चुका है। यह स्वामी नारायण मंदिर मेड इन इंडिया है और बिल्ट इन फ्रांस है। इसके पत्थर भारत में तराशे गए हैं। भारत की प्राचीन प्रतिभा फ्रांस की आधुनिक इंजीनियरिंग से जुड़कर इस भव्य मंदिर ने आकार लिया है। यह मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और संभावनाओं का प्रतीक बनेगा और सेवा प्रकल्पों का केंद्र होगा।

गाजा को लेकर इस्राइल से नाराज है यूएस?: अमेरिकी प्रतिनिधि कुशनर का बड़ा बयान- बेतुकी कार्रवाई कर रहे नेतन्याहू

कीव, एजेंसी। अमेरिकी विशेष दूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार को कहा कि इस्राइल में होने वाले नेसेट चुनाव की वजह से गाजा के हालात को लेकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सरकार का रवैया थोड़ा तर्कहीन हो गया है। इस बीच, वॉशिंगटन हमास और इलाके के दूसरे हथियारबंद गुटों से हथियार हटाने की योजना को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी रखे हुए है। कुशनर ने ये बातें कीव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं, जहां वे रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की कोशिशों पर बातचीत के बाद अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ मौजूद थे। गाजा के हालात पर बात करते हुए कुशनर ने कहा कि वॉशिंगटन और इस्राइल मोटे तौर पर इस बात पर सहमत हैं कि वे क्या नतीजा चाहते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले नेसेट चुनाव से पहले घरेलू राजनीतिक वजहों से यह मामला उलझ रहा है। कुशनर ने कहा, 'हम इस्राइल में कुछ राजनीतिक मुद्दों पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि अंतिम स्थिति को लेकर हम उनसे सहमत हैं। वहां अभी-अभी एक चुनाव हुआ है। इस वजह से कुछ मामलों में उनका व्यवहार थोड़ा अतार्किक हो गया है।' उनके ये बयान तब आए हैं जब इस्राइल ने 'बोर्ड ऑफ पीस' के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें गाजा में हमास और दूसरे हथियारबंद गुटों के हथियार हटाने की बात कही गई है। यह एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसमें उस इलाके से इस्राइल सेना की वापसी भी शामिल होगी। अमेरिका इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस्राइल के विरोध की वजह से यह प्रक्रिया रुकी हुई है। दरअसल, कुशनर, जो गाजा को लेकर अमेरिकी कूटनीतिक कोशिशों में शामिल रहे हैं, उन्होंने वहां के हालात के बारे में निराशाजनक बात कही। उन्होंने कहा, 'गाजा में बहुत लंबे समय से हालात ठीक नहीं रहे हैं। इसे असल में एनजीओ और आतंकवादियों ने बनाया था। यह लंबे समय से एक बहुत बुरी जगह बन गया है।' ये बातें ऐसे समय में कही गईं जब गाजा पर इस्राइल के हमले जारी हैं। युद्ध के बाद की व्यवस्थाओं, खासकर हमास के हथियारों और इस्राइली सेना की वापसी के दायरे को लेकर मतभेद बने हुए हैं। शांति योजना में हमास और अन्य सशस्त्र समूहों के हथियार हटाने की प्रक्रिया को इस्राइली सेना की वापसी से जोड़ने की कोशिश की गई है, लेकिन इस प्रस्ताव को राजनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इस्राइल ऐसी किसी भी व्यवस्था

होर्मुज बंद है या खुला: ट्रंप के दावे पर भी किया पलटवार

अमेरिकी जहाजों पर हमला करने के बाद क्या बोला ईरान?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रजाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को सीधे खारिज किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में रजाई ने कहा कि होर्मुज पूरी तरह बंद है और ट्रंप का यह कहना कि जलडमरूमध्य खुला है, 'बहुत बड़ा झूठ' है। उनके मुताबिक जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद सीमित रह गई है। रजाई ने यह भी कहा कि अमेरिका अगर ईरान को धमकी देना या उस पर हमला करना बंद कर देता है, तो ईरान होर्मुज को खुला रखने के लिए तैयार होगा। रजाई ने कहा कि होर्मुज बंद किए जाने से पहले इस रास्ते से 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे। इन जहाजों के जरिये 10 करोड़ टन से ज्यादा सामान का परिवहन होता था।

अब उनके दावे के मुताबिक केवल सात से आठ जहाज ही इस क्षेत्र से गुजर रहे हैं और इनमें ईरान की जरूरी वस्तुएं ले जाने वाले जहाज शामिल हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका से जुड़े कुछ जहाज चोरी-छिपे इस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश करते हैं, जिन्हें ईरानी बल पहचानकर निशाना बनाते हैं। रजाई के अनुसार अमेरिका पांच से छह जहाजों को इस क्षेत्र से निकालने की कोशिश करता है और इन पर हमला किया जाता है।

ईरान होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र क्यों बना रहा है?: रजाई ने कहा कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक नया प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। उनके मुताबिक यह क्षेत्र उस जगह से शुरू होगा, जिसे ईरान

अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की रेखा बता रहा है और यह फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक फैलेगा। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि नए घोषित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी जहाज को प्रतिबंधों की सूची में डाल दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि ईरान की ओर से समुद्री आवाजाही पर लगाई जा रही पाबंदियां केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं रह सकती हैं।

ईरान ने अमेरिकी जहाजों को डुबोने से परहेज क्यों किया?: मोहसिन रजाई ने दावा किया कि ईरान अमेरिकी तस्करी वाले जहाजों को देख रहा है और उन्हें नष्ट भी कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने इन जहाजों को डुबाने का फैसला नहीं किया है। उनका तर्क है कि इन जहाजों में तेल होता है और उनके डूबने से क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान हो सकता है। रजाई के मुताबिक ईरान ने कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाने के लिए चिह्नित किया था, लेकिन कुछ स्थानों पर जानबूझकर हमला नहीं किया गया। इनमें जॉर्डन का टाइटन बेस और इरबिल में मौजूद कुछ अमेरिकी ठिकाने शामिल हैं।

अमेरिका के साथ तनाव में होर्मुज इतना अहम क्यों है?: होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच यहां जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। रजाई ने कहा कि होर्मुज को खुला रखने का भविष्य सीधे तौर पर अमेरिका के सैन्य रवैये से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अमेरिका ईरान को धमकी देता रहेगा या उस पर हमला करेगा, तब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी। इस बीच नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की चेतावनी से फारस की खाड़ी में समुद्री यातायात को लेकर चिंता और बढ़ सकती है।

लेबनान और हिजबुल्ला को लेकर ईरान ने क्या कहा?: मोहसिन रजाई ने लेबनान और हिजबुल्ला के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि युद्ध को केवल जीत और हार की लगातार श्रृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। उनके मुताबिक युद्ध में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

ईरान के नए कदम से आगे क्या बदल सकता है?: ईरान की ओर से होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की घोषणा तनाव को एक नए स्तर पर ले जा सकती है। अभी रजाई के बयानों के अनुसार ईरान एक तरफ होर्मुज को अमेरिकी हमलों और धमकियों से जोड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ उन समुद्री इलाकों में भी प्रतिबंध बढ़ाने की तैयारी कर रहा है जिन्हें वह अपने सुरक्षा हितों से जुड़ा मानता है।

चांद हमारा है': अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'चंद्रमा हमारा है' लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई-जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन 'स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैक' के रूप में किया। वर्दी में कंधे और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी।

वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, 'कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया।'व्हाइट हाउस ने इस विचार का समर्थन किया। एक पोस्ट में 'मेक्सिको' को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिखा हुआ दिखाया गया था।

न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।

न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था। कुछ दिन पहले, ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापार विवाद के बीच लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने 27 अगस्त को ओवल ऑफिस से इस घोषणा की थी। लेक ओंटारियो कनाडा-अमेरिका सीमा पर स्थित पांच ग्रेट लेक्स में से एक है।

सुपरहीरो अंदाज में दिखे डोनाल्ड ट्रंप: सीमा पर दीवार लगाकर रोके अवैध अप्रवासी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राजनीति में अब सुपरहीरो का तड़का भी लग गया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ग्रीन लैंटर्न थीम पर एक एआई वीडियो जारी किया है। वीडियो में ट्रंप को हरे रंग की रोशनी और सुपरहीरो जैसी ताकत के साथ दिखाया गया है, जो ग्रीन लैंटर्न के मशहूर पावर रिंग से प्रेरित है। व्हाइट हाउस के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा किया। इसके साथ ही लिखा, 'तेज धूप में हो या अंधेरी रात में, कोई बुराई मेरी नजर से नहीं बच पाएगी। जो लोग बुराई की ताकत की पूजा करते हैं, वे मेरी शक्ति से सावधान रहें। ग्रीन लैंटर्न की रोशनी!'

वीडियो में क्या नजर आ रहा है? : वीडियो में ट्रंप एक चमकती अंगूठी उठाते और एक चमकदार हरी सीमा दीवार बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो प्रशासन की आव्रजन नीतियों का संकेत है। इसके बाद वे अपनी शक्तियों का उपयोग अमेरिकी विनिर्माण और सैन्य प्रयासों को बढ़ाने के लिए करते हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 अगस्त को एक वीडियो साझा किया था। इसमें वे खर्ग आईलैंड पर जोरदार धमाकों होते नजर आ रहे थे। वीडियो साझा करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि द्वीप को 'टुकड़े-टुकड़े' किया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'खर्ग आईलैंड के टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने इसके अलावा हमले को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप के पोस्ट में दिखाई गई तस्वीरों में खर्ग आईलैंड पर बड़े धमाके होते नजर आ रहे हैं। खार्ग द्वीप ईरान का एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र है, जो 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ युद्ध शुरू होने से पहले देश के लगभग 90% तेल निर्यात का संचालन करता था। द्वीप को कोई भी महत्वपूर्ण क्षति ईरान के तेल व्यापार को बाधित कर सकती है और उसकी अर्थव्यवस्था पर और दबाव डाल सकती है।

दुनिया के नक्शे पर भारत के वोट से क्यों तिलमिलाया पाकिस्तान?:

कश्मीर पर फिर अलापा पुराना राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के नक्शे को लेकर आए एक प्रस्ताव पर भारत के समर्थन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बयानबाजी फिर तेज हो गई है। भारत ने 4 सितंबर को अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस वोट का मकसद केवल दुनिया के नक्शों में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने के सिद्धांत का समर्थन करना था। भारत ने यह भी साफ किया कि प्रस्ताव का जम्मू-कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद अगले ही दिन पाकिस्तान ने भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू-कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे नक्शों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिनमें अलग-अलग महाद्वीपों का क्षेत्रफल वास्तविक आकार के अनुपात में ज्यादा सही नजर आए। भारत ने इस

प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने अपने वोट की व्याख्या में समान क्षेत्रफल वाले नक्शों के सिद्धांत को समर्थन देने की बात रखी। यानी भारत का वोट किसी राजनीतिक सीमा या विवादित क्षेत्र के समर्थन में नहीं था।

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर क्या साफ किया? : भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव किसी खास विश्व नक्शे को मंजूरी नहीं देता। न ही यह किसी खास नक्शा बनाने की पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण को मान्यता देता है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम से जुड़े राजनीतिक नक्शों पर कोई फैसला नहीं किया गया है। भारत ने साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर-परक्राम्य बताया। ऐसे में भारत के अनुसार इस प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर के दर्जे से जोड़ना सही नहीं है।

पाकिस्तान ने भारत के बयान पर क्या कहा? : भारत के स्पष्टीकरण के एक दिन बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावे को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के रुख को बेबुनियाद बताया। उसने कहा कि भारत की कथित एकतरफा कार्रवाई और जम्मू-कश्मीर पर उसका नियंत्रण क्षेत्र की स्थिति को नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से लंबित विवाद बताया और इस मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया।

अमेरिका को समझ आ रहा: बच्चों की परवरिश माता-पिता ही बेहतर करेंगे, डे-केयर से दूरी बनाने के लिए बनी खास योजना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जिसमें छोटे बच्चों को पालने के लिए नौकरी छोड़कर घर पर रहने वाले माता-पिता में से किसी एक अभिभावक को वित्तीय मदद दी जाएगी। दरअसल, अमेरिका अब पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों की ओर लौट रहा है जिसमें माना जाता है कि छोटे बच्चों की देखभाल डे-केयर के बजाय माता-पिता की निगरानी में होनी चाहिए।

ट्रंप प्रशासन ने इस संबंध में बाकायदा योजना का मसौदा भी तैयार कर लिया है। यह योजना मुख्यतः उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पहल का नतीजा है, जो लंबे समय से इसकी वकालत करते रहे हैं कि छोटे बच्चों को डे-केयर के मुकाबले घरेलू माहौल मिलना चाहिए, जो उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। मसौदे के मुताबिक, प्रस्तावित योजना का लाभ केवल उन विवाहित जोड़ों पर लागू होगा जिनमें एक जीवनसाथी काम करता है और दूसरा घर पर बच्चों

की देखभाल करता है। अविवाहित जोड़े या एकल अभिभावक इसके दायरे से बाहर रहेंगे। योजना को लागू करने के लिए चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट फंड (सीसीडीएफ) के पैसे का उपयोग किया जाएगा। रूढ़िवादी विचारकों और हेरिटेज फाउंडेशन जैसे संगठनों ने इस कदम का समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह नियम व्यावसायिक डे-केयर और घर पर बच्चों की परवरिश करने वाले माता-पिता के बीच भेदभाव को खत्म करेगा। व्हाइट हाउस और उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन नियम को अंतिम रूप दिए जाने से पहले इसे जनता की प्रतिक्रिया के लिए ऑनलाइन जारी किया जाएगा।चाइल्ड केयर सब्सिडी फंड से उन कामकाजी माता-पिता या पढ़ाई/ट्रेनिंग कर रहे अभिभावकों को सब्सिडी मिलती है, जिनकी पारिवारिक आय उनके राज्य की औसत आय के 85% से कम हो।

यह मदद 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मिलती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सीसीएस फंड से मदद पाने वाले परिवारों में करीब 80% परिवार एकल कामकाजी माता-पिता हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या अकेली मांओं की है।ट्रंप प्रशासन को इस बदलाव के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी और इसे अगले वर्ष तक लागू किया सकता है।

यमन में फिर भड़की जंग: हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, चार दिन में 117 लोगों की हुई मौत

एडेन, एजेंसी। पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हुए हैं।

वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती -नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए, जिससे दोनों पक्षों की कुल मरने वालों की संख्या 117 हो गई।

यमनी सरकार के लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को होदेइदाह और ताइज के पश्चिमी प्रांतों में हूती -नियंत्रित इलाकों पर हमले किए। ये हमले रणनीतिक बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य के पास हूती समूह के बड़े हमले का सामना कर रही जमीनी सेना की मदद के लिए किए गए थे।अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ये हवाई हमले ऐसे समय में किए गए जब दोनों प्रांतों में कई मोर्चों पर जबरदस्त लड़ाई चल रही थी। हूती लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में तेजी से आगे बढ़ते हुए कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था।अधिकारी ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने उन इलाकों में हूती ठिकानों और गतिविधियों को निशाना बनाया जहां जमीनी लड़ाई चल रही थी। हमलों या हताहतों के बारे में और जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो सकी।

सरकार के एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ को बताया कि हूती सदस्यों द्वारा कब्जा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, सरकारी सेना ने रात भर चले एक तेज जवाबी हमले में पश्चिमी ताइज में कई महत्वपूर्ण ठिकानों को वापस अपने कब्जे में ले लिया।हालिया तनाव पश्चिमी यमन में पिछले कुछ वर्षों की सबसे भीषण जमीनी लड़ाइयों में से एक है। इससे देश के कई मोर्चों पर वर्षों की सापेक्ष शांति के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई फिर से शुरू होने की चिंता बढ़ गई है।यमन 2014 के अंत से ही संघर्ष में फंसा हुआ है, जब हूती समूह ने सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के समर्थन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अगले साल हस्तक्षेप किया था।

नेपाल जलप्रलय के 12 दिन: पानी हुआ जहरीला, संपर्क में आते ही त्वचा पर इंफेक्शन; आंसुओं के बीच नुकसान के आंकड़े

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल आपदा के बाद भारत में आया सैलाब अब दिन-ब-दिन जहरीला होता जा रहा है। इसके संपर्क में आते ही लोगों के पूरे शरीर में इंफेक्शन फैल जाता है। लोग खुजली से परेशान हैं। यह परेशानी तब और बढ़ रही है जब संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे में पहुंच रहा है। ऐसे में इसकी चेन को ब्रेक करना बेहद मुश्किल हो रहा है। सबसे पहले इसकी चपेट में वे बुजुर्ग आए जो आपदा के बाद खेतों में काम करने गए। अब उनसे यह संक्रमण घर के दूसरे लोगों में पहुंच रहा है। शरीर में अलग-अलग जगहों पर निशान पड़ रहे है। इसकी जद में कुशीनगर और महाराजगंज के कई गांव हैं।

महाराजगंज जिला अस्पताल के वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. एके द्विवेदी

ने कहा कि पानी में ई. कोलाई और अन्य फीकल बैक्टीरिया पनपने की अधिक संभावना है। जब कोई व्यक्ति ऐसे पानी के संपर्क में आता है तो बैक्टीरिया सबसे पहले त्वचा की ऊपरी परत को कमजोर कर देता है। कुशीनगर जिले के पीपरीघाट निवासी रामायण सिंह ने बताया कि खेत में काम करने के दौरान उनके पैर नेपाल से आए दूषित पानी के संपर्क में आ गए थे। इसके तुरंत बाद खुजली शुरू हो गई। सेवरही की रंभा देवी की बेटी के शरीर पर दाने हो गए हैं। आपदा के 12वें दिन चीन ने पहली बार कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों को गिरयोंग काउंटी जाने की अनुमति दी। अब चीन के सीमावर्ती इलाके में तबाही की असली तस्वीर सामने आई। यह आव्रजन चौकी बुरी तरह तबाह हो चुकी है। यहां तक कि यह पता लगाना भी मुश्किल है कि इसका ढांचा कहां पर खड़ा था।

नेपाल में अचानक बाढ़ से मची तबाही के 12 दिन बीतने बाद भी प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति विकट बनी हुई है। राहत एवं बचाव कार्य बदस्तूर जारी है। मलबे को हटाने, सड़कों को दुरुस्त करने और संचार व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। नेपाली सेना और इंजीनियरों की टीम अस्थायी पुल बनाने और प्रभावित लोगों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में जुटी है। अपेक्षाकृत कम प्रभावित क्षेत्रों में कुछ लोग घरों की ओर लौटे हैं और अपनों को खोने के दर्द के बीच जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। अपने टूटे-फूटे घरों को फिर से ठीक करके रहने लायक बना रहे हैं। एक बड़ा इलाका ऐसा है जहां मलबे के ढेर के अलावा कुछ नहीं बचा है। लोग इसमें अपना बचा-खुचा सामान तलाश रहे हैं। उनका कहना है कि समझ ही नहीं आ रहा कि जिंदगी फिर कहां से शुरू करें।

खुद बचे, अब राहत अभियान में जुटे

सुदीप कुमार न्यौपाने (31) विनाशकारी बाढ़ में बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके छोटे भाई और एक करीबी सहयोगी लापता हैं। न्यौपाने अब राहत कार्यों में शामिल हो गए और रसुवा में विस्थापित लोगों के बीच भोजन तथा अन्य जरूरी सहायता सामग्री के वितरण में मदद कर रहे हैं।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

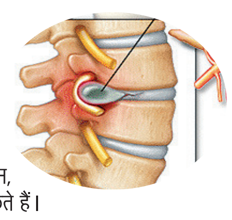

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2581

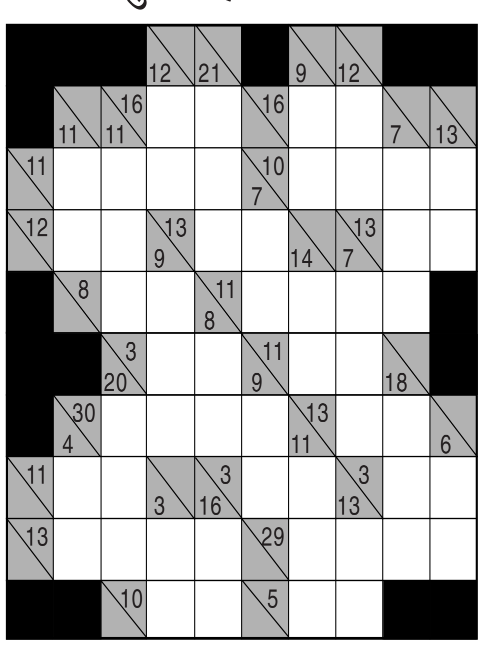

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

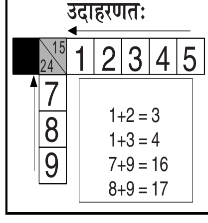

काकुरो - 2580 का हल

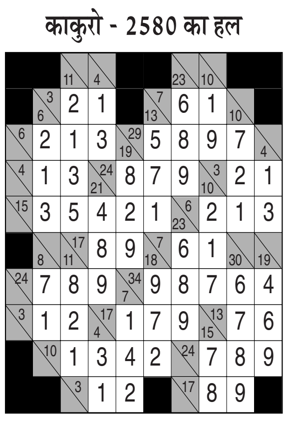

लॉफिंग ज़ोन

मां-'बेटा राकेश! मेरी शान्ता बड़ी उदार और सबके काम आने वाली है. किसी को इंकार करना तो उसने जैसे सीखा ही नहीं!'

राकेश-'आप ठीक कहती हैं, आंटी! उसके प्यार-मुहब्बत के तीन अफसाने तो मैं भी अब तक सुन चुका हूँ.'

☺ ☺ ☺

मियां ने बीवी से पूछा- मुझे आश्चर्य होता है कि अधिकांश औरतें अपने रूप पर ज्यादा ध्यान क्यों देती हैं.

बीवी बोली- क्योंकि वे जानती हैं कि मर्द बेवकूफ भले ही हों, पर आंखें वे खुली ही रखते हैं.

☺ ☺ ☺

प्रेमी-प्रेमिका प्रेमालाप में व्यस्त थे. थोड़ी देर बाद प्रेमिका का छोटा भाई आ गया. प्रेमिका ने उसे टरकाने के अभिप्राय से कहा-'भैया! तुम बाहर जाकर खेलो!'

'नहीं दीदी !'

भाई वहीं जमता हुआ बोला-'मैं बाहर नहीं जाऊंगा. अम्मा ने कहा है कि जब तक वह बदमाश वहां बैठा है, तब तक तुम वहीं रहो !'

☺ ☺ ☺

घरवाली बोली- आज रामायण के पाठ में पंडितजी ने बताया कि रामराज्य में शेर और बकरी एक ही घाट पर पानी पिया करते थे. भला यह कैसे हो सकता है.

आदमी बोला- हो क्यों नहीं सकता? क्या मैं तुम्हारे साथ नहीं रहता.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2581

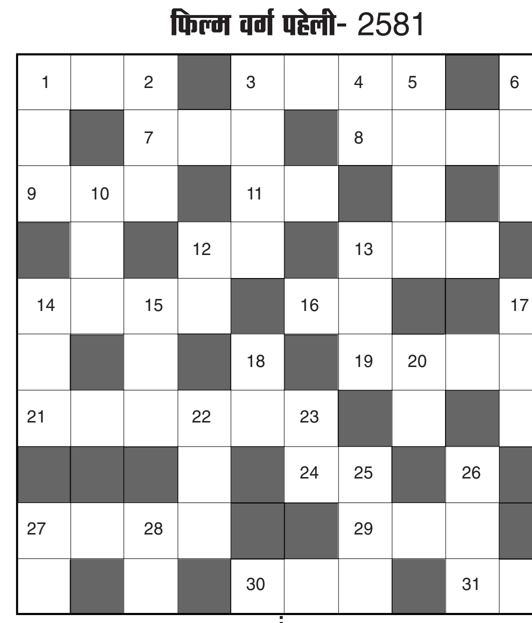

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2580

सूडोकु -2581

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2580 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

शब्द पहेली - 2581

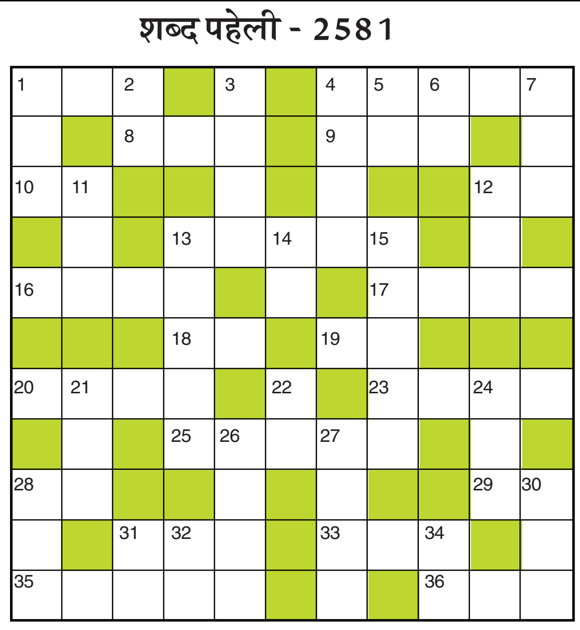

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -2580 का हल

नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर पंजाब सरकार का बयान न्याय विभाग पर हमला: अकाली दल

एजेंसी

हैदराबाद। 'अपमान' के बाद रो पड़े तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष, कांग्रेस ने BRS नेता के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत तेलंगाना विधानसभा में कुछ ऐसा दृश्य देखने को मिला जो पहले कभी नहीं देखा गया था। सदन में कथित तौर पर अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के बाद स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार रो पड़े। हैदराबाद के खैरताबाद जिले के कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोथा रोहित मुदिराज ने भारत राष्ट्र समिति के एमएलसी टी मधुसूदन के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि स्पीकर पर किए गए अपमानजनक शब्दों से वे रो पड़े। मुदिराज ने पुलिस से वीडियो सबूतों की जांच करने, एफआईआर दर्ज करने, डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखने, निष्पक्ष जांच करने और कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया। पेद्दापल्ली सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा ने विधानसभा परिसर में हुई घटनाओं को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव की कड़ी आलोचना की।

बयाना में करंट का कहर, युवक की मौत, बुजुर्ग गंभीर झुलसा

बयाना। बयाना सदर थाना क्षेत्र के गांव बागरैन में मंगलवार सुबह करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे में एक बुजुर्ग भी गंभीर रूप से झुलस गया। खेतों की फसल को पशुओं से बचाने के लिए की गई तारबंदी में करंट दौड़ रहा था। इसी तारबंदी की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। सदर थाना एसएचओ अवतार सिंह के अनुसार, गांव बागरैन निवासी 40 वर्षीय सुगर सिंह जाटव मंगलवार सुबह करीब 9 बजे खेतों से अपने घर की ओर लौट रहा था। रास्ते में एक खेत की मेड़ पर फसल को पशुओं से बचाने के लिए तारबंदी की गई थी। बताया जा रहा है कि तारबंदी में करंट दौड़ रहा था। अचानक सुगर सिंह तारों की चपेट में आ गया और उसे जोरदार करंट लग गया। सुगर सिंह को बचाने के प्रयास में उसके पीछे चल रहा 60 वर्षीय दान सिंह जाटव भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद परिजन और ग्रामीण दोनों घायलों को बयाना के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद सुगर सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से झुलसे दान सिंह को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुणे में अंतरराज्यीय ट्रांसफार्मर चोरी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

पुणे । पुणे क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो ट्रांसफॉर्मर और कॉपर के तार चुराने में शामिल था। पुलिस ने इस गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 12.73 लाख रुपए की रकम भी बरामद की। पुलिस के मुताबिक, कांस्टेबल विनायक साल्वे को इस बारे में सूचना मिलने के बाद यूनिट 7 की ओर से तलाशी अभियान शुरू किया गया। दरअसल, कांस्टेबल को यह जानकारी मिली थी कि जो लोग ट्रांसफॉर्मर चोरी में संलिप्त हैं, वो बहुत जल्द ही हवेली तालुका का वाडेगांव क्षेत्र में पहुंचने वाले हैं। इस सूचना के बाद पुलिस इंस्पेक्टर वाहिद पठान ने पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) राहुल कोलपे को आदेश दिया कि वह इस सूचना की सत्यता की जांच करके कानूनी कार्रवाई करे। इसके बाद वाडेगांव में इस गिरोह में शामिल आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। यहां पुलिस ने माल से भरा हुआ वाहन रविवार को पकड़ लिया।

रामदेवरा से लौट रहे जातरुओं का ट्रैक्टर पलटा, 16 घायल अस्पताल पहुंचे

जोधपुर। जोधपुर के पास आगोलाई में देर रात रामदेवरा से लौट रहे जातरुओं से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद 16 घायलों को मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब 50 जातरू सवार थे। सभी समध्यप्रदेश के निवासी बताए जा रहे हैं और रामदेवरा दर्शन के बाद जोधपुर के मसूरिया की ओर आ रहे थे। आगोलाई के नजदीक सामने से आ रही बस और ट्रक के बीच स्थिति बनने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, देर रात करीब 1 बजे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी एमडीएम अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात कर कुशलक्षेम जानी।

ऑपरेशन कवच 2.0 के तहत नोएडा में परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

46 बसों के चालान, 25 सीज

एजेंसी

नोएडा। छात्रा के साथ बस में गैंगरेप की घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर गौतम बुद्ध नगर में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कवच 2.0' के तहत परिवहन विभाग ने नियमों की अनदेखी करने वाली बसों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की पांच प्रवर्तन टीमों ने जिले के अलग-अलग प्रमुख स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए 46 बसों के चालान किए, जबकि 25 बसों को निरुद्ध यानी सीज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान विभाग ने 10 लाख रुपये से अधिक का राजस्व भी वसूला और आरोपित किया है। परिवहन विभाग के मुताबिक, यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ अवैध और नियम विरुद्ध संचालित हो रहे वाहनों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ.

उदित नारायण पाण्डेय के निर्देशन में किया गया। इसके लिए विभाग की कुल पांच प्रवर्तन टीमों को मैदान में उतारा गया था, जिनमें तीन एआरटीओ और दो पीटीओ शामिल रहे। परिवहन विभाग की टीमों ने जिले के प्रमुख और व्यस्त स्थानों पर बसों की जांच की। इनमें परी चौक, महामाया फ्लाईओवर, सेक्टर-37 और सूरजपुर जैसे स्थान प्रमुख रहे। चेकिंग के दौरान बसों के परमिट, टैक्स और संचालन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन मिलने पर मौके पर ही कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कई बसों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। विभाग के अनुसार कुछ बसें वैध रूट और परमिट की शर्तों का उल्लंघन करते हुए संचालित की जा रही थीं। वहीं, कुछ वाहन स्वामियों की ओर से लंबे समय से सरकारी टैक्स का भुगतान नहीं किया गया था। इसके अलावा सवारी ढोने के लिए पंजीकृत बसों में नियमों के विपरीत कमर्शियल माल की ढुलाई भी किए जाने के मामले सामने आए। परिवहन विभाग की कार्रवाई के दौरान नियम तोड़ने वाले वाहन संचालकों पर सात लाख रुपये से अधिक का प्रशमन शुल्क लगाया गया। इसके अलावा करीब तीन लाख रुपये का बकाया टैक्स भी आरोपित किया गया। इस तरह अभियान के दौरान विभाग ने 10 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय कार्रवाई की है।

उत्तराखंड एसआईआर: हरिद्वार, उधम सिंह नगर, देहरादून, नैनीताल... चार जिलों से आए नाम हटाने के लिए 85फीसदी से ज्यादा आवेदन

एजेंसी

देहरादून। चुनाव आयोग ने उत्तराखंड में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत दावों और आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा 17 दिन बढ़ा दी है। अब फाइनल वोटर लिस्ट 15 सितंबर के बजाय तीन अक्टूबर को जारी की जाएगी। द इंडियन एक्सप्रेस को मिले सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि दावों और आपत्तियों के निपटारे की समय सीमा के दौरान नाम हटाने के लिए 1.3 लाख से ज्यादा Form-7 वाले आवेदन भरे गए थे। यह

वह समय सीमा होती है जब लोग चुनाव आयोग से ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने या उसमें सुधार करने के लिए कह सकते हैं। दावों और आपत्तियों के निपटारे की समय सीमा 14 जुलाई को शुरू हुई थी और यह काम 9 सितंबर तक पूरा होना था लेकिन अब इस तारीख को बढ़ाकर 28 सितंबर कर दिया गया है। उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने मीडिया से कहा, 'आयोग ने उत्तराखंड की वोटर लिस्ट के फाइनल प्रकाशन के लिए तीन अक्टूबर की नई तारीख तय की है। इस अतिरिक्त समय का इस्तेमाल लंबित दावों और आपत्तियों के निपटारे को पूरा करने के लिए किया जाएगा। '

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

'चौकीदार चोर है' वाले मामले को रद्द करने से अदालत ने किया इनकार

एजेंसी

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित 'चौकीदार चोर है' की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। उनकी इस टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि केस रद्द करने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है।

इस मामले में राहुल गांधी ने मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जारी समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। उनकी ओर से तर्क दिया गया था कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। उनकी ओर से कहा गया था कि कथित बयान में किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था और न ही किसी 'पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग' को निशाना बनाया था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस नितिन बोरकर की सिंगल बेंच ने राहुल गांधी की दलील को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा

एक पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दल है और इसलिए वह निश्चित रूप से एक पहचान योग्य संस्था है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता का दावा है कि वह दो दशक से भाजपा का सक्रिय सदस्य रहा है। पहली नजर में प्रधानमंत्री को, जो भाजपा के सदस्य हैं, 'कमांडर-इन-थीफ' बताने वाले बयान को सिर्फ पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित नहीं माना जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, इस बयान का वास्तविक आशय क्या था और इसका पार्टी के सदस्यों पर क्या प्रभाव पड़ा, यह सवाल मुकदमे के दौरान विचार किया जाना है।राहुल गांधी के वकील सुदीप पासबोला ने हाईकोर्ट में दलील दी कि कथित ट्वीट में राहुल गांधी ने भाजपा या किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था। उन्होंने कहा कि किसी 'पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग' को निशाना नहीं बनाया गया है। ऐसे में कोई स्पष्ट रूप से पीड़ित व्यक्ति या समूह मौजूद नहीं है, इसलिए शिकायतकर्ता के पास आपराधिक मानहानि का मामला चलाने का अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार की ओर से भी विरोध किया गया। महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल की ओर से कहा गया कि कोर्ट को यह देखना होगा कि मानहानि के अपराध के लिए जरूरी तत्व मौजूद हैं या नहीं। साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या टिप्पणी किसी निश्चित एवं पहचान योग्य समूह से संबंधित थी।

मध्य प्रदेश में जहरीली शराब त्रासदी: यूपी पुलिस ने ललितपुर में नकली शराब की बात को किया खारिज

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मध्य प्रदेश के सागर जिले में हुई नकली शराब त्रासदी से ललितपुर के संबंध के दावों को खारिज कर दिया है, जहां मेथेनॉल मिश्रित शराब से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने कहा कि ललितपुर में अवैध शराब उत्पादन से संबंध स्थापित करने के लिए फिलहाल कोई सबूत नहीं है।

सागर जिले की पुलिस द्वारा यह सुझाव दिए जाने के बाद यूपी पुलिस ने स्पष्टीकरण दिया कि जहरीली शराब के प्रकोप का संबंध ललितपुर से हो सकता है। सागर में हुई त्रासदी के परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग अस्पताल में भर्ती हुए, जिसके चलते मध्य प्रदेश सरकार ने स्थानीय उत्पाद शुल्क और पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया और नकली शराब की बिक्री और सेवन से संबंधित परिस्थितियों की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। ललितपुर पुलिस ने 4 मई, 2026 को चलाए गए एक संयुक्त अभियान का जिक्र किया, जिसमें

अवैध शराब गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया था।खबरों के मुताबिक, इस गिरोह का नेतृत्व रवि लखेरा और चंद्रेश लोधी कर रहे थे और इनके मध्य प्रदेश के जिलों से संबंध थे। ललितपुर पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ पहले से ही गैंगस्टरों से संबंधित कार्यवाही चल रही है। ललितपुर के अधिकारियों ने यह भी बताया कि सागर पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में नामजद सभी 20 आरोपी मध्य प्रदेश के निवासी हैं, सिवाय एक व्यक्ति के जो लंबे समय से स्थानीय स्तर पर रह रहा है।ललितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने कहा, 'आरोपी रवि लखेरा के पास मध्य प्रदेश में शराब की दुकानों के लाइसेंस हैं और मध्य प्रदेश के विभिन्न पुलिस थानों में उसके खिलाफ शराब से संबंधित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। ' उन्होंने कहा कि 6 सितंबर को बांदा पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 658/2026 के तहत दर्ज मामले में, सभी 20 नामजद आरोपी मध्य प्रदेश के निवासी हैं।उनके अनुसार, केवल एक आरोपी आकाश राय को ललितपुर के मदवारा का निवासी दिखाया गया है लेकिन वह पिछले 10 वर्षों से बांदा पुलिस थाना क्षेत्र में रह रहा है।

त्योहारों से पहले दिल्ली में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर बड़ी कार्रवाई

2800 किलो से ज्यादा असुरक्षित सामग्री नष्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारों का मौसम शुरू होते ही दिल्ली सरकार ने मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने प्रमुख खाद्य बाजारों में छापेमारी तेज कर दी है और 2800 किलोग्राम से ज्यादा असुरक्षित खाद्य सामग्री को नष्ट किया है। स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा, 'त्योहारों की तैयारियों के चक्कर में खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली के लोगों तक कोई भी असुरक्षित या मिलावटी भोजन न पहुंचे। जो लोग जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने खोया मंडी, मोरी गेट, बाग दीवार, संजय मार्केट और जनकपुरी मंडी में बड़े पैमाने पर निरीक्षण किया। इसका मुख्य मकसद मिलावट रोकना और उपभोक्ताओं तक पहुंचने वाले खाद्य उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।जांच के दौरान खोया मंडी, मोरी गेट, बाग दीवार और संजय मार्केट में लगभग

2830 किलोग्राम खोया, धाप और मक्खन लावारिस हालत में और बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में पड़ा मिला। इन खाद्य पदार्थों से बदबू आ रही थी और ये खराब हो रहे थे। सार्वजनिक घोषणाओं के बावजूद कोई भी विक्रेता इन्हें अपना बताने के लिए आगे नहीं आया। 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' के प्रावधानों के तहत पूरी सामग्री को जब्त कर मजनू का टीला स्थित एमसीडी डंपिंग साइट पर नष्ट कर दिया गया। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मोरी गेट से लिए गए खोया और क्रीम के सभी 10 नमूने स्टेट लेबोरेटरी में जांच के दौरान मानकों पर खरे नहीं उतरे।

बाग दीवार और संजय मार्केट इलाके से भी खोया के दो नमूने लिए गए, जबकि 'फूड सेफ्टी व्हील' से जांचे गए चार नमूने, दो पनीर और दो खोया, मानकों के अनुरूप पाए गए। वहीं, जनकपुरी मंडी में प्रवर्तन टीम ने 10 खाद्य कारोबारियों के परिसरों का निरीक्षण किया और पनीर के 10 नमूने लिए। इसके अलावा, फूड सेफ्टी व्हील के जरिए 28 निगरानी नमूनों की मौके पर ही जांच की गई, जिनमें से चार में डिटर्जेंट पाया गया। एहतियाती कदम के तौर पर लगभग 150 किलोग्राम पनीर और 10 किलोग्राम खोया मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

'जैसे कोई एक्शन फिल्म का हीरो धड़ाधड़ पंचलाइन मार रहा हो'

विजय के भाषण पर बीजेपी का तंज, बोले- विधानसभा स्टूडियो नहीं

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख और पूर्व मंत्री नैनार नागेंद्रन ने टीवीके सरकार और सीएम विजय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सीएम को तमिलनाडु में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, जनता की सुरक्षा के लिए नई योजनाएं पेश करनी चाहिए थीं और लोगों की जान-माल की सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी। इसके बजाय आपने असभ्य राजनीति की।

तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, 'विधानसभा आपका फिल्म स्टूडियो नहीं है, मिस्टर विजय।' उन्होंने विजय पर विधानसभा को मनगढ़ंत संवादों के मंच के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि तमिलनाडु के लोग केवल राजनीतिक बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देने के लिए वहां नहीं आए थे।

लोगों का पुलिस फोर्स से भरोसा उठ गया है- नैनार नागेंद्रन

उन्होंने कहा, 'कोयंबटूर जिले में पिछले एक महीने में ही दस हत्याएं हुई हैं। चेन्नई में, जहां आपका ऑफिस है, कल एक ही दिन में दो बेरहम हत्याएं हुईं। आपके पद संभालने के बाद से कस्टडी में छह मौतें हुई हैं। ड्यूटी पर तैनात कुछ पुलिसकर्मी जनता के साथ बदतमीजी से पेश आते हैं और लोगों का उस पुलिस फोर्स से भरोसा उठ गया है जो सीधे आपके कंट्रोल में काम करती है।' राज्य बीजेपी चीफ ने आगे कहा, 'ऐसे हालात में, आज पुलिस विभाग के लिए ग्रांट की मांगों पर हुई विधानसभा बहस के दौरान, आपको इन गंभीर सच्चाइयों पर सही जवाब देने चाहिए थे। आपको तमिलनाडु में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, जनता की सुरक्षा के लिए नई योजनाएं पेश करनी चाहिए थीं और लोगों की जान-माल की सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी।' नैनार नागेंद्रन ने कहा, 'इसके बजाय आपने चिल्लाकर और भड़ास निकालकर असभ्य राजनीति की, जैसे कोई एक्शन फिल्म का हीरो धड़ाधड़ पंचलाइन मार रहा हो और ऐसा बर्ताव किया मानो कानून-व्यवस्था से आपका कोई लेना-देना ही न हो। इसलिए, मुख्यमंत्री जी, कृपया जनता के मंच पर जन-कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने पर ध्यान दें, तमिलनाडु की जनता को पिता और पुत्र की कहानियों की कोई जरूरत नहीं है। '

भारत-लक्जमबर्ग के बीच अंतरिक्ष, एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

भारत में व्यवसाय विस्तार के लिए लक्जमबर्ग की कंपनियों के सामने मौजूद अवसरों का भी उल्लेख किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और लक्जमबर्ग ने अंतरिक्ष, उभरती प्रौद्योगिकियों और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाई देने की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चा की है। लक्जमबर्ग के अर्थव्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम, ऊर्जा और पर्यटन मंत्री लेक्स डेल्स ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने का प्रस्ताव रखा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक ऐसे सहयोगी तंत्र पर विचार किया जो अंतरिक्ष क्षेत्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम प्रौद्योगिकी, उन्नत सामग्री विज्ञान और जीवन विज्ञान जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ा सके। यह तंत्र जनवरी

2027 में प्रस्तावित लक्जमबर्ग के भारत दौरे से पहले दोनों देशों की ओर से ठोस सुझाव और सहयोगी परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में भी मदद करेगा। बैठक के दौरान भारत-लक्जमबर्ग अंतरिक्ष सहयोग की मौजूदा स्थिति, संस्थागत और व्यावसायिक साझेदारी की संभावनाओं तथा प्रस्तावित राजकीय यात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। लक्जमबर्ग के प्रतिनिधिमंडल में मंत्री के कार्यालय, आर्थिक नीति, उद्योग, नई प्रौद्योगिकियों, अनुसंधान विभाग और लक्जमबर्ग स्पेस एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग पिछले कुछ वर्षों में व्यावसायिक आयाम भी हासिल कर चुका है, जिसमें संचार उपग्रह ट्रांसपोंडर लीजिंग और भारतीय पीएसएलवी रॉकेट के माध्यम से लक्जमबर्ग के दो उपग्रहों का वाणिज्यिक प्रक्षेपण शामिल है। उन्होंने बताया कि इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेस) और लक्जमबर्ग स्पेस एजेंसी भी दोनों देशों के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के बीच संवाद और सहयोग बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी से अंतरराष्ट्रीय और व्यावसायिक सहयोग के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

2027 चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी का 'नीला' दांव, बीजेपी बोली- रंग बदलने से कर्मों के दाग नहीं धुलेंगे

एजेंसी

लखन । उत्तर प्रदेश में लंबे समय से नीला रंग दलित-आंबेडकरवादी राजनीति से जुड़ा माना जाता रहा है। राज्य की दो दलित-केंद्रित पार्टियों बहुजन समाज पार्टी और आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) ने इस रंग को अपनी राजनीतिक पहचान का हिस्सा बनाया है। लेकिन अब ये दोनों पार्टियां इस मामले में अकेली नहीं रहेंगी, क्योंकि समाजवादी पार्टी भी अब अपने छात्र संगठन समाजवादी पार्टी छात्र सभा के लिए नीले रंग का ड्रेस कोड लागू कर सकती है। कई लोग इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' एजेंडे के तहत न सिर्फ आम युवाओं बल्कि खास तौर पर दलित युवाओं से जुड़ने की कोशिश के तौर पर देख रहे हैं। इस संबंध में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से मंगलवार को घोषणा किए जाने की संभावना है। समाजवादी पार्टी का यह कदम समाजवादी पार्टी युवजन सभा, समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी, समाजवादी पार्टी आंबेडकर वाहिनी और समाजवादी पार्टी छात्र सभा सहित अपने युवा संगठनों को विशिष्ट पहचान देने के प्रयास का हिस्सा है, ताकि जेन-जी और जेन-अल्फा से संबंधित मुद्दों पर प्रयासों को तेज किया जा सके। एक वरिष्ठ सपा नेता ने कहा कि पार्टी अब इन सभी संगठनों के लिए पहचान बनाने के तरीकों पर विचार कर रही है। नेता ने आगे कहा, 'चूंकि पार्टी के पास कई युवा संगठन हैं, इसलिए हर एक इकाई की भूमिका और पहचान निर्धारित करने का विचार है और नई ड्रेस कोड उसी दिशा में एक कदम है। ' इस बीच, इस संभावित कदम की खबरों पर सत्ताधारी बीजेपी ने प्रतिक्रिया दी है और इसे दलित वोट हासिल करने की कोशिश के तौर पर देखा है। दलित मुद्दों पर सपा के खराब रिकॉर्ड और उनके वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान द्वारा भीमराव आंबेडकर पर की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, 'रंग बदलने से उनके कर्मों के दाग नहीं धुलेंगे। विपक्षी दल (पोशाक का) रंग बदलकर दलित मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहा है। '

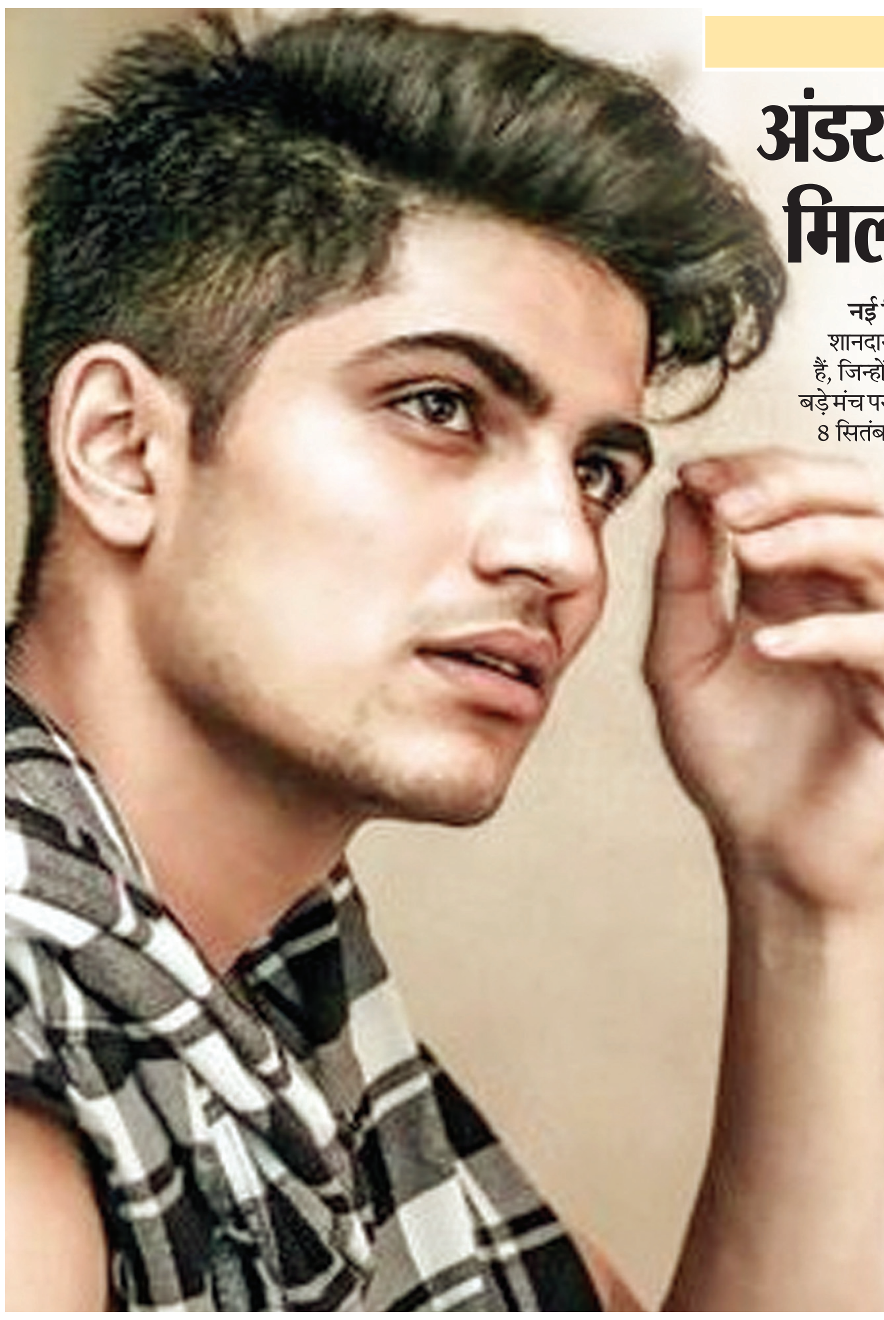

जन्मदिनः 27 के हो गए शुभमन गिल

अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान, कम उम्र में मिली कप्तानी, बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे।

कैसा रहा गिल का शुरुआती सफर?

साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुकाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा

दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुकाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने सिडनी में अर्धशतक लगाने के बाद गाबा में भारत की रोमांचक जीत में 91 रन की शानदार पारी खेली थी। महज 23 साल की उम्र में गिल वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, जिन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 149 गेंदों में 208 रन की पारी खेली।

पहले टेस्ट और फिर वनडे टीम की मिली कमान

आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस ने इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा। हार्दिक पांड्या के जाने के बाद गिल को फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया। इसके बाद रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से रिटायर होने के बाद उन्हें साल 2025 के इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया। पिछले साल अक्तूबर में ही उन्हें टीम इंडिया की वनडे कमान भी सौंपी गई। शुभमन गिल भारत के लिए 43 टेस्ट मुकाबलों में 43.47 की औसत के साथ 3,043 रन बना चुके हैं। इसमें 11 शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 67 वनडे मुकाबलों में उन्होंने नौ शतक और 20 अर्धशतक के साथ 3,379 रन बना चुके हैं। वहीं, 36 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 869 रन निकले हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

अगले साल होगी बड़ी परीक्षा

गिल के सामने 2027 में बड़ी परीक्षा है। अगले साल वनडे विश्व कप का आयोजन होना है। भारत पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब अपने नाम करने से चूक गया था। भारत अगर गिल की कप्तानी में उतरता है और खिताब अपने नाम करने में सफल रहता है तो गिल तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे जिन्होंने भारत को वनडे विश्व कप का खिताब दिलाया है। अब तक सिर्फ कपिल देव (1983) और महेंद्र सिंह धोनी (2011) ही ऐसा कर चुके हैं।

पाकिस्तानी कप्तान पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को महिला एशिया कप के ग्रुप मैच के दौरान आउट करने के बाद 'अपमानजनक इशारा' करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शनिवार (5 सितंबर) को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ा

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों। इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनकी दूसरी गलती है।

फातिमा के दो डिमेरिट अंक हुए- इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

फातिमा को इससे पहले छह अगस्त 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मैच के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। फातिमा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। मैच रैफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या मिलती है सजा

मैदानी अंपायर निमाली परेरा और शथिरा जाकिर जेसी, तीसरी अंपायर रोकैया सुल्ताना और चौथे अंपायर रबाब अहसन ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था। लेवल-एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक है।

सात्विक-चिराग का आत्मविश्वास बढ़ा, अब एशियन गेम्स पर नजर

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वर्ल्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सात्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था। चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कमियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है। चिराग ने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत

क्वार्टरफाइनल खेला। इसलिए मुझे लगता है कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद, हमारा शरीर एक तरह से स्थिर हो गया, उसकी आदत हो गई, और फिर हम बेहतर हुए। फिर चाइना मास्टर्स में हमें यह भी निश्चित तौर पर पता नहीं था कि पूरे हफ्ते हम शारीरिक रूप से कितना झेल पाएंगे। इसलिए हम एक बार में एक ही मैच पर ध्यान दे रहे थे। कुल मिलाकर, पूरे हफ्ते सब कुछ काफी सहज रहा। तो आगे के लिए यह एक अच्छा संकेत है। '

चिराग ने आगे कहा कि चीन में कई मैच खेलने के अनुभव से उन्हें अपनी शारीरिक स्थिति को लेकर और अधिक आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमें कोर्ट पर ज्यादा समय नहीं मिला। खासकर चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मुश्किल मैच से पहले। हम लगभग तीन महीनों बाद कोई टूर्नामेंट खेल रहे थे। जो पहला टूर्नामेंट हमने खेला, उसमें हमारा खेल बहुत अच्छा नहीं था। जाहिर है, मुझे लगता है कि हमारा शरीर भी उस हिसाब से ढल नहीं पाया था, जबकि यहां चाइना ओपन में हमने पांच मैच खेले, और पहले राउंड को छोड़कर बाकी सभी में हमने तीन-तीन गेम खेले। फिर भी, वर्ल्ड चैंपियनशिप के मुकाबले अब हमारा शरीर कहीं बेहतर महसूस कर रहा है। चाइना मास्टर्स से पहले हमें प्रैक्टिस के लिए एक हफ्ता और मिला। इससे हमें चाइना मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने में वाकई मदद मिली। '

जूनियर हॉकी एशिया कप

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से रौंदा, सेमीफाइनल के करीब टीम इंडिया

मोकी, एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के पूल ए में शीर्ष भारतीय टीम में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मैच की बात करें तो ज्यादातर समय मुकाबला बराबरी पर रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में मैच काफी रोमांचक रहा, कोई भी टीम एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इंडिया ने अच्छी शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त बना ली। दक्षिण कोरिया के लिए अगले ही मिनट में डोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी यही पैटर्न रहा। लवनूर सिंह ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करके इंडिया को आगे कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरिया ने ह्योगुक यू की मदद से अगले 60 सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। हालांकि, इंडिया ने यह पक्का किया कि वे हाफ-टाइम तक इस बढ़त को बनाए रखें। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल करके इंडिया की एक गोल की बढ़त वापस ला दी और ब्रेक तक उन्हें 3-2 की बढ़त दिला दी।

दक्षिण कोरिया ने दोबारा मैच शुरू होने के बाद भी हार नहीं मानी और इंडियन डिफेंस को लगातार परखता रहा। यू एक बार फिर उनके अटैकिंग खेल का सेंटर थे, उन्होंने तीसरे क्वार्टर के सिर्फ छह मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबर हो गई।

जब मैच आखिरी क्वार्टर में बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तो प्रभदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के आखिर में ब्रेकथ्रू पाया और 42वें मिनट में इंडिया की लीड 4-3 कर दी। चौथे क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर अटैक करना जारी रखा, लेकिन इंडिया ने आखिरकार सिर्फ तीन मिनट के अंदर तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया।

गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर फिर से गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया। इसके बाद आर्यन जेस ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल को 7-3 से भारत की जीत पर मुहर लगाई। कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट में उनके गोलों की संख्या आठ हो गई।

यूएस ओपन-2026

ज्वेरेव-बोटिक और गॉफ-रायबाकिना क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, , एजेंसी। *यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को सीधे सेटों में हराया, जबकि बोटिक ने दो सेट पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए आर्थर गेआ को मात दी। अब दोनों के बीच अंतिम आठ में मुकाबला होगा।ज्वेरेव ने 21वीं वरीयता प्राप्त डार्डेरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराया। जर्मन खिलाड़ी ने अपनी सर्व और दमदार बेसलाइन हिटिंग के दम पर लगातार दबाव बनाए रखा। डार्डेरी ने तीसरे सेट में अपनी पहली सर्विस और ड्रॉप शॉट के जरिए मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखा और तीसरा सेट टाईब्रेक में जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।इस जीत के साथ ज्वेरेव 2026 में सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं।*

दो सेट हारने के बाद बोटिक की ऐतिहासिक वापसी

दूसरी ओर, बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने आर्थर गेआ के खिलाफ पांच सेट के मुकाबले में शानदार वापसी की। 87वीं रैंकिंग वाले गेआ ने शुरुआती दोनों सेट 6-3, 7-6(0) से जीतकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। इसके बाद बोटिक ने लगातार तीन सेट जीतकर मैच का रुख पलट दिया। बोटिक ने तीसरा सेट 7-6(7) से जीता। इस सेट के टाईब्रेक में गेआ मैच पॉइंट तक पहुंच गए थे, लेकिन अहम मौके पर उनकी फोरहैंड वॉली और एक अन्य वॉली में गलती हुई, जिसका फायदा बोटिक ने उठाया।चौथे सेट में भी गेआ मैच के लिए सर्व करने की स्थिति में पहुंचे, लेकिन वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके। बोटिक ने टाईब्रेक 7-6(6) से जीतकर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचाया। पांचवें सेट में उन्होंने 6-4 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 5 घंटे 13 मिनट चला और यूएस ओपन इतिहास का चौथा सबसे लंबा पुरुष एकल मुकाबला रहा। 30 वर्षीय बोटिक ने 2021 के बाद एक बार फिर न्यूयॉर्क में अंतिम आठ में जगह बनाई है।

कोको गॉफ ने इवा जोविक का सफर रोका, अगले दौर में पहुंची

महिला एकल में 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने 18 वर्षीय इवा जोविक को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जोविक पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर तक पहुंची थीं, लेकिन गॉफ के खिलाफ उनका सफर खत्म हो गया। शुरुआत में मुकाबला कुछ हद तक बराबरी का रहा, लेकिन लय हासिल करने के बाद गॉफ ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने पहले सेट में जोविक की दो बार सर्विस तोड़ी और सेट 6-1 से जीत लिया।दूसरे सेट में जोविक ने बेहतर खेल दिखाया और गॉफ पर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि, अहम मौकों पर गलतियों के कारण वह अपनी सर्विस गंवा बैठीं और गॉफ ने 6-4 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जोविक ने मैच में सिर्फ नौ विनर्स लगाए, जबकि उनके नाम 30 अनफोर्स्ड एरर्स रहे। क्वार्टर फाइनल में गॉफ का सामना मिरा एंड्रीवा से होगा।

रायबाकिना ने ओसाका को हराया

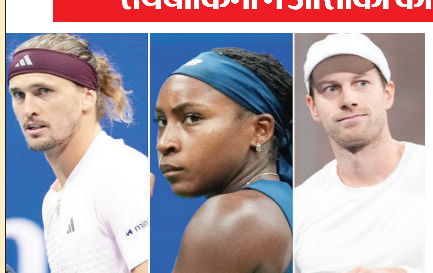

इससे पहले एलेना रायबाकिना ने पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। रायबाकिना ने पहला सेट सिर्फ 22 मिनट में जीत लिया और पूरे मुकाबले में अपनी दमदार बेसलाइन हिटिंग से ओसाका पर दबाव बनाए रखा। 13वीं वरीयता प्राप्त ओसाका ने दूसरे सेट में आक्रामक शुरुआत की और अपनी सर्विस बचाती रहीं, लेकिन सातवें गेम में रायबाकिना ने अहम ब्रेक हासिल कर लिया। ओसाका को मैच के दौरान बाएं पैर में भी परेशानी हुई। इसके बावजूद उन्होंने मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन रायबाकिना ने 6-4 से दूसरा सेट जीतकर 66 मिनट में मैच खत्म कर दिया। इस हार के साथ 2018 और 2020 की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। रायबाकिना अब क्वार्टर फाइनल में ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन से भिड़ेंगी।

मेधा शंकर इंडियाज गॉट लेटेंट के पैनल में शामिल हुईं

विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही फ्लाइट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट विवादों से दूर नहीं रहा है।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लेटेस्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं।

समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही फ्लाइट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है।

पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर अपने कंटेंट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शेरोन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेंट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और इससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शेरोन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शेरोन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का प्रीमियर

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अनोखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं।

नजदीकियां में दिखेंगे निकिता दत्ता और ताहा शाह

धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमेंट एक नई सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम 'नजदीकियां' बताया जा रहा है। इस सीरीज का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर रुचिर अरुण करेंगे। इसमें निकिता दत्ता और ताहा शाह बदुशा लीड रोल में नजर आएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'नजदीकियां' की कहानी आज के दौर के रिश्तों और उनकी जटिलताओं पर बेस्ड होगी। सीरीज में प्यार, शादी, जिम्मेदारियों और अपनी इच्छाओं के बीच फंसे लोगों की कहानी दिखाई जाएगी। कहानी में दो शादीशुदा जोड़ों की जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उनके जीवनसाथियों के बीच एक ऐसा रिश्ता बन जाता है, जो धीरे-धीरे बेहद गहरा होता चला जाता है।

'नजदीकियां' की कहानी दो कपल्स के इर्द-गिर्द घूमेगी। शुरुआत में इन दोनों जोड़ों की जिंदगी सामान्य नजर आती है, लेकिन समय के साथ उनके रिश्तों में बदलाव आने लगता है। दोनों कपल्स के जीवनसाथियों में से दो लोग एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं।

'नजदीकियां' में आकांक्षा सिंह भी लीड रोल में नजर आएंगी। आकांक्षा टेलीविजन की लोकप्रिय एक्ट्रेसस में रही हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। सीरीज में परेश पाहुजा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परेश इससे पहले 'बंदिश बैंडिट्स' और 'चांद मेरा दिल' में नजर आ चुके हैं। उनकी एक्टिंग को ओटीटी दर्शकों ने भी पसंद किया है। सीरीज की शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। इसके बाद इसे साल 2027 में प्राइम वीडियो पर रिलीज करने की योजना है।

नेपोटिज्म पर अरशद वारसी की अलग राय? स्टारकिड्स के बारे में कहा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आईं। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावास से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहां तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है। अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहां टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आईं और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा'। अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता।

एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है'। अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।

साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगी वेदिका पिंटो, लक्ष्य के साथ बनेगी नई जोड़ी

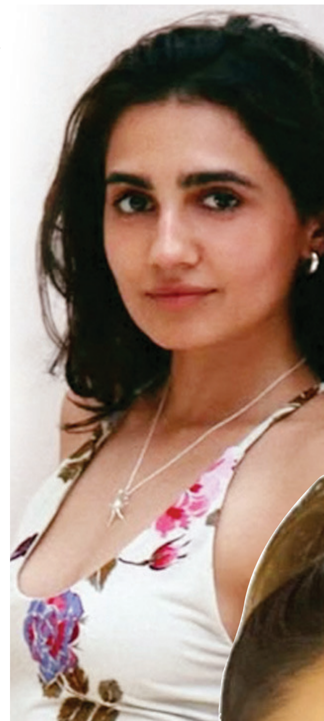

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नज़र आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉकटेल है, जो कहानी को काफी इंट्रिगिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बा*ड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सेटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टेबल किरदार एक्सप्लोर करते नज़र आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइज़िंग! अपने डिस्टिंक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर बोलीं क्रिस्टल डिसूजा

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।' क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।''

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

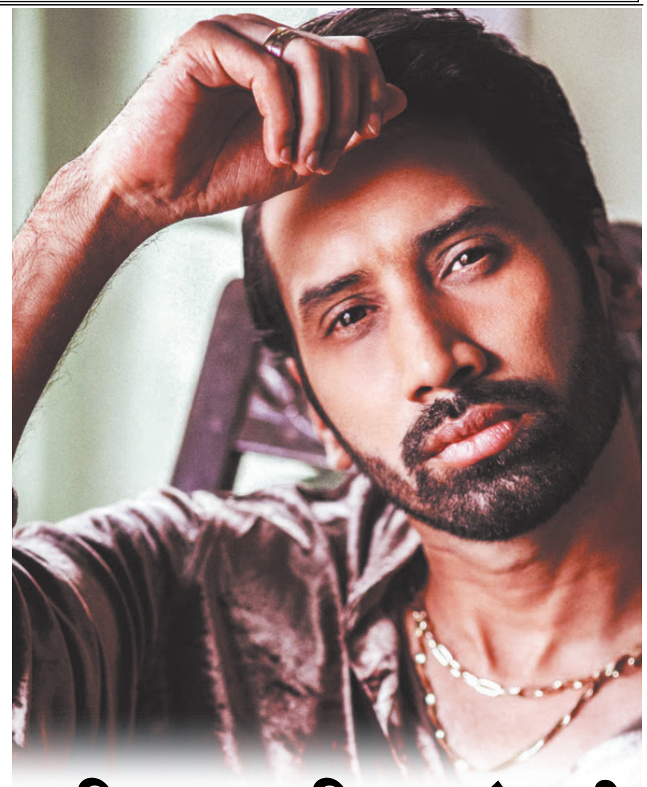

अभिलाष थपलियाल ने सभी से तापसी की 'गांधारी' देखने की गुजारिश की

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्टी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

रोबोटिक इंजीनियरिंग में बढ़ते मौके

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से विकास ने खतरनाक और जोखिम से लैस कायरे को पिछले कुछ वर्षो में आसान कर दिखाया है। आज के वैज्ञानिक अचम्भों से भरे इस युग में मानव द्वारा विकसित रोबो ट ने कठिन से कठिन कायरे को सरल और असंभव को संभव कर दिया है। इस प्रगति के कारण ही उत्पादन का क्षेत्र भी इतनी तरक्की कर पा रहा है

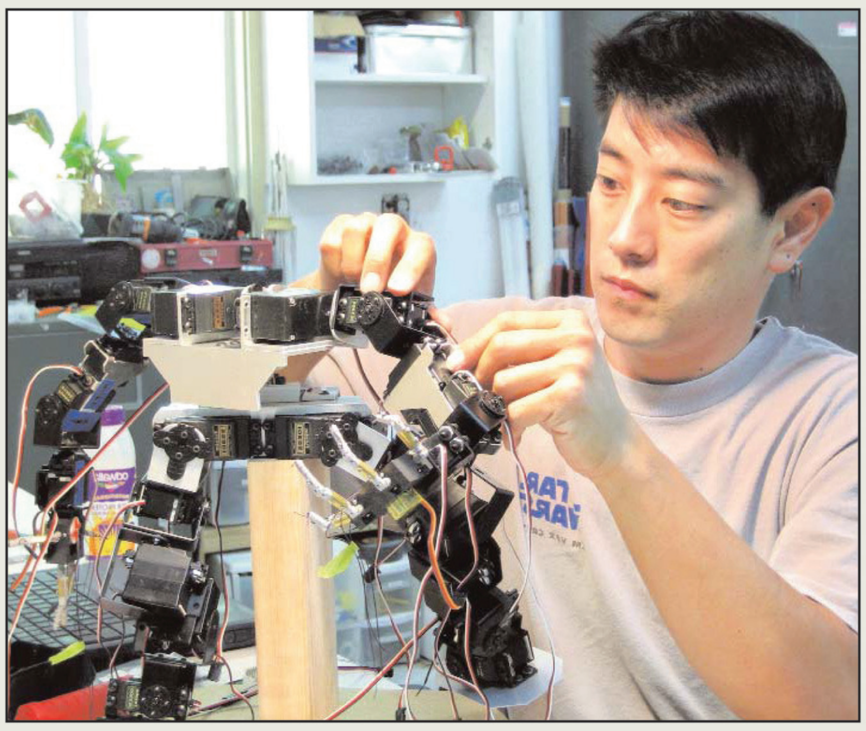

रोबोटिक्स आधुनिक विज्ञान की सबसे अनोखी और अविश्वसनीय आविष्कारों में से एक है। सामाजिक विकास के लिए रोबोटिक किसी वरदान से कम नहीं है। कुछ समय पहले रोबोट केवल अमीर और पूंजीपतियों के मनोरंजन का माध्यम था परंतु अब ये आम व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। रोबोटिक्स ने दुनिया को बेहतर करने और मनुष्यों की सेवा करने में अहम योगदान प्रदान किया है। इसका बड़ा उदाहरण अस्पताल है, जहां इसके जरिए मरीज का ऑपरेशन तक किया जा रहा है। राजधानी के बड़े अस्पतालों में इससे जु ड़ी तकनीक का आगमन होने लगा है। वह दिन दूर नहीं जब यह जिला स्तर के अस्पतालों में भी पहुंच जाएगा। रिसर्च के क्षेत्र में भी इसका जमकर इस्तेमाल हो रहा है। देखा जाए तो रोबोटिक इंजीनियरिंग के जरिए आज जीवन को आसान बनाया जा सकता है। जरूरत है इसके संचालन और बनाने की विधि को जानने की।

कोर्स का ढांचा

स्वचालन और रोबोटिक्स में छात्रों को कम्प्यूटर विनिर्माण सिस्टम, रोबोट मोशन, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, टेक्निक ड्राइंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के तत्वों का विवरण और विश्लेषण दिया जाता है। इनके साथ-साथ अन्य विषयों जैसे द्रव विज्ञान, रसायन विज्ञान, आईटी के सिद्धांत, निर्माण मशीनरी जैसे विषयों का भी अध्ययन कराया जाता है।

रोबोटिक इंजीनियर के कार्य

रोबोटिक इंजीनियर रोबोट को प्रोग्राम और डिजाइन करने में अहम यो गदान देता है। सभी तकनीकी कार्य रोबोटिक इंजीनियर द्वारा सुनिश्चित किये जाते हैं। रोबोट की प्रोग्रामिंग से लेकर रोबोट बनने का सारा काम एक रोबो टिक इंजीनियर की देखरेख में ही होता है। रोबोट के प्रयोग के सभी निर्देश रोबोटिक इंजीनियर ही देता है। अगर कोई खराबी या गड़बड़ी हो जाए तो उसे ठीक करने का कार्य भी वही करता है। रोबोटिक इंजीनियर को मैकेनिक्स, सर्किट विश्लेषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रो-प्रोसेसरों और प्रोग्रामिंग में निपुण किया जाता है।

अवसर

विदेशों में जाने वाले अधिकतर छात्र रोबोटिक में करियर बनाना चाहते हैं। इस क्षेत्र में नौकरी पाने के आसार दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। जिस तरह इसका प्रवेश विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है, उस हिसाब से इसके संचालन से जुड़े कर्मचारी नहीं हैं। इस काम में दक्ष युवाओं की मां ग आने वाले दिनों में अस्पताल, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में बढ़ेगी। रोबोटिक्स का छात्र कई अन्य विस्तृत काम कर सकता है, जै से नैनो टेक्नोलॉजी, आधुनिक हथियार, सर्जरी, अंतरिक्ष अन्वेषण इत्यादि। रोबोटिक्स में कई समस्याओं का समाधान है। व्यावहारिक ज्ञान और अनुसंधान के लिए जिज्ञासा होना जरूरी है। इस क्षेत्र की कोई सीमा नहीं है।

स्वचालन और रोबोटिक्स में नौकरी कई अवसरों और संभावनाओं को साथ लाती है। रोबोटिक इंजीनियर विभिन्न क्षेत्रों में से किसी एक से चयन करता है। ट्रेनर्स, सेल्स, शोधकर्ता और विश्लेषक, पर्यवे क्षक व रोबो टिक टेक्नीशियन, रोबो टिक टेस्ट इंजीनियर और रो बोटिक सिस्टम्स इंजीनियर और वरिष्ठ रोबोटिक विशेषज्ञ जैसे कई विकल्प मौजू द हैं। यही विकल्प छात्रों को रोबोटिक इंजीनियर बनने के लिए प्रेरित करते हैं । मेडिकल क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की मांग अब बढ़ने लगी है।

संस्थान

- उस्मानिया विविद्यालय, हैदराबाद
- महाराणा सयाजीराव विविद्यालय, वडोदरा (एम.एस.)
- हैदराबाद विविद्यालय, हैदराबाद
- जादवपुर विविद्यालय, कोलकाता
- बनारस हिंदू विविद्यालय, वाराणसी
- एस. आर. एम.विविद्यालय, कांचीपुरम
- भारत विविद्यालय, चेन्नई

दाखिले की योग्यता

इस कोर्स में दाखिले के लिए स्कूली स्तर पर विज्ञान विषयों का चयन जिनमें गणित, रसायन, गणित और जीव विज्ञान हैं, का अध्ययन जरूरी है। इसके अलावा, आईआईटी में स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में पास होना जरूरी है। स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए आईआईटी में इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इसे बीटेक कहते हैं। अगर कोई मास्टर डिग्री करना चाहे तो उसकी अवधि दो वर्ष है।

वेतनमान

रोबोटिक इंजीनियर का पारिश्रमिक उसके स्तर के साथ बदलता है। जैसे योग्यता और स्तर बढ़ता है वैसे पारिश्रमिक भी बढ़ता जाता है। प्रारंभिक पैकेज पांच से छह लाख रुपये सालाना शामिल है। इस क्षेत्र में अनुभव के साथ पद और पैकेज में बढ़ोतरी होती जाती है।

पहला प्रभाव ही होता है व्यक्ति की अंतिम पहचान

आपने सुना ही होगा कि फर्स्ट इंप्रेशन इज दी लास्ट इंप्रेशन। अंग्रेजी की यह कहावत बताती है कि इंसान का पहला प्रभाव ही उसकी अंतिम पहचान होती है। लोग किसी को भी देख कर बहुत जल्दी अपनी राय बना लेते हैं। यह न भूले कि पहला प्रभाव किसी भी व्यक्ति पर लंबे अरसे तक बना रहता है। याद रखें कि ऑफिस का पहला दिन हो या किसी से पहली मुलाकात। कपड़े साफ-सुथरे, अच्छे से पहनें, मेकअप के टिप्स भी अपनाएं और बालों का अंदाज भी बदलें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना ज्यादा जरूरी है कि आपका पहला प्रभाव एक सॉट स्पोकेन और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में कैसे बन सकता है।

आपके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास होना बहुत जरूरी है। चेहरे में मुस्कान लाएं और आत्मविश्वास से सीधे आँखों से आंखे मिलाकर बात करिए। इससे ऐसा लगेगा कि आपकी रुचि संबंधित व्यक्ति में है। मजबूती से हाथ मिलाइए और संक्षेप में बातचीत करिए। याद रखें, नर्वस होने से और व्यर्थ के तनाव से चेहरे व व्यवहार पर उसकी झलक दिखाई देने लगती है। पूरे तौर पर रिलेक्स रहिए।

आप अपनी बॉडी लैंग्वेज से बहुत कुछ कह सकती हैं। अपने अंदाज जानिए और पहचानिए। कैसे बातचीत करें अपने व्यक्तित्व की छाप और बॉडी लैंग्वेज के बल पर आपने आधी जंग जीत ली। ध्यान से सुने कि सामने वाला क्या कह रहा है और उसका जवाब समझदारी से दें। इससे आप अपनी बात सही तरीके से कयुनिकेट कर पाएंगी। अपनी सोच सकारात्मक और आशावादी रखनी चाहिए। साथ ही कपड़ों का सेलेक्शन करते समय सबसे पहले यह ध्यान रखें कि अवसर क्या है, मौसम कैसा है, बिजनेस मीटिंग है, जॉब इंटरव्यू है, पार्टी है या सोशल गैदरिंग, प्रोफेशनल अवसर हो तो आपकी ड्रेस कुछ खास लेकिन सोबर होनी चाहिए। यदि रात की किसी पार्टी में जा रही हैं तो कुछ प्रयोग कर सकती हैं। फॉर्मल कपड़े पहन सकती हैं। लेकिन यदि निश्चित नहीं है तो थोड़ी परंपरावादी सोच अपनाएं। आपका मेकअप स्वाभाविक लगने के साथ-साथ फ्रेश लुक देने वाला हो। कभी भी गहरा मेकअप न करें। अपना हेयर स्टाइल भी साफ-सुथरा तथा सादा रखें।

रेडियोलॉजी में बेहतरीन संभावाएं

मेडिकल का दायरा सिर्फ डॉक्टर या नर्स तक सीमित नहीं है, इसमें कई लोग जुड़े होते हैं। उन्हीं में से एक है रेडियोलॉजी टेक्नीशियन। आजकल हर छोटी-बड़ी बीमारी का आकलन करने के लिए एक्स-रे किया जाता है। यह कार्य रेडियोलॉजिस्ट करते हैं। करियर बनाने के लिए इस क्षेत्र में बेहतरीन संभावनाएं हैं...

शरीर के विभिन्न अंगों का एक्स-रे रेडियोलॉजिस्ट करते हैं। एक्सरे करते वक्त मरीज तथा आसपास के लोगों पर रेडियोएक्टिव किरणों का साइड इफेक्ट न हो, इस बात की निगरानी भी रखते हैं। इसके अलावा, वे रेडियोग्राफिक उपकरणों की देखभाल तथा रोगियों केॉ रिकॉड्र्स भी मेंटेन करते हैं। केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हैल्थ सेक्टर में विशेषज्ञ तथा ट्रेंड रेडियोलॉजिस्ट की काफी आवश्यकता महसूस की जा रही है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी की रिपोर्ट पर गौर करें तो सालाना 16 प्रतिशत की दर से इसमें बढ़ोतरी की संभावना है, ऐसे में जाहिर है रोजगार भी बढ़ेंगे।

कोर्स- रेडियोलॉजिस्ट में आप बीएससी इन रेडियोलॉजी (तीन वर्ष), सर्टिफिकेट इन रेडियोग्राफी (एक वर्ष), डिप्लोमा इन एक्स-रे टेक्नीशियन (एक वर्ष), पीजी डिप्लोमा इन रेडियो थैरेपी टेक्नोलॉजी (दो वर्ष) का कोर्स कर आप करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

योग्यताएं- इस क्षेत्र से संबंधित स्नातक की डिग्री, सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी में 50 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। यदि आप साइंस विषयों में स्नातक हैं तो पीजी डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। गौरतलब है कि इसमें प्रवेश मुख्यत: 12वीं पास अंकों के आधार पर ही होता है, लेकिन कुछ संस्थान एंट्रेंस टेस्ट व इंटरव्यू के आधार पर भी चयन करते हैं।

रोजगार- रेडियोलॉजी कोर्स करने के बाद आप सरकारी तथा प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम, लीनिक, मिलिट्री सर्विस, शिक्षा संस्थानों तथा रिसर्च लैबोरेटरी आदि में नौकरी हासिल कर सकते हैं।

सैलेरी पैकेज- भारत में रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की शुरुआती सैलरी 10 हजार से 15 हजार रुपए प्रतिमाह होती है। वहीं, एक अनुभवी व प्रशिक्षित रेडियोलॉजिस्ट 20 हजार से 25 हजार रुपए प्रतिमाह प्राप्त कर सकता है। विदेशों में रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की अधिक मांग है। यदि आप इससे संबंधित कोर्स करके विदेश जाते हैं, तो भारत की अपेक्षा कई गुना ज्यादा आय अर्जित कर सकते हैं।

संस्थान- -आईजीएमसी शिमला

-डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, कांगड़ा

-ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली

फिटनेस ट्रेनर बनकर संवारें भविष्य

जिस तरह भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की दिनर्चया हो गई है कि ऐसे में स्वस्थ रहना एक चैलेंज बन गया है, हालांकि इस चैलेंज का फिट रहकर बखूबी सामना किया जा सकता है। फिट रहने के लिए लोग तरह-तरह के तरीके अपना रहे हैं। कोई जिम जा रहा है तो कोई सुबह-सुबह वॉकिंग कर फिट रहने की कोशिश में जुटा है हालांकि इसके लिए सबसे ज्यादा फिटनेस ट्रेनर कारगर साबित हो रहे हैं। इसी डिमांड को देखते हु ए फिटनेस ट्रेनर बनकर मजबूत भविष्य बनाया जा सकता है।

फिल्म 'गजनी' में आमिर खान के ऐट पैक्स या 'ओम शांति ओम' में शाहरुख के सिक्स पैक्स एब्स, बिना फिटनेस ट्रेनर की मदद लिए यह सब नामुमकिन था। हालांकि बॉलीवुड में एक कहावत भी है कि हीरो फिट तो फिल्म हिट। सेलिब्रिटी कस्टमर्स होने से फिटनेस ट्रेनर को पॉपुलैरिटी तो मिलती ही है, साथ ही भारी-भरकम पैकेज के रास्ते भी खुलते हैं। यदि आपमें अच्छी बॉडी बनाने का जुनून है तो सत्यजीत चौरसिया, अलखस जोसेफ, मनीष अदविलकर जैसे फिटनेस वर्ल्ड के बड़े नामों में आप भी शामिल हो सकते हैं। इतना ही नहीं, अच्छी फिटनेस के बूते आप खेल समेत भागदौड़ वाले कई अन्य के क्षेत्रों में बेहतर करियर बना सकते हैं।

काम का स्वरूप

फिटनेस ट्रेनर का मुख्य काम क्लाइंट्स को शारीरिक रूप से फिट रखने के साथ जीवन जीने की शैली, प्रोफेशन और उम्र जैसे फैक्टर्स के मुताबिक, व्यायाम का समय और उससे जुड़ी अन्य गतिविधियां तय करना है। ट्रेनर्स जिम में मशीनों से क्लाइंट्स को वेट, कार्डियो, स्ट्रेचिंग, मसल्स कंडीशनिंग एक्सरसाइज और रूटीन फालो कराते हैं।

यहां है सुनहरा अवसर

आज मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले एग्जीक्यूटिव से लेकर टीनएजर्स तक हेल्थ कांशस हुए हैं। ऐसे में, क्वालीफाइड फिटनेस ट्रेनर्स के लिए शानदार अवसर हैं। जिम, होटल, हे ल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर्स, स्पो ट्र्स, हॉस्टल में फिटनेस ट्रेनर की काफी डिमांड है।

संस्थान

- इंदिरा गांधी इंस्टीट् यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस, नई दिल्ली
- लक्ष्मीबाई ने शनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
- साई, नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला, पंजाब
- साई, एनएस ईस्टर्न सेंटर, सॉल्ट लेक, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

योग्यता और कौशल

फिटनेस ट्रेनर को कामयाबी पाने के लिए उत्साह का स्तर बनाये रखना काफी जरूरी है। यहां हर दिन टीनएजर्स से लेकर सीनियर सिटीजन तक से मुलाकात होती है। शानदार स्टेमिना, अच्छी फिजीक के साथ कम्युनिकेशन स्किल्स, इंट्रापर्सनल स्किल्स की भी जानकारी काम आती है।

ट्रेनिंग भी है आवश्यक

आप यहां नाइक एयरोबिक्स कोर्स या इंस्ट्रक्टर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम जैसे ऑप्शंस का चयन कर सकते हैं। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी स्पोर्ट्स एंड एथलेटिक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम में जगह देता है। कई विविद्यालय भी बैचलर इन फिजिकल एजुकेशन, मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन जैसे कोर्स कराते हैं। इन कोर्स को करके एक अच्छी ट्रेनिंग हासिल की जा सकती है।

प्रोफेशनल कोर्स है जरूरी

फिटनेस ट्रेनरों की मानें तो पूरी तरह फिट बॉडी के लिए हर रोज एक्सरसाइज रिजाइम के साथ अनुशासनात्मक जिंदगी के अलावा संतुलित खान-पान आवश्यक है। इसकी प्रोफेशनल क्वालीफिकेशन हासिल करें, इंटरनेट पर उपयुक्त एवं प्रामाणिक एक्सरसाइज वीडियोज देखकर और बुक्स की मदद से अपनी जानकारी को और ज्यादा बढ़ायें।

प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए सीखें ये स्किल्ज

कॉलेज से निकलने के बाद कई स्टूडेंट्स वर्कप्लेस में खुद को बतौर प्रोफेशनल अच्छी तरह ढाल नहीं पाते। इसका कारण यह भी है कि वह जिंदगी की सच्चाई को अच्छी तरह नहीं समझते। जरूरी नहीं कि यह स्किल उन्हें क्लासरूम में ही मिले। अगर आप जिंदगी के सबक याद रखते हैं तो इससे करियर ग्रोथ में मदद मिलती हैं। वहीं अगर आपके पास ये स्किल्स नहीं हैं, तो प्रोफेशनल ग्रोथ अच्छी नहीं होगी...

डिसीजन मेकिंग

आपको सही समय पर सही फैसला करना भी आना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं कर पाते, तो इससे भी करियर पर नेगेटिव असर होता है। आपको पता होना चाहिए कि सही फैसला कैसे लिया जा सकता है। इससे आपकी ऑर्गेनाइजेशन और उससे जुड़े लोगों के करियर पर भी बड़ा इंपैक्ट होता है। कोई भी फैसला करने से पहले खुद से तीन सवाल करिए। पहला, आपने जो फैसला किया है, क्या वह आपके करियर गोल कोबढ़ा पाएगा? क्या इससे आपकी प्रोफाइल बढ़ेगी? तीसरा, क्या उस डिसीजन से आपकी ग्रोथ होगी? इसके बाद आप अपने फैसले को कंपनी की ग्रोथ से जोड़कर देख सकेंगे। इससे पता चलेगा कि आप जिस नतीजे का इंतजार कर रहे हैं, वह हासिल होगा या नहीं? आपको यह सवाल भी करना चाहिए कि फैसला गलत होने पर उस हालात को हैंडल कर सकते हैं या नहीं? इससे आपको सही फैसले करने में मदद मिलेगी। हमेशा अपनी असफलता और गलतियों से सीखने की कोशिश करें।

जान-बूझकर किसी की बात नहीं सुनना

प्रोफेशनल लाइफ में फेल होने की यह बड़ी वजह है। आपका फोकस बोलने वाले पर होना चाहिए। जैसे वह किन शब्दों का यूज कर रहा है। सेंटेंस कंस्ट्रक्शन, टोन ऑफ वॉयस और उसकी बॉडी लैंग्वेज क्या है? बोलने वाला असल में क्या कहना चाहता है, उसकी भी समझ आपको होनी चाहिए। अगर आप किसी की बात ध्यान से सुनते हैं तो आप उससे कम्युनिकेट करते हैं। अगर आप स्पीकर की किसी बात से सहमत नहीं हैं, तो उन्हें इस बारे में बता सकते हैं। अगर आप ध्यान से उनकी बात नहीं सुन रहे हैं तो ऐसा नहीं कर सकते। अगर क्लाइंट कुछ कह रहा है और आप उसकी बात ध्यान से नहीं सुन रहे हैं तो वह आपको अच्छा लीडर नहीं मानेगा। आप लीडरशिप स्किल में फेल हो जाएंगे।

कनेक्शन बिल्ड अप

कनेक्शन बनाना भी स्किल है। बिना इसके आप नौकरी नहीं कर पाएंगे। इस स्किल के बगैर आप मनचाहा नतीजा भी हासिल नहीं कर पाएंगे। अगर आपमें कनेक्शन बिल्ड अप करने की स्किल नहीं होगी तो टीममेंबर भी हेल्प नहीं कर पाएंगे। यह सब पर्सनल रिलेशनशिप से ही पॉसिबल होगा।

टाइम स्पेंड ऑन हाइली स्किल्ड पीपल

हमेशा हाइली स्किल्ड लोगों के साथ काम करने की कोशिश करें। इससे करियर ग्रोथ अच्छी होगी। वे लोग जिनकी स्किल कम होती है, वे टारगेट पूरा करने के लिए ओवरटाइम करते हैं। ऑफिस में अगर आप शुरू के 10 मिनट हाइली स्किल्ड लोगों के साथ गुजारेंगे तो इससे आपको भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

प्रमोटिव स्किल

ऑफिस में बॉस और सीनियर्स के सामने खुद को प्रमोट करने की कोशिश करें। उन्हें अपना अचीवमेंट भी बताएं।

टेरिबल स्ट्रैटेजी

करियर की शुरुआत में इस स्किल का होना भी बहुत जरूरी है। अगर आप खुद को मार्केट या नेगोशिएट नहीं कर सकते हैं, तो कोई दूसरा आपके लिए ऐसा नहीं करेगा। हमेशा लर्निंग पर इन्वेस्टमेंट करते रहें। इससे आपका सीवी भीअच्छा होता जाएगा और आप दूसरे काम के लिए शॉर्टलिस्ट होते चले जाएंगे।